।। श्री गणेशाय नमः ।।

राजा
गुरु

दिनमान
(लघु-पंचांग)

मंत्री
मंगल

विक्रम संवत २०८३, शक संवत १९४८, सन् २०२६-२०२७ सिद्धार्थ नाम संवत्सर

पूज्य पिताजी

स्वर्गीय पं. श्री महावीर प्रसाद जी डोकवाल

जिन्होने अपने जीवन में

अभिमान कभी किया नही । स्वाभिमान कभी खोया नही ।।

मूल्य

सप्रेम भेंट

केवल व्यक्तिगत
सदस्यों के लिए

संपादक

श्री सतीश कुमार एम.डोकवाल-जोशी

दुकान नं.८ यमुना बिल्डींग, राणी सती मार्ग

मालाड (पूर्व) मुंबई-४०० ०९७

दूरभाषः- ९३२२२२१७६७, ९९२०९६३५८५

।। श्री गणेशाय नमः ।।

राजा
गुरु

दिनमान
(लघु-पंचांग)

मंत्री
मंगल

विक्रम संवत २०८३, शक संवत १९४८, सन् २०२६-२०२७ सिद्धार्थ नाम संवत्सर

पूज्य पिताजी

स्वर्गीय पं. श्री महावीर प्रसाद जी डोकवाल

जिन्होने अपने जीवन मे

अभिमान कभी किया नही । स्वाभिमान कभी खोया नही ।।

मूल्य

सप्रेम भेंट

केवल व्यक्तिगत
सदस्यों के लिए

संपादक

श्री सतीश कुमार एम. डोकवाल-जोशी

दुकान नं. ८ यमुना बिल्डींग, राणी सती मार्ग

मालाड (पूर्व) मुंबई-४०० ०९७

दूरभाषः- ९३२२२२१७६७, ९९२०९६३५८५

।। श्री ।।

ॐ शांताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं ।
विश्वाधारं गगनसदृश्यं मेघवर्णं शुभांगम् ।।
लक्ष्मीकांतं कमलनयनं योगिभिध्यानगम्यं ।
वन्दे विष्णु भवभयहरणं सर्वलोकैकनाथम् ।।

ॐ जय जगदीश हरे, प्रभु जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट क्षण मे दूर करें ।। ॐ जय..
जो ध्यावे फल पावे, दुःख विनसे मन का,
सुख सम्पती घर आवे, कष्ट मिटे तन का ।। ॐ जय...
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ किसकी,
तुम विन और न दूजा, आश करु जिसकी ।। ॐ जय...
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी,
पार ब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ।। ॐ जय ....
तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता,
मैं मुरख खलकामी, कृपा करो भर्ता ।। ॐ जय...
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राण पति,
किस विधि मिलू दयामय, तुमसे मै कुमति ।। ॐ जय...
दीन-बंधु दुःख हर्ता, तुम रक्षक मेरे,
करुणा हाथ बढ़ाओ, द्वार पड़ा तेरे ।। ॐ जय...
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा,
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा ।। ॐ जय...
तन-मन-धन सब, कुछ है तेरा,
तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ।। ॐ जय ...
पर-ब्रह्म की आरती जो कोई नर गावें,
कहत शिवानंद स्वामी मनोवांछित फल पावें ।। ॐ जय ..

व्रत-उद्यापन, विवाह, गृह-प्रवेश, दुकान-ऑफिस मुहूर्त
कर्म-कांड तथा किसी भी मांगलिक कार्य में पूजा-हवन
जप-पाठ,आदि के लिए निम्न पत्ते पर संपर्क करे ।
विवाह योग्य संतान के अनुकूल रिश्तों के लिए अग्रवाल बंधु सम्पर्क करें।

पं. सतीश कुमार एम. डोकवाल-जोशी
ए-४ द्वारकेश बिल्डींग, राणी सती मार्ग, मालाड (पूर्व) मुंबई-९७
मोबाईल :- ९३२२२२१७६७, ९९२०९६३५८५

।। श्री गणेशाय नमः ।।

प्रिय बंधुओं, आज दिनमान लघु पंचांग का ३१ वाँ अंक लेकर आपके समक्ष उपस्थित हुआ हु। इसका श्रेय हमारे सहयोगकर्ता,विज्ञापनदात्ता और आप सभी को है । देश के कोने-कोने से पत्र द्वारा, फोन से जो प्रतिसाद पंचाग को मिला है, वो यह दर्शाता है कि पंचाग जनमानस मे कितना लोकप्रिय है । दिनमान लघु पंचांग की लोकप्रियता से प्रभावित होकर कई बंधुओं ने इसकी नकल करने की चेष्टा भी की लेकिन सफल नही हो पाये । अभी भी सामान्य-जन जिनको दिनमान लघु-पंचांग नाम याद नही रहता है वो पीला पंचांग की ही मांग करके नकलचीयों के मंसुबो पर पानी फेर दिया । इस वर्ष विशेषांक निकालने की योजना बनाई थी परन्तु समयाभाव के कारण क्रियान्वित नही कर सका । अगले वर्ष यह प्रकाशित अवश्य होगा । यह प्रभु से कामना है । दिनमान मे स्थान की कमी होने से कई जानकारी दे नही सकते है । अतः इंटर नेट पर यथा संभव जानकारी उपलब्ध करायी गयी है । दिनमान गत कई वर्षो से इंटरनेट पर **www.dinman.com** उपलब्ध है । जिसमें अन्य सामग्री के साथ-साथ हनुमान-चालीसा, दुर्गा-सप्तसती, श्रीमद् भागवत गीता, रुद्रीअष्टध्यायी,का पाठ सुना जा सकता है । इसके अलावा कई देवी-देवताओं के चित्र,भजन देखे सुने जा सकते है । अब सोशल मिडिया facebook पर भी आप पंचांग देख सकते है ।facebook पर हिंदी मे दिनमान टाइप करे । पेज खुलने के बाद पेज को लाईक करे । अब आप को प्रतिदिन पंचांग अपडेट मिलेगा । आपसे अनुरोध है कि इस सेवा का लाभ अवश्य उठाये । इस साइट के विषय मे आप यदि कोई सुझाव प्रेषित करना चाहे तो मुझे **dinmanlaghupanchang@gmail.com** या **satishdokwal@hotmail.com** पर भेज सकते है ।

इस पंचांग में तिथी,नक्षत्र,योग,चंद्र राशि आदि के समय समाप्ती काल के दिये गये है जैसे १९ मार्च की पंक्ति ले,तो अमावस तिथि सु.६.५४ तक एकम् तिथी रा.४.५३ तक है(एकम् तिथि क्षय है) उसके बाद दूज तिथी आरम्भ हो जायेगी उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रा.४.०६ तक है,उसके बाद रेवती नक्षत्र है। मीन का चंद्र अहोरात्र है। जहाँ अहोरात्र शब्द आया है, इसका अर्थ है कि वह तिथी,नक्षत्र,चंद्र अगले दिन भी व्याप्त है सूर्योदय-सूर्यास्त मुंबई के दिए गये है । सूर्योदय से १२ बजे तक के समय को सुबह में,दोपहर १२ बजे से ४ बजे तक के समय को दोपहर में, ४ से सूर्यास्त के समय को शाम में, सूर्यास्त से रात्रि ५ बजे तक को रात्रि रुप मे एवम् **रात्रि ५ बजे से सूर्योदय** तक को प्रातः रुप में दर्शाया गया है । पूर्णिमा व्रत चाँद पूनम के दिये गये है ।

पंचाग में विज्ञापन देकर सहयोग देने वालो का आभार व्यक्त करता हूँ,जिनके सहयोग तथा परिश्रम से इस पंचाग का प्रकाशन हो सका और आप लोगो के समक्ष यह पंचाग प्रस्तुत कर सका । इन सभी लोगो का मै आभार मानता हूँ और अर्न्तआत्मा से उन्हे धन्यवाद देता हू । यह पंचांग आपको कैसा लगा,आप इसमें कैसा परिवर्तन चाहते है ? यह पत्र द्वारा सूचित करने की कृपा करे, तो अगले पंचांग के अंक को अधिक उपयोगी बनाना मेरे लिए अधिक सुविधा जनक होगा । गत वर्ष के पंचाग मे विज्ञापन देने वाले एक बंधु ने अभी तक भुगतान नही किया है उनस निवेदन है कि यह समाजोपयोगी कार्य है इसमे विलंब न कर के तुरंत भुगतान करे । अन्यथा विवश होकर अगले अंक मे उसका नाम प्रकाशित हो जायेगा । यह पंचांग आपको कैसा लगा ? इसमे क्या बदलाव संभव है। आपके सुझाव स्वागत योग्य होने पर उसके अनुसार पंचांग प्रकाशित करने का यत्न करेंगे । धन्यवाद !

卐 नव वर्ष की शुभ कामनाओं सहित 卐

रामजीदास रुलीराम राजगढियाँ चैरिटेबल ट्रस्ट

रुलीराम राजगढियाँ सन्स

२०२-२०३, ऐडवेन्ट अटरिया, चिंचोली बंदर रोड़, मालाड (पश्चिम)

मुंबई -४०० ०६४ . दूरभाष :-०२२-४२५४ ९०००-४९

email: info@jfepl.com

''भारतीय व्रत, त्यौहार, जयंती आदि''

नवरात्र प्रारम्भ,गुड़ीपड़वा,घटस्थापन.....19 मार्च
सिंधारा.....20 मार्च
गणगौर,मनोरथ तृतीया व्रत,मत्स्य जयंती.....21 मार्च
दुर्गाष्टमी,आठम् की कड़ाही,अन्नपूर्णा पूजा,रामनवमी...26 मार्च
नवरात्र समाप्त.....27 मार्च
कमला एकादशी.....29 मार्च
वामन द्वादशी,अनंग त्रयोदशी,सोम प्रदोषव्रत.....30 मार्च
महावीर जयंती.....31 मार्च
पूर्णिमा व्रत.....1 अप्रेल
बैशाखस्नानआरम्भ,हनुमान जयंती.....2 अप्रेल
गुड़ फ्रायडे.....3 अप्रेल
चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.9.49).....5 अप्रेल
भानुसप्तमी.....9 अप्रेल
कालाष्टमी,बुढो बासेडो.....10 अप्रेल
वरुथनी एकादशी.....13 अप्रेल
प्रदोष व्रत.....15 अप्रेल
अमावस.....17 अप्रेल
परशुराम जयंती,आखातीज-बद्री-केदारयात्रा.....19 अप्रेल
आद्यशंकराचार्य जयंती.....21 अप्रेल
भानु सप्तमी,गंगा सप्तमी.....23अप्रेल
दुर्गाष्टमी.....24 अप्रेल
सीतानवमी,श्रीहरि जयंती.....25 अप्रेल
मोहिनी एकादशी.....27 अप्रेल
परशुराम द्वादशी,रुकमणीद्वादशी,.....28 अप्रेल
प्रदोष व्रत.....29 अप्रेल
नृसिंह जयंती.....30 अप्रेल
पुर्णिमाव्रत,कुर्म जयंतीबुद्ध पूर्णिमा,श्रमिक दिव.....1मई
बैशाख स्नान समाप्त,महाराष्ट्र-गुजरात दिवस.....1 मई
नारद जयंती.....3 मई
चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.10.19).....5 मई
कालाष्टमी.....9 मई
अपरा एकादशी.....13 मई
प्रदोष व्रत,बटसावत्री व्रत आरंभ.....14 मई
बटसावत्री व्रत,पितृअमावस,शनिश्चर जयंती.....16 मइ

दुर्गाष्टमी.....23 मई
कमला एकादशी.....27 मई
प्रदोष व्रत.....28 मई
पूर्णिमा व्रत.....30 मइ
चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.10.52).....3 जून
कालाष्टमी.....8 जून
कमला एकादशी.....11 जून
प्रदोष व्रत.....12 जून
सोमवती अमावस.....15 जून
रंभा व्रत,महाराणा प्रताप जयंती,मेला हल्दीघाटी.....17 जून
अरण्य षष्ठी,आरोग्य षष्ठी,.....20 जून
दुर्गाष्टमी,मेला क्षीरभवानी,.....22 जून
गंगा दशहरा.....24 जून
निर्जला एकादशी,गायत्री जयंती.....25 जून
शनिप्रदोष व्रत,वटसावत्री व्रतारम्भ(पूर्णिमा पक्ष).....27 जून
पूर्णिमाव्रत,वटपूर्णिमा,कबीरजयंती,बटसावत्रीव्रत समाप्त.....29 जून
चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.9.51).....3 जुलाई
कालाष्टमी.....7 जुलाई
योगीनी एकादशी (स्मार्त).....10 जुलाई
योगीनी एकादशी (वैष्णव).....11 जुलाई
प्रदोष व्रत.....12 जुलाई
अमावस.....14 जुलाई
मनोरथ द्वितीयाव्रत.....15 जुलाई
जगदीश रथयात्रा.....16 जुलाई
दुर्गाष्टमी,परशुरामाष्टमी.....21 जुलाई
श्रीहरि जयंती,भडली नौमी.....23 जुलाई
देवशयनी एकादशी ,चातुर्मास आरम्भ.....25 जुलाई
प्रदोष व्रत,वामन पूजा.....26 जुलाई
मेलाज्वालामुखी,.....28 जुलाई
पूर्णिमाव्रत,व्यासपूजा,गुरुपूर्णिमा,कोकिलाव्रतारंभ.....29 जुलाई
जयापार्वती व्रत समाप्त.....1 अगस्त
चतुर्थीव्रत(चंद्रोदय रा.9.37).....2 अगस्त
सोम व्रत,नागपंचमी (राजस्थान).....3 अगस्त
मंगलागोरी व्रत.....4 अगस्त

th best Compliments:- Vishanpta

Mittal Metals

House of Aluminium Utensil For Exporters and Wholesalers

Room no.1, 1st Floor, Swadeshi Market, 316,
Kalbadevi Road,Mumbai - 400002. Tel.:022- 67437245
Mob:9820131806 / 9320131806. email: vishnugupta@mittalmetal.com

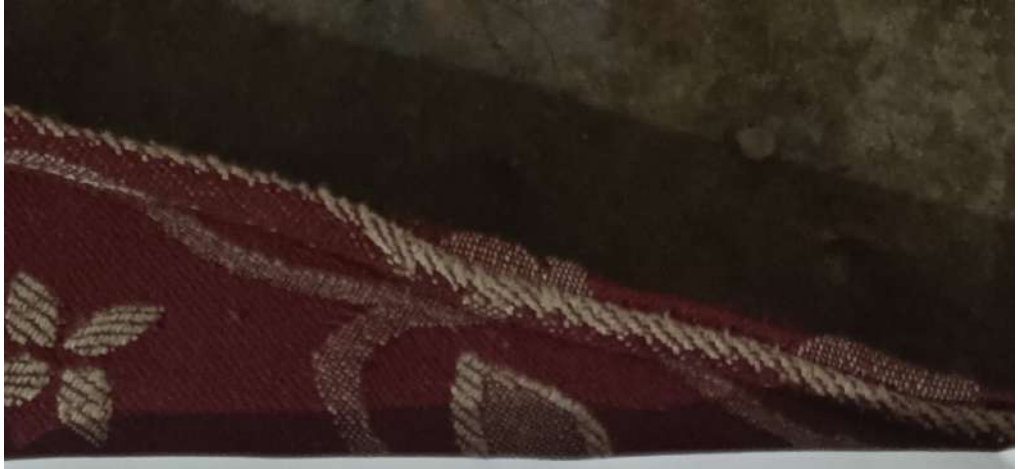

''भारतीय व्रत, त्यौहार, जयंती आदि''

भानुसप्तमी,कालाष्टमी.....5 अगस्त
कामिका एकादशी.....9 अगस्त
सोमप्रदोष व्रत,सोमव्रत .....10 अगस्त
मंगलागौरी व्रत.....11 अगस्त
अमावस,हरियाली अमावस,.....12 अगस्त
सिंधारा .....14 अगस्त
श्रावणी तीज,मधुश्रवा व्रत,हरियाली तीज .....15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस,पारसी नूतन वर्ष.....15 अगस्त
सोमव्रत, नागपंचमी (महाराष्ट्र-गुजरात).....17 अगस्त
मंगलागौरी व्रत,कल्की जयंती.....18 अगस्त
भानुसप्तमी,तुलसीदास जयंती.....19 अगस्त
दुर्गाष्टमी,मेला नैनादेवी.....20 अगस्त
पुत्रदाएकादशी,.....23 अगस्त
सोमव्रत .....24 अगस्त
मंगलागौरीव्रत,भोमप्रदोष व्रत.....25अगस्त
सूणमाँड़ना,पूर्णिमाव्रत,हयग्रीवजयंती,वरदमहालक्ष्मीव्रत... 27 अगस्त
रक्षाबंधन,कोकिला व्रत समाप्त .....28 अगस्त
सातुडीतीज,कजली व्रतचतुर्थी व्रत(चंद्रोदय रा.8.50)..31 अगस्त
हलषष्ठी,चानाछठ (चंद्रोदय रा.10.18).....2 सितम्बर
जन्माष्टमी,कालाष्टमी.....4 सितम्बर
दहीहांडी,श्रीहरिजयंती,गोगानवमी.....5 सितम्बर
अजा एकादशी.....7 सितम्बर
बछबारस,भोमप्रदोष व्रत,जैनपर्युषण(4पक्ष).....8 सितम्बर
पितृअमावस.....10 सितम्बर
भादीअमावस,लोहार्गल स्नान,कुशाग्रहणी अमावस.....11 सितम्बर
वराहजयंती,.....13 सितम्बर
हरितालिका तीज,गणेशचतुर्थी(चंद्रास्त रा.8.41)..... 14 सितम्बर
ऋषिपंचमी भायापाँचम(माहेश्वरी).....15 सितम्बर
दूबड़ीसातम,महालक्ष्मीव्रतारम्भ.....18 सितम्बर
राधाष्टमी,दुर्गाष्टमी,दधिचीजयंती,.....19 सितम्बर
रामदेवजी मेला.....21 सितम्बर
जलझुलनीएकादशी.....22 सितम्बर
वामन जयंती.....23 सितम्बर
प्रदोष व्रत,विश्वकर्मा पुजन.....24 सितम्बर
अनंतचतुदर्शी,गणेश विसर्जन,.....25 सितम्बर
पूर्णिमाव्रत.....26 सितम्बर
चतुर्थीव्रत(चंद्रोदय रा.8.13).....29 सितम्बर
इंदिराएकादशी .....6 अक्टूबर
प्रदोष व्रत .....8 अक्टूबर
सर्वपितृ अमावस .....10 अक्टूबर
शारदिय नवरात्र,घटस्थापन,अग्रसेनजयंती,मातामह श्राद्ध ..11 अक्टूबर
आठम्‌की कड़ाही,दुर्गाष्टमी,सरस्वती पूजन.....19 अक्टूबर
नवरात्रसमापन,श्रीहरिजयंती,महानवमी.....20अक्टूबर
दशहरा,विजया दशमी,बुद्धजयंती,.....20 अक्टूबर
पापाकुंश एकादशी .....22 अक्टूबर
प्रदोष व्रत .....23 अक्टूबर
शरदपूर्णिमा,पूर्णिमा व्रत.....25 अक्टूबर
बाल्मिकीजयंती,कार्तिकस्नानआरम्भ.....26 अक्टूबर
करवाँचौथ व्रत(चंद्रोदय रा.8.53).....29 अक्टूबर
कालाष्टमी,होई आठम्‌,पंजाब-हरियाणा दिवस...1 नवम्बर
रमा एकादशी,गौवत्सद्वादशी,.....5 नवम्बर
प्रदोष व्रत,धनतेरस,धन्वंतरीजयंता.....6 नवम्बर
छोटी दिवाली.....7 नवम्बर
रुपचौदस,दिपावली,लक्ष्मी-कुबेरपुजन,.....8 नवम्बर
सोमवती अमावस,अन्नकूट,गोवर्धन पुजा,बलिपूजा.....9 नवम्बर
भईया दूज,यमद्वितिया.....11 नवम्बर
पांडवपंचमी,लाभपाँचम्.....14 नवम्बर
सूर्यषष्ठी,छठपूजा(बिहार) .....15 नवम्बर
गोपाष्टमी,दुर्गाष्टमी.....17 नवम्बर
आँवलानौमी,कुष्माण्ड नौमी,अक्षय नौमी.....18 नवम्बर
भीष्मपंचकआरम्भ,देवउठनीएकादशी (स्मार्त).....20 नवम्बर
तुलसीविवाह,चार्तुमाससमाप्त.....20 नवम्बर
देवउठनी एकादशी (वैष्णव) .....21 नवम्बर
प्रदोष व्रत,.....22 नवम्बर
पूर्णिमा व्रत,नानक जयंती,पुष्कर मेला.....24 नवम्बर
देवदिवाली,भीष्मपंचकसमाप्त,कार्तिकस्नानसमाप्त,.....24 नवम्बर
चतुर्थीव्रत (चंद्रोदय रा.8.51).....27 नवम्बर

PARTYWEAR DESIGNER SAREES

Salonee® Chanderiwala
HOUSE OF EXCLUSIVE FANCY SAREES
Shop No.7, Sahyadri, Opp. Bajaj Hall, S.V. Road, Malad (W), Mumbai-64
Mob.: 8080284377, 9930787205

''भारतीय व्रत, त्यौहार, जयंती आदि''

कालाष्टमी, कालभैरव जयंती	1 दिसम्बर
उत्पती एकादशीव्रत, वैतरणी व्रत	4 दिसम्बर
प्रदोष व्रत	6 दिसम्बर
अमावस	8 दिसम्बर
चंपा षठी, अन्नपूर्णा व्रत आरम्भ	15 दिसम्बर
दुर्गाष्टमी,	17 दिसम्बर
श्रीहरि जयंती	18 दिसम्बर
मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती	20 दिसम्बर
सोमप्रदोष व्रत, अखण्ड द्वादशी	21 दिसम्बर
अनंग त्रयोदशी	22 दिसम्बर
पुर्णिमाव्रत, दत्तात्रय जयंती,	23 दिसम्बर
क्रिशमश डे	25 दिसम्बर
चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.8.45), सौभाग्यसुंदरी व्रत	26 दिसम्बर
भानु सप्तमी, कालाष्टमी	30 दिसम्बर
सफलाएकादशी,	3 जनवरी
अन्नपूर्णाव्रत समाप्त,	4 जनवरी
भोमप्रदोष व्रत	5 जनवरी
अमावस,	7 जनवरी
दुर्गाष्टमी, शाकम्भरीनवरात्र	16 जनवरी
श्रीहरि जयती	17 जनवरी
पुत्रदाएकादशी, (स्मार्त)बैकुंठ एकादशी	18 जनवरी
पुत्रदा एकादशी(वैष्णव)	19 जनवरी
प्रदोष व्रत,	20 जनवरी
पुर्णिमाव्रत	21 जनवरी
शाकम्भरीजयंती, माघ स्नान आरम्भ	22 जनवरी
माही चौथ व्रत (चंद्रोदय रा.9.37)	25 जनवरी
गणतंत्रदिवस	,26 जनवरी
कालाष्टमी,	29 जनवरी
षटतिलाएकादशी,	2 फरवरी
प्रदोषव्रत,	3 फरवरी
मोनी अमावस	6 फरवरी
बसंतपंचमी, सरस्वतीपूजा	11 फरवरी
दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी	14 फरवरी
श्रीहरि जयंती	15 फरवरी
जयाएकादशी,	17 फरवरी
प्रदोषव्रत, भीष्म द्वादशी	18 फरवरी
पूर्णिमाव्रत, माघी पुर्णिमा, माघ स्नान समाप्त	20 फरवरी
चतुर्थीव्रत (चंद्रोदय रा.10.02)	24 फरवरी
श्रीनाथजी पाटोत्सव, भानुसप्तमी,	27 फरवरी
कालाष्टमी, सीताष्टमी	28 फरवरी
विजया एकादशी	4 मार्च
प्रदोष व्रत,	5 मार्च
महाशिव रात्रि	6 मार्च
सोमवती अमावस	8 मार्च
फुलरीया दूज,	10 मार्च
होलाष्टक आरम्भ	16 मार्च
दुर्गाष्टमी, श्रीहरि जयंती	16 मार्च
आमलकी एकादशी	18 मार्च
मेला खाटुश्यामजी, गोविन्द द्वादशी	19 मार्च
शनि प्रदोष व्रत	20 मार्च
पुर्णिमाव्रत, होलीकादहन	21 मार्च
श्रीचैतन्यजयंता, धुलेटी,	22 मार्च
चतुर्थीव्रत(चंद्रोदय रा.9.44).	25 मार्च
गुड फ्राय डे	26 मार्च
शीतला पूजन, कालाष्टमी	29 मार्च
पापमोचनी एकादशी, मलमास आरम्भ	2 अप्रेल
प्रदोष व्रत	4 अप्रेल
अमावस,	6 अप्रेल

आपको यदि पंचांग मिलने मे कोई परेशानि होती है तो दिनमान के आजीवन सदस्य बन कर इस समस्या से निजात पा सकते है । सदस्यता शुल्क 2100 रु. है । इस योजना के अन्तर्गत जब तक दिनमान लधु पंचांग का प्रकाशन होगा आपको घर बैठे डाक से प्रतिवर्ष 2 पंचांग मिल जायेगे । अपने इष्ट मित्रो को भी इस विषय के बारे में बताये । जो बंधु अपने विज्ञापन देने चाहे वो जल्द से जल्द अपने विज्ञापन भेज दे । ताकि असुविधा से बच

With best Compliments:-

Food craft mumbai

We Cater Dreams

Mr. Rajkumar Murarka
+91 9820483039
Mr. Yash Murarka
+91 9773621396
Off. :9892857259

Manisha Sadan, 92/731, Motilal NagarNo.1, Road No.2, Opp. Dr. Ambedkar Ground
Near Haati Circle, Goregaon (West), Mumbai-400 104
email : info@foodcraftmumbai.in / web: www.foodcraftmumbai.in

अमृत सिद्धि योग

रविवार को हस्त नक्षत्र,सोमवार को मृगशिरा,मंगलवार को अश्विनी,बुध को अनुराधा, गुरु को पुष्य, शुक्र को रेवती,शनि को रोहिणी नक्षत्र हो तो ऐसे सुंदर योग को अमृत सिद्धि योग कहते है । ऐसा सुंदर योग सब सिद्धियों का दाता है ।

अभिजित मुहूर्त

बुधवार को छोड़कर बाकी सभी दिन ११.३० बजे अभिजित मुहूर्त आता है । सो इस मुहूर्त में अशुभ दिन होवे तो भी यात्रा आदि कार्य करना शुभदायक है परन्तु दक्षिण दिशा की यात्रा करना वर्जित है ।

शुक्र अस्त (तारा) में वर्जित कार्य

देवालय,बावड़ी,कुआँ,तालाब आदि का आरम्भ और प्रतिष्ठा, यज्ञ, यात्रा, मुंडन (जडुलाँ),यज्ञोपवीत, प्रथम विद्यारंभ, गृहप्रवेश, कर्णवेधन(परोजन), विवाह, मन्त्रोपदेश (गुरु बनाना), उद्यापन, वधू का प्रथम श्वसुर गृह जाना इत्यादी कार्य, गुरु और शुक्र के अस्त होनें पर (तारा लगने पर) सिंहस्थ गुरु में, तथा १३ दिनके पक्ष में, क्षय और अधिक मास (पुरुषोतम मास) में नही करना चाहिए । कई आचार्यो का यह भी मत है कि आभुषण,चूड़ा आदि का धारण भी नही करना ही क्षेष्ठ है ।

इसी विचार से मळमास,वर्ष के आरम्भ से लेकर १४ अप्रेल २०२६ तक रहेगा । उसके बाद १६ दिसम्बर २०२६ से १४ जनवरी २०२७ तक एवम् १५ मार्च २०२७ से लेकर वर्ष पर्यन्त मळ मास रहेगा ।

शादी-विवाह में थापा माँडणा, गणगौर माँडणी, तथा नवरात्री में दुर्गा माँडणी, यह कार्य शुक्र जिस दिशा में उदय हो,उसके विपरीत दिशा में माँडणा चाहिए । इसलिए वर्ष के आरम्भ से बर्ष पर्यन्त तक पश्चिम दिशा मे ही थापा और गणगौर माँडणी चाहिए

चूड़ा मुहूर्त

रवि-मंगल-बुध-गुरुवार श्रेष्ठ है । अश्विनी, हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनुराधा, घनिष्ठा, रेवती नक्षत्र हो और भद्रा नही हो, ज्वालामुखी योग नही बनता हो ऐसा समय सौभाग्य वर्द्धक होता है ।

पाया विचार

जातक ने किस पाया में जन्म लिया है, इसके लिए लग्न से विचार करना ही श्रेष्ठ है । कई विद्वान नक्षत्र से भी पाया का विचार करते है,लेकिन लग्न से चंद्रमा किस भाव में है, इसी से विचार करना उत्तम है । यदि लग्न से चंद्रमा१-६-११ वें भाव हो तो स्वर्णपाद (सोने का पाया) चंद्रमा २-५-९ वें भाव में हो तो रजतपाद(चांदी का पाया) चंद्रमा ३-७-१० वें भाव में हो तो ताम्रपाद(तांबें का पाया),और चंद्रमा ४-८-१२ वें स्थान पर हो तो लोह पाद (लोहे का पाया) जानना चाहिए ।

स्व.श्रीमती रुपा किशोर चोखानी

-:की पुण्य स्मृति में :-

किशोर चोखानी एवं परिवार

२७,अल्का बिल्डिंग,५ माला,चर्चगेट,बी रोड, मुबंई-४०००२०

Mobail : 9820050795/ 9821659819/ 9833989851

पर्व -दिन

चर्तुदशी,कृष्ण पक्ष की अष्टमी,अमावस्या और पूर्णिमा ये पाँचो और सूर्य की संक्राती का दिन, ये पर्व कहलाते है ।

चंद्र वास और फल

मेष च सिंहे धनुः पूर्व भागे, वृषे च कन्या मकरे च याम्ये ।
युग्मे तुलायां च धटे प्रतीच्यां, कर्कालि मीने दिशि चौत्तरायाम् ।।

मेष सिंह तथा धनु राशि में चद्रमा हो तो पूर्व दिशा में,
वृष,कन्या,और मकर राशि में चद्रमा हो तो दक्षिण दिशा में,
मिथुन, तुला, एवम् कुंभ राशि में चंद्रमा हो तो पश्चिम दिशा में,
कर्क,वृश्चिक,मीन राशि का चंद्र हो तो चंद्रमा उत्तर दिशा में निवास करता है।

सन्मुखे च अर्थ लाभाय, पृष्ठे चन्द्रे धनक्षयः ।
दक्षिणे सुख सम्पति, वामें तु मरणं ध्रुवम् ।।

यात्रा में चंद्रमा संमुख हो तो धन का लाभ, पीछे हो तो धन का विनाश,
दायें हो तो सुख-सम्पत्ति और वायाँ चंद्र प्राणों का विनाश करता है ।

दिशा शूल

शनौ चंद्रे त्यजेतपूर्वा, दक्षिणं हि दिशम् गुरौ ।
सूर्य शुक्रे पश्चिमाम् च, बुधे भौमे तथात्तराम् ।।

शनिवार तथा सोमवार को पूर्व दिशा में, गुरुवार को दक्षिण दिशा में, रविवार और शुक्रवार को पश्चिम मे एवम् मंगल,बुधवार को उत्तर दिशा में कार्य सिद्धी के लिए नही जाना चाहिए

पंचक

धनिष्ठा पंचकं त्याज्यम्, तृण काष्ठादि संग्रहे ।
त्याज्या दक्षिण दिग्यात्रा, गृहच्छादन मेव च ।।

धनिष्ठा का आधा भाग,शतभिषा,पूर्वा एवम् उत्तरा भाद्रपद और रेवती इन नक्षत्रों को पंचक संज्ञक नक्षत्र कहा गया है । इस समय में तृण और काष्ठ(लकड़ी) का संग्रह न करे,दक्षिण दिशा में यात्रा न करें तथा धर की छत नहीं बनानी चाहिए । यदि किसी की पंचक में मृत्यु हो जाय तो पंचक शांती करानी चाहिए अन्यथा परिवार में किसी अन्य की मृत्यु भी संभव हो सकती है । दाह-संस्कार के समय पहले, पाँच पूतले बनाकर,पहले उनका दाह करें तत्पश्चात् शव का दाह करें । सपिण्डन श्राद्ध के दिन विधी-विधान से किसी योग्य विद्वान पंडित से पंचक शांती करावें ।

With best Compliments:-
Devkinandan Jindal
Jindal Fabrics Pvt. Ltd.
(SUITINGS & SHIRTINGS)
Regd. Off.:191-200/5-C, Mittal Ind.Est., Andhri-Kurla Road, Andheri (E) Mumbai -59
TEL :(+91 22) 2850 3106 FAX : (022) 2850 0124 .
email : jindal@jindalfab.com Website: jindalfab.com
Fact.: Raj Rajeshwari Compound, Village Sonale, Off Nasik Highway Rd. Bhiwandi, Dist. Thane Tel.: 282812, TeleFax 282122

भद्रा-विचार

पूर्व काल में देव-दानव युद्ध मे शिव शंकर के देह से यह भद्रा उत्पन्न हुई है। दैत्यों को मारने के लिए गर्दभ(गधा) के मुख और लंबे पूंछ सहित और तीन पैर युक्त उत्पन्न हुई है । सिंह जैसी मुर्दे पर चढी हुई,सात हाथ और शुष्क पेट वाली महाभयंकर,विकराल मुखी,कार्य का नाश करने वाली,अग्नि,ज्वाला सहित देवों की भेजी हुई पृथ्वी पर उतरी है । अत: शुभ कार्यो में भद्रा त्यागना ही सर्वश्रेष्ठ है ।

भद्रा का दूसरा नाम ही विष्टी करण है । कृष्णपक्ष की तृतीया,दशमी और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी,एकादशी के उत्तरार्ध मे एवं कृष्ण पक्ष की सप्तमी,चतुदर्शी शुक्ल पक्ष की अष्टमी,पूर्णिमा के पूर्वार्ध मे भद्रा रहती है । जिस भद्रा के समय चंद्रमा मेष,वृष, मिथुन,वृश्चिक राशि मे हो तो भद्रा निवास **स्वर्ग** मे रहता है । चंद्रमा कन्या,तुला,धनु,मकर राशि मे हो तो भद्रा **पाताल** मे वास करती है और कर्क,सिंह,कुंभ,मीन राशि का चंद्रमा हो तो **भूमि** का निवास रहता है । शास्त्रों के अनुसार भूमि की भद्रा ही अशुभ मानी गयी है । तिथी के पूर्वार्ध में (कृष्ण पक्ष की ७,१४ और शुक्ल की ८,१५ तिथी) **दिन की भद्रा** कहलाती है । तिथी के उत्तरार्ध की (कृष्ण पक्ष की ३,१० और शुक्ल पक्ष की ४,११ तिथी) की भद्रा **रात्री की भद्रा** कहलाती है । यदि दिन की भद्रा रात्री के समय और रात्री की भद्रा दिन के समय आ जाय तो उसे आचार्यो ने शुभ माना है । अति आवश्यक कार्य आ जाए तो भद्रा की *प्रारम्भ की ५ घटी* जो भद्रा का मुख होती है,अवश्य ही *त्यागनी* चाहिए । श्रेष्ठ तो यही है कि भद्रा को त्याग कर ही मांगलीक कार्य सम्पन्न करनें चाहिए ।

शनि की साढ़े-सती और ढ़ैया

प्राय: जीवन में शनि की साढ़ेसती तीन बार आती है । प्रथम बचपन में, दूसरी योवनावस्था में और तीसरी वृद्धावस्था में । प्रथम का प्रभाव शिक्षा पर, द्वितीय का प्रभाव धन, मान-सम्मान, नौकरी-रोजगार आदि पर और तृतीय का प्रभाव आयु व स्वास्थ्य पर पड़ता है । इस वर्ष के आरम्भ से अंत तक शनि मीन राशि मे संचार करेगा । शनि जब मीन राशि मे हो तो कुँभ,मीन,मेष राशि वालो को शनि की साढ़े सती रहेगी, तथा सिंह-धनु वालो को ढ़ैया रहेगी । जिस व्यक्ति की जन्म -कुन्डली में शनि अच्छे स्थान पर, अपनी उच्च राशि में या किसी शुभ फल देने वाले अपने मित्र गृह के साथ स्थित हो, तथा दशा-अर्न्तदशा अच्छी चल रही हो, उनके लिए शनि का अशुभ फल कम होगा । जिस व्यक्ति की जन्म-कुन्डली मे चन्द्र-शनि अशुभ ग्रह से युक्त,अशुभ स्थानो मे हो तो, साढ़े-सती और ढ़ैया उस व्यक्ति के लिए चिन्ता, धन हानि, कार्य मे विघ्न,रोजगार मे कमी, परिवार मे कलह-विघटन, धन-व्यय एवम् हानि आदि का कारण बनती है । शनि के अनिष्ट-फल निवारण के लिए तेल के छाया-पात्र का दान, शनि मंत्र का जप-दशांश हवन, हनुमानजी की पूजा-अभिषेक,तेल युक्त सिन्दूर अर्पण कर भक्ति-पूर्वक शनिवार का व्रत, सप्त-धान्य का दान, शनिवार को काली वस्तुओ का दान देना भी श्रेयस्कर है । प्रात: शनिवार को पीपल का पूजन करने से शनि का अनिष्ट फल निवृत होता है ।

With best compliments :-

Laxmi Technical Textile Pvt Ltd.

A & L APPARELS PVT LTD.

409 Raheja Plaza, 15B Shah Industrial Estate;
Off Andheri Link Road, Andheri (West) Mumbai - 400 053
Mob.9867013807. email:finance@alapparels.com

Factory : Plot no.84,Road No.15,MIDC Andheri (east) Mumbai -400 093
Tel. : +91-22-49294929.

गण्डात नक्षत्र

भारतीय ज्योतिष में सन्धिकाल या संक्रमणकाल सदैव ही अशुभ माना गया है । सन्धि से मतलब है,दो परस्पर ग्रह,नक्षत्र,राशियों का समाप्ती काल और दूसरें का प्रारम्भ काल । सर्वविदित है कि जब दो ऋतुएँ परस्पर मिलती है, तो दुनियाँ में उसी समय रोग ज्यादा फैलते है । दिन व रात्री के सन्धिकाल(प्रात: सायँ) भजन कीर्तन के उपयुक्त है । जब देश या राज्य की सरकारे बदलती है तो, वह संक्रमण काल भी प्रजा के लिए बड़ी कठिनाइयों भरा होता है । वरदान प्राप्त होने पर भी हिरणयकश्यप का अंत भी सन्धिकाल में ही हुआ ।

ज्योतिष में भी सन्धिकालीन स्थिती के अनेक उदाहरण है । जैसे संक्राती सन्धि,नक्षत्रसन्धि,राशिसन्धि,लग्नसन्धि,भावसन्धि आदि । ऐसी सन्धियों में जन्मे जातको को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । इसी प्रकार सन्धिकालमें शुभकार्य, विवाह, यात्रा आदि भी वर्जित है ।

इसी प्रकार छ: नक्षत्र ऐसे है, जहाँ राशिसन्धि और नक्षत्रसन्धि एक साथ आते है । इन्ही को गण्डात नक्षत्र कहते है । रेवती-अश्विनी से मीन-मेष की सन्धि बनती है । अश्लेषा-मघा से कर्क-सिंह की सन्धि बनती है और ज्येष्ठा-मूल से वृश्चिक-धनु की सन्धि होती है । यदि हम इन राशियों पर ध्यान दे तो **मेष-सिंह-धनु अग्नि तत्ववाली** राशियाँ है । **कर्क-वृश्चिक-मीन** राशियों को **जलतत्व** वाली मानी गयी है । ऐसे ही **अश्विनी-मघा-मूल** नक्षत्रों के **स्वामी केतु** है और यह नक्षत्र तमोगुणी है । **रेवती-अश्लेषा-ज्येष्ठा** नक्षत्रों का **स्वामी बुध** है, और स्वभाव से रजोगुणी है । अत: नक्षत्रों की जोड़ियाँ रेवती-अश्विनी,अश्लेषा-मघा तथा ज्येष्ठा-मूल ये **गण्डात नक्षत्र** कहलाते है । **ज्येष्ठा, मूल व अश्लेषा बड़े मूल कहलाते है और मघा,रेवती,अश्विनी छोटे मूल ।** बड़े मूलो में जन्में जातको का जन्म के २७ दिन बाद जब चंद्रमा उसी नक्षत्र में आता है तब मूल शांति कराई जाती है । छोटे मूलो की शांति १० वें दिन अथवा १९ दिन जब उसी स्वामी का दूसरा या तीसरा नक्षत्र (अनुजन्म या त्रिजन्म) आता है तब कराई जाती है । ज्येष्ठा नक्षत्र की अंतीम १ घटी(२४ मिनट) तथा मूल नक्षत्र की प्रारम्भ की १ घटी अभूक्त मूल कहलाते है ।

अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्म होने से पितृकष्ट, दूसरे चरण में ऐश्वर्य, तीसरे चरण में उच्चपद, चौथे चरण में राज्य सम्मान । अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में राज्य सुख,द्वितीय में धन हानि, तृतीय में माता को कष्ट, चतुर्थ में पिता को कष्ट होता है । मघा में प्रथम में प्रथम में माता को पीड़ा, द्वितीय में पिता को कष्ट, तृतीय में सुख सम्पति एवं चतुर्थ में धन लाभ होता है ।

ज्येष्ठा के प्रथम चरण में भाई को कष्ट, द्वितीय में अनुज को पीड़ा, तृतीय में माता को कष्ट और चतुर्थ में स्वयं ही कष्ट पाता है । **मूल** नक्षत्र के प्रथम चरण में पितृकष्ट ,द्वितीय चरण में माता को पीड़ा, तृतीय चरण में धन नाश तथा चतुर्थ चरण में धन लाभ होता है । **रेवती** के प्रथम चरण में राज्य सम्मान, द्वितीय में राज्य सुख, तृतीय में सुख-सम्पदा लेकिन चतुर्थ में कई प्रकार के कष्ट झेलने पड़ते है । अत: मूल शांति किसी अच्छे विद्वान पंडित से अवश्य करा लेनी चाहिए ।

With Best Compliments :-

shagun
....A Boutique

Party wear Bridal & Designer,

Collection Of Indo western,Gowns, Sarees, Ghaghra, Crop Tops, Fusion Wear, Suits

3 rd floor, Business Park, Near Bajaj Hall, Opp. Chincholi Hanuman Mandir,
S.V.Road, Malad - West, Mumbai - 400 064
Mob. 7228800661, 9969959579

चौघड़िया

साधारणतया चौघड़िया ४ घटी यानी १ घंटा ३६ मिनट का माना गया है । सुक्ष्म में दिनमान (अर्थात सूर्य उदय होने के समय से अस्त होने के बीच का समय) को ८ से भाग देवें, उत्तने समय का एक चौघड़िया का मान निकलता है । उद्वेग, चंचल, लाभ, अमृत, काल, शुभ, रोग, आदि इनके नाम है ।इनमें लाभ, अमृत, शुभ आदि का चौघड़िया कार्य सिद्धि के लिए उत्तम माना गया है ।

रात्री का चौघड़िया							दिन का चौघड़िया						
रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

राशि -चक्र

मेष	चु,चे,चौ,ल,ली,लू,ले,लौ,आ	तुला	रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तू,ते
वृष	ई,ऊ,ए,ओ,वा,वी,बू,बे,बो	वृश्चिक	तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
मिथुन	क,की,कू,के,को,घ,ड़,छ,ह	धनु	ये,यो,भा,भी,भू,ध,फ,ढ,भे
कर्क	ही,हू,हे,ड,डी,डू,डे,डो	मकर	भो,ज,जा,जी,जू,जे,जो,खू,खा,खे,गा,गी
सिंह	मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे	कुंभ	गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,दा
कन्या	टो,पा,पी,पू,ण,ठ,पे,पो	मीन	दी,दू,थ,झ,दे,दो,चा,ची

देशे ग्रामे गृहे युद्धे, सेवायां व्यवहारके । नामा राशेः प्रधानत्व, जन्मराशि न चिन्तयेत ।।
विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रह गोचरे । जन्म राशि प्रधानत्व, नाम राशि न चिन्तयेत ।।

Manmohan Choudhary

S.V.FABRICS

Fancy Dress Material

154, Jamunalal Bajaj Street, Kolkatta-07 Tel: 033-48497493
G/23-31 Sangini Textile Hub- B,Kumbhariya,Saroli Surat-395010Mob.9924995000
145B, Dr.Viegas Street,Room No.19&25, Kalbadevi Road, Mumbai-402
mob. : 09322594442 email: svfabrics.info@gmail.com

सन्तान गौपाल मंत्र

मनुष्य पर तीन ऋण जन्म के समय से ही रहते है। देव ऋण, ऋषि ऋण, पितृ ऋण । पितृ ऋण से मनुष्य तभी उऋण हो सकता है,जब वंश वृद्धि के लिए ,सुयोग्य संतान उत्पन्न करले । पुत्र पुन्नाम नामक नरक से पिता की रक्षा करता है,इसलिए ब्रह्मा ने इसे पुत्र की संज्ञा दी है । श्रुतीस्मृति पुराणों में भी पुत्र का महत्व बताया है । सभी लोगों की यह अर्न्त-मन की यह अभिलाषा रहती है कि उसके आँगन मे भी कोई बाल-गौपाल खेले ।कई स्त्रियाँ इस मातृ सुख से लम्बेकाल तक वंचित रहती है । जिसके कई कारण है,यथा पति-पत्नि में कोई शारीरिक कमी,ज्योतिष के अनुसार कोई बंध्या योग आदि,देव-पितृ दोष तथा संयोग । धर्म-शास्त्रों ने पुत्र अभिलाषा की पूर्ति के लिए कई व्रत,अनुष्टान,जप आदि बताये है। ज्योतिष शास्त्र ने भी ग्रह यंत्र,रत्न धारण आदि उपाय सुझायें है। औषधी विज्ञान ने भी बहुत सी अनुभूत औषधी जो प्रकृति प्रदत है,इस कार्य के लिए निर्धारित की है। शास्त्रों के अनुसार संतान प्राप्ति के लिए हरिवंश पुराण,संतान–गोपाल मंत्र,शतचंडी का विधान,पार्थिव शिवपूजन,महारूद्र प्रयोग,सपात्र पितृ-श्राध्द,पितृ-स्तोत्र का पाठ आदि कई उपाय बतायें है। इसमें सर्वाधिक सरल उपाय संतान गौपाल मंत्र का जप और दशांश हवन आदि कर्म है।

यह मंत्र सुबह स्नानादि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र पहने । एक पाटे पर बालगोपाल स्वरुप कृष्ण की तस्वीर या मूर्ति लाल वस्त्र बिछाकर रखें । पूर्वाभिमुख बैठकर ,अपने दायी तरफ दिपक प्रज्वलित करे।भगवान को पहले स्नान कराये । उसके बाद चन्दन,अक्षत,पुष्प,तुलसी-पत्र,धूप-दीप,नैवैद्य आदि से उनकी पूजा करें । उसके बाद एकाग्रचित से मंत्र का जप करें । जप के बाद,जप श्री कृष्ण भगवान को ही अर्पण करे। खुद भी प्रसाद लेवें । जप कार्य पूर्ण होने पर दशांश हवन भी करे । जप के समय हमेशा याचक भाव बनाये रखें।

कुछ ध्यान देनें योग्य बातें:-

जप,अनुष्ठान आदि में आसन की शुध्दि परम आवश्यक है । आसन कुश(डाब) या ऊन का हो तो अति उत्तम है । मंत्र जप के समय अथवा मन को एकाग्र करते समय, शरीर के अन्दर एक प्रकार की विद्युत शक्ति उत्पन्न होती है, जो शरीर-मन को स्वस्थ बनाती है । यदि शरीर और पृथ्वि के बीच कोई अच्छा आसन न हो तो वह विद्युत-शक्ति पृथ्वि के आकर्षण से खींच कर पृथ्वि में समा जाती है । अत:अच्छे आसन का चयन करें और उस आसन का अन्यत्र उपयोग नही करें । मंत्र उच्चारण के समय नस-नाड़ीयों का और शरीर के सूक्ष्म अवयवों(अंगो) का परस्पर आघात-प्रत्याघात होता है । मंत्र जप के समय सीधा बैठें,रीढ़ की हड्डी सीधी रहनी चाहिए । जप समय में पैर के तलुवो का,गुह्य स्थानों का स्पर्श निषिध्द है ।

जप या पूजा के समय छिंक आ जाय तो दाहिने कान का स्पर्श करके,हाथ धोकर बाकी कार्य पहलें की भांति ही सम्पादित करें । जप सिद्धी के लिए,मन में संतोष, विश्वास,एकाग्रता,मोन भाव और मंत्र के अर्थ का विचार करना चाहिए । मन में उद्वेग या खिन्नता न होवें ।

Compliments From:-
Dr.Omprakash Jagnani
Purshottam Malsisaria
LOTUS INTERNATIONAL
806, Unique Tower, Behind Patel Auto, Off S.V.Road, Goregoan (West) Mumbai - 400 062
Tel :-+91-22-28777767, 35115332, 49675279
E-mail : lotus@lotusinternational.com
Web Page : http://www.lotusinternational.com

मंत्र जप की गिनती अवश्य रखनी चाहिए,क्योकि बिना संख्या का जप आसुर जप कहलाता है किन्तु यह ध्यान रखना चाहिए कि ऐसा सिर्फ मंत्रजप के विषय में ही है । प्रतिक्षण भगवान के नाम स्मरण एवं नाम किर्तन में यह अनिवार्य नही है । जप के लिए तुलसी की माला या चंदन की माला श्रेष्ठ है ।अपने दायें हाथ में माला लेकर जप प्रारम्भ करें । माला को जप समय में गोमुखी में ही रखें । प्रत्येक मंत्र के पहले ॐ जपे । माला के सुमेरु को लाँघे नही बल्की १०८ जप होने के पश्चात माला को घुमा कर वापस जप प्रारम्भ करें ।जप समय मे तर्जनी अँगुली को माला से स्पर्श न होने दे,जप मध्यमा और अँगुठे से ही करें । भगवान को अपने घर मे दूध से निकाला हुआ मक्खन-मिश्री का भोग लगाये और खुद भी प्रसाद ग्रहण करें ।जप पश्चात आसन से खड़े होने के पहले आसन के नीचे की मिट्टी मस्तक पर लगायें,अन्यथा जप निष्फल हो जाता है । जप का फल इन्द्र ले जाता है ।जन्म - मरण सूतक मे जप नही करना चाहिए , मासिक धर्म के ५ दिन तक भी स्त्रियों को पूजा, जप आदि कार्य नही करना चाहिए । जप के समय भगवान के प्रति स्वयं का याचक भाव ही रखना चाहिए । मन मे अपनी मनो-कामना का ही चिन्तन रखें और भगवान मे अटूट श्रद्धा और विश्वास रखे कि प्रभु मेरी मनोअभिलाषा अवश्य ही पूर्ण करेगे ।

संत्तान गोपाल मंत्र - संकल्प

मम् पुत्र कामना सिद्धर्थम् चतुर्विध बन्ध्यात्व दोष परिहार अर्थम् च सवाद् लक्ष संतान गौपाल मंत्र संख्या परिपूर्त्तये अमुक संख्यात्मकं मंत्र जप करिष्ये। (संकल्प का जल कोई पात्र में छोड़े)

विनियोग

अस्य श्री संतान गौपाल मंत्रस्य श्री नारद ऋषिः । अनुष्टुप छन्दः । श्री कृष्ण देवताः । ग्लौं बीजम् । नमः शक्तिः । पुत्रार्थे जपे विनियोगः (चम्मच का जल कोई पात्र में छोड़े)

अंगन्यासः	कर न्यासः
देवकी सुत गोविन्द-हृदयाय नमः।	देवकी सुत गोविन्द-अंगुष्ठाभ्यां नमः।
वासुदेव जगत्पते-शिर से स्वाहा ।	वासुदेव जगत्पते तर्जनीभ्यां नमः ।
देहिमे तनयं कृष्ण-शिखायै वषट् ।	देहिमे तनयं कृष्ण-मध्यमाभ्यां नमः।
त्वामहं शरणं गतः-कवचाय हुम् ।	त्वामहं शरणं गतः-अनामिकाभ्यां नमः।
ॐ देवकी सुत गोविन्द,	ॐ देवकी सुत गोविन्द,
वासुदेव जगत्पते- नैत्रत्रयाय वौषट् ।	वासुदेव जगत्पते- कनिष्ठिकाभ्यां नमः।
देहिमे तनयं कृष्ण,	देहिमे तनयं कृष्ण,
त्वामहं शरणं गतः-अस्त्राय फट् ।।	त्वामहं शरणं गतः-करतल पृष्ठाभ्यां नमः।

: संत्तान गौपाल मंत्र :

ॐ देवकी सुत गोविन्द , वासुदेव जगत्पते ।
देहिमे तनयं कृष्ण , त्वामहं शरणं गतः ।।

अनुष्ठान पूर्ण होने पर दशांश हवन, ब्राह्मण भोजन आदि कराना चाहिए । मनोकामना सिद्ध होने पर किसी ब्राह्मण को गोदान-स्वर्ण दान आदि देकर, प्रभु का आभार व्यक्त करना चाहिए । चंद्रमा पंचम भाव मे हो, किसी क्रूर ग्रह की दृष्टि पंचम भाव पर नही पड़ रही हो, तब सवा लाख जप प्रारम्भ करें ।

With best Compliments :- Vikash Sultania

B.M.SULTANIA & SONS

(We are the Manufacturer of all type silver Ornaments,Articles and Bartan)

1185/11, Kuchamahajani, Chandi Ckowk, Dehli - 110006
Mob. : 9910381413

प्रमुख विवाह मुहूर्त २०८३

अंको मे दिन का, अक्षरो मे रात्री मुर्हुत है ।

माह	तिथी	वार	दिनांक	रेखा	लग्न	चंद्र	सूर्य	गुरु
वैशाख सुदी	दूज	रवि	१९ अप्रेल २६	१०	मीन	वृष	मेष	मिथुन
.... ..	पाँचम्	मंगल	२१ अप्रे २६	६	४,५.गोधुलि,वृश्चिक,	वृष/मिथुन	....	....
.... ..	दशमी	रवि	२६ अप्रेल २६	७	२,३,४	सिंह	....	....
.... ..	तेरस	बुध	२९ अप्रेल २६	७	मकर,कुँभ,मीन	कन्या	....	....
.... ..	चौदस	गुरु	३० अप्रेल २६	७	२,४,५,वृश्चिक	कन्या/तुला	....	....
प्र.जेठ वदी	चौथ	मंगल	५ मई २६	७	वृश्चिक,मकर,कुँभ,मीन	धनु	....	....
.... ..	चौथ	बुध	६ मई २६	८	२,३,५	धनु	....	....
.... ..	पाँचम्	गुरु	७ मई २६	६	गोधुलि,वृश्चिक,मकर,कुँभ,मीन	धनु/मकर	....	....
.... ..	छठ	शुक्र	८ मई २६	७	२,४	मकर	....	....
.... ..	सातम्	शनि	९ मई २६	८	कुँभ,मीन	मकर	....	....
.... ..	आठम्	रवि	१० मई २६	८	४,५, गोधुलि,वृश्चिक	मकर/कुँभ	....	....
डि.जेठ सुदी	पाँचम्	शुक्र	१९ जून २६	७	वृष	सिंह	मिथुन	कर्क
.... ..	छठ	शनि	२० जून २६	७	४	सिंह	....	....
.... ..	आठम्	सोम	२२ जून २६	६	गोधुलि,मकर,मीन,वृष	कन्या	....	....
.... ..	नौमी	मंगल	२३ जून २६	८	४.७, गोधुलि,मकर.मीन,मिथुन	कन/तुला	....	....
.... ..	बारस	शुक्र	२६ जून २६	६	मेष,वृष	वृश्चिक	....	....
.... ..	तेरस	शनि	२७ जून २६	६	४, ७, गोधुलि,मकर	वृश्चिक	....	....
आषाढ वदी	एकम्	बुध	१ जुलाई २६	८	७	मकर	....	....
.... ..	छठ	सोम	६ जुलाई २६	९	वृष,मिथुन	मीन	....	....
.... ..	आठम्	बुध	८ जुलाई २६	७	मकर,कुँभ,वृष,मिथुन	मेष	....	....
कार्तिक सुदी	बारस	शनि	२१ नवम्बर २६	१०	९, गोधुलि,मिथुन,कर्क	मीन	वृश्चिक	सिंह
.... ..	पूनम	मंगल	२४ नवम्बर २६	६	कर्क	वृष	....	....
मांगसिर वदी	एकम्	बुध	२५ नवम्बर २६	१०	मिथुन,कर्क	मिथुन	....	....
.... ..	दूज	गुरु	२६ नवम्बर २६	१०	९	मिथुन	....	....
.... ..	नौमी	बुध	२ दिसम्बर २६	७	९, मिथुन,कर्क	सिंह/कन्या	....	....
.... ..	दशमी	गुरु	३ दिसम्बर २६	७	९	कन्या	....	....
मांगसिर सुदी	दूज	शुक्र	११ दिसम्बर २६	१०	तुला	धनु	....	....
.... ..	तीज	शनि	१२ दिसम्बर २६	९	तुला	मकर	....	....

वर-वधु का जन्मसमय दिनांक, स्थान भेज कर पत्रिका मिलान, विवाह मुहूर्त, लग्न समय,लत्ता आदि दोष की सम्पूर्ण जानकारी सिर्फ ५००रु.देकर मंगा सकते है ।

सफलता का रहस्य समय के सदुपयोग में ही निहीत है । रमेश सिंघानिया

राजकुमार डेकोरेटर्स ❋ सिंघानिया डेकोरेटर्स

मंडप एवं स्टेज डेकोरेटर्स

सभी धार्मिक,विवाह-शादी एवं शुभ प्रसंगो में डेकोरेशन के लिए सम्पर्क करें ।

दुकान नं. 7/10 , मालाड को.हा.सोसायटी, पौदार रोड़,मालाड (पूर्व) मुंबई - 400 097.

मोबाईल : - Ramesh - 9920835240 / Rupesh - 9820016638

प्रमुख विवाह मुहूर्त २०८३/८४

अंको मे दिन का, अक्षरो मे रात्री मुहूर्त है ।

माह	तिथी	वार	दिनांक	रेखा	लग्न	चंद्र	सूर्य	गुरु
माघ वदी	दूज	रवि	२४ जनवरी २७	९	१०, २	सिंह	मकर	कर्क
.... ..	तीज	सोम	२५ जनवरी २७	८	तुला,धनु	सिंह/कन्या	....	....
.... ..	पाँचम्	मगल	२६ जनवरी २७	८	१०, १२,२,गोधुलि,	कन्या	....	....
.... ..	छठ	बुध	२७ जनवरी २७	८	तुला	कन्या	....	....
.... ..	नौमी	शनि	३० जनवरी २७	८	धनु	वृश्चिक	....	....
.... ..	दशमी	रवि	३१ जनवरी २७	८	१०,१२,२,गोधुलि	वृश्चिक	....	....
माघ सुदी	तीज	मंगल	९ फरवरी २७	९	धनु	मीन	....	....
.... ..	चौथ	बुध	१० फरवरी २७	१०	२,३,धनु,	मीन	....	....
.... ..	छठ	शुक्र	१२ फरवरी २७	९	२,३,गोधुलि,तुला,धनु	मेष	....	....
.... ..	दशमी	मंगल	१६ फरवरी २७	८	३,गोधुलि,तुला	वृष/मिथुन	कुँभ	....
फागण वदी	सातम्	शनि	२७ फरवरी २७	७	२,४,गोधुलि,तुला,धनु,मकर	वृश्चिक	....	....
.... ..	आठम्	रवि	२८ फरवरी २७	७	१२,२	वृश्चिक	....	....
.... ..	नौमी	सोम	१ मार्च २७	८	तुला,मकर	धनु	....	....
.... ..	दशमी	मंगल	२ मार्च २७	८	१२,२,३	धनु	....	....
फागण सुदी	एकम्	मंगल	९ मार्च २७	९	४,धनु,कुँभ	मीन	....	....
.... ..	तीज	गुरु	११ मार्च २७	९	२,३,४,गोधुलि,धनु	मेष	....	....
					संवत २०८४			
चैत्र सुदी	१२	रवि	१८ अप्रेल २७	६	मीन	कन्या	मेष	....
.... ..	तेरस	सोम	१९ अप्रेल २७	६	२,३,४,५गोधुलि,वृश्चिक,धनु,कुँभ	कन्या	....	....
वैशाख वदी	एकम्	बुध	२१ अप्रेल २७	६	वृश्चिक,धनु,कुँभ	तुला	....	....
.... ..	तीज	शुक्र	२३ अप्रेल २७	७	५,मीन	वृश्चिक	....	....
.... ..	पाँचम्	रवि	२५ अप्रेल २७	७	कुँभ,मीन	धनु	....	....
.... ..	पाँचम्	सोम	२६ अप्रेल २७	७	२,३	धनु	....	....
.... ..	सातम्	बुध	२८ अप्रेल २७	८	२,३,४	मकर	....	....
वैशाख सुदी	एकम्	शुक्र	७ मई २७	८	मकर,मीन	वृष	....	....
....	दूज	शनि	८ मई २७	९/१०	३,४,५,मकर,मीन	वृष	....	....

वर-वधु का जन्मसमय दिनांक स्थान भेजकर विवाह मुहूर्त लग्न समय लत्ता आदि दोष की सम्पूर्ण जानकारी ५००रु.देकर प्राप्त करे।

व्रत-उद्यापन, विवाह,गृह-प्रवेश, दुकान-ऑफिस मुहूर्त,कर्म-कांड तथा किसी भी मांगलिक कार्य में पूजा-हवन,जप-पाठ, आदि के लिए पंचांग के ऊपर दिये पत्ते पर संपर्क करे । सतीश जोशी मो.९३२२२२१७६७

With best Compliment:-

Ashok S. Ruia — Mob.:9820335113

Arun S. Ruia — Mob.:9820333208

RUIA DECORATORS & RUIA BROTHERS

LICENCE ELECTRICAL CONTRACTORS & MANDAP DECORATORS

11 B, Sahyadri; Opp. Bajaj Hall,S.V. Road, Malad [West] Mumbai - 400 064

MoB.: 98338 31123, 98338 31125

सुस्वप्न :- राजा, ब्राह्मण, देवता, गुरु, श्वेत वस्त्र पहने किसी स्त्री का आर्शिवाद, महल,मन्दिर, पर्वत, सफेद साँड,घोड़ा,सिंह, छत्र, ध्वजा,कमल, स्वर्ण, चाँदी, रत्न, दहि, जौ, गेहूँ, चावल, सरसों, दीपक, फूल या फलों का वृक्ष इनके स्वप्न में दर्शन या घरती से लाभ होता है । वीणा-वादन, नौकाचलाना,आकाश में उड़ना उन्नती की ओर इशारा करता है । सफेद सर्प यदि दाहिने हाथ में काटे तो शीघ्र धन लाभ,स्वप्न में यदि घर अग्नि से जलता देख जाग जावे तो संमुख लक्ष्मी आती है । स्वप्न रात्री के प्रथम प्रहर में आवे तो वर्ष भर में, दूसरे प्रहर के स्वप्न का फल छः महिने में, तीसरे प्रहर का फल तीन मास बाद मिलता है । प्रातः काल का स्वप्न तत्काल ही फल देता है । स्वप्न आने के बाद फिर नही सोवे तो रोग,चिन्ता,धन-लाभ आदि जो भी शुभ या अशुभ कार्य होता है वह जल्दी ही सम्पन्न हो जाता है ।

दु:स्वप्न:- यदि स्वप्न में अपने शरीर में तेल लगाये,नंगा हो,या भैसा, गधा, उँट, काले बैल या काले घोड़े पर चढ़कर दक्षिण दिशा में जाये तो मृत्यु होती है। शरीर के अंगो में तृण, पुष्प, वृक्ष आदि उत्पन्न हो जाये अथवा मलीन जल से, कीचड़, स्याही, धूल आदि वस्तुओ का स्वप्न में अपने शरीर पर लेपन करे तो यह शोक-प्रद और हानिप्रद है । भेड़ियाँ, सर्प, मधुमक्खी, बिच्छू, आदि जीव सपने में काटे तो यह अनिष्ट कारक है । किसी पर्वत से, मकान से, या किसी उच्चे स्थान से स्वयं को नीचे गिरता देखे, अथवा सूर्य,चन्द्रमा, छत्र, ध्वजा, तारा आदि को अपने स्थान से गिरता देखे तो यह स्वप्न देखने वाले के जीवन की अवन्नती को दर्शाता है । विवाह आदि उत्सव मे शोक होना देखे , स्वयं के नाखून टूटे देखे, हाथ-पैर आदि अंगो का टूट कर गिर जाना अथवा दाढ़ी, केश, मूँछ-मूंड़ाना आदि स्वप्न मे देखे तो यह किसी बड़ी विपती की ओर इशारा करता है । कुँआ-बावड़ी, खड्डा, गर्त, आदि मे स्वयं को देखे तो यह जीवन में पतन होगा इसकी ओर संकेत मिलता है । इस प्रकार के दुष्ट स्वप्न आवे तो ब्राह्मण को, गुरु को, या देवता के सन्मुख कहने से स्वप्न का दोष कम हो जाता है । दु:स्वप्न की शांती के लिए सरस्वती वाचन का पाठ, गजेन्द्र मोक्ष सुने पीपल, गौ, ब्राह्मण की सेवा करे, दान देवे । महामृत्युंजय मंत्र और विष्णु भगवान का पूजन-स्तुती भी दुष्ट स्वप्न दोष के लिए शांती करावे।

महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त

हिन्दुओं मे सभी त्योहार-पर्व मे चार पर्व ऐसे आते है जो रात्रि को मनाये जाते है । (कालरात्रीर्महारात्रिर्मोहरात्रीश्च दारुणा- महाशिवरात्री,दिपावली, जन्माष्टमी, होलीकादहन) जो मनुष्य को धर्म,अर्थ,काम,मोक्ष प्रदान करते है चार महारात्रीयों मे एक महारात्री दिपावली है । इस दिन धन की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है । वैसे तो दिपावली को प्रदोषकाल में कभी भी पूजन किया जा सकता है लेकिन यदि लग्न शुद्धि का ध्यान रखा जाय तो अति उत्तम होगा । अलग अलग व्यक्तियों के नाम से अलग अलग मुहूर्त बनते है फिर भी स्थिर लग्न मे महालक्ष्मी का पूजन किया जाय तो विशेष फलदायी होता है । गुजरात-महाराष्ट्र मे चौघड़िया के अनुसार पूजन किया जाता है । इसमे अमृत,लाभ,शुभ,चल के चौघड़िये शुभ माने गये है । इस साल दिपावली को चल का चौघड़िया सु.९.३४ से सु.१०.५८ तक,लाभ का चौघड़िया सु.१०.५८ से दो.१२.२२ तक, अमृत का चौघड़िया दो.१२.२२ से दो.१.४६ तक । वृष रा.६.३० से रा.८.४१ तक, सिह लग्न रा.१२.५७ से रा.३.०५ तक रहेगा । अच्छा तो यह होगा कि अपनी जन्मराशि से किसी विद्वान पंडीत से शुभ लग्न पुछकर लक्ष्मी प्रशन्नार्थ देवी का पूजन करें ।

पुष्कर योग

जब सूर्य विशाखा नक्षत्र पर हो ,और उसी दिन चंद्रमा कृतिका नक्षत्र पर हो तो ऐसे योग को पुष्कर योग कहते है । लेकिन यह योग बहुत दुलर्भ है । क्योंकि सूर्य एक नक्षत्र पर एक साल में सिर्फ १३-१४ दिन ही रहता है । यह जरुरी नही कि चंद्रमा भी उस समय के मध्य कृतिका नक्षत्र पर ही स्थित हो । इसलिए इस योग के लिए वर्षो तक प्रतिक्षा करनी पड़ती है । यह अत्यन्त शुभदायक योग माना गया है

स्वर्गीय श्री. भवानीशंकरजी डी. खेमका
28.04.1944 से 17.08.2009
पुण्यतिथी पर सादर श्रधांजलि
"समस्या के बारे मे कभी चिंता ना करे, हमेशा समाधान खोजें, चलते रहें . . ."
- स्वर्गीय श्री. भवानीशंकरजी डी. खेमका

JSJ
Since 1971
Diamond | Jewelry | Silver
+91 98201 33160
jayeshkhemka7@gmail.com
Shop 15, Kuber Complex, New Link Rd, Veera Desai Industrial Estate, Andheri West, Mumbai, Maharashtra 400053.

वास्तु -पूजन

नवीन घर का प्रवेश उत्तरायण सूर्य मे वास्तु पूजन करके ही करना चाहिए । उसके पहले वास्तु का जप यथा शक्ति करा लेना चाहिए । शास्त्रानुसार गृह प्रवेश मे माघ,फाल्गुन,वैशाख,ज्येष्ठ आदि मास शुभ बताये गये है । माघ महीने में प्रवेश करने वाले को धन का लाभ होता है । जो व्यक्ति अपने नये घर में फाल्गुन मास में वास्तु पूजन करता है, उसे पुत्र-पौत्र और धन प्राप्ति दोनो होता है । चैत्र मास में नवीन घर में रहने के लिए जाने वाले को धन का अपव्यय सहना पड़ता है । गृह प्रवेश वैशाख माह में करने वाले को धन-धान्य की कोई कमी नही रहती है । जो व्यक्ति पशुओं एवं पुत्र का सुख चाहता हो, ऐसे व्यक्ति को अपने नये मकान में ज्येष्ठ माह में प्रवेश करना चाहिए । बाकी के महिने वास्तु-पूजन व गृह-प्रवेश मे साधारण फल देने वाले होते है । शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर कृष्ण पक्ष की दशमी तिथी तक वास्तुशास्त्रानुसार गृह प्रवेश वंश वृद्धि दायक माना गया है धनु-मीन के सूर्य (मळ-मास) में भी नये मकान में प्रवेश नही करना चाहिए ।

पुराने मकान को जो व्यक्ति नया बनाता है,और वापस अपने पुराने मकान में जाना चाहे,तब उस समय उपरोक्त बातो पर विचार नही करना चाहिए ।

जिस मकान का द्वार दक्षिण दिशा में हो तो गृह-प्रवेश एकम्, छठ, ग्यारस आदि तिथियों मे करना चाहिए । दूज,सातम्,और बारस तिथि को पश्चिम दिशा के द्वार वाले मकान में गृह-प्रवेश श्रेष्ठ बतलाया गया है । उत्तर दिशा वाले द्वार का गृह-प्रवेश शास्त्रानुसार तीज,आठम्,और तेरस तिथि को यदि किया जाय तो अति उत्तम है । जिस मकान का पूर्वाभिमुख द्वार है,ऐसे मकान में पाँचम्,दशमी,पूनम तिथि को गृह-प्रवेश करना बड़ा लाभ दायक है ।
गुरुवार,शुक्रवार और बुधवार को गृह-प्रवेश शुभ माना गया है । स्थिर कार्य के लिए शनिवार भी अच्छा माना गया है । कई आचार्य यह भी मानते है कि शनिवार के दिन गृह-प्रवेश से चोरो का भय भी रहता है । रविवार,मंगलवार इस कार्य मे शुभ नही माने गये है । चौथ,नवमी,चोदस,अमावस और शुक्ल पक्ष की एकम् की तिथि भी वास्तु-पूजन में वर्जित उत्तराफाल्गुनी,उत्तराषाढा,उत्तराभाद्रपद,रोहिणी,मृगशिरा,अनुराधा,घनिष्ठा,रेवती,एवम् शतभिषा नक्षत्र को शुभ बताया गया है । इन नक्षत्रो मे गृह-प्रवेश करने वाले को आयु,धन,आरोग्य,श्रेष्ट सन्तान का लाभ और सुख मिलता है ।

स्मार्त-वैष्णव भेद विचार

प्राय:पंचागो में एकादशी व्रत,जन्माष्टमी व्रत स्मार्त जनो के लिए पहले दिन और वैष्णव लोगो के लिए दुसरे दिन बताया जाता है । इससे जनसाधारण भ्रम में पड़ जाते है । दशमी तिथी का मान ५४ घटी से ज्यादा हो तो वैष्णव जन द्वादशी तिथी को व्रत रखते है । अन्यथा एकादशी को ही रखते है । इसी तरह स्मार्त जन अर्द्धरात्रि को अष्टमी तिथी पड़ रही हो तो उसी दिन जन्माष्टमी मनाते है । जबकी वैष्णवजन उदया तिथी को जन्माष्टमी मानते है ,एवं व्रत भी उसी दिन रखते है । जो व्यक्ति श्रुति-स्मृति में विश्वास रखता है,पंच देव (ब्रह्मा,विष्णु,महेश,गणेश,उमा) को मानता है ,वह स्मार्त है । जो किसी वैष्णव सम्प्रदाय के धर्माचार्य या गुरु से विधीवत दीक्षा लेता है,तथा गुरु से कंठी या तुलसी-माला गले मे ग्रहण करता है या तप्त-मुद्रा से शंख-चक्र का निशान अपने शरीर पर गुदवाता है । ऐसे व्यक्ति ही वैष्णव कहे जा सकते है । अत: साधू-संयासी विधवाओं को तथा जो वैष्णव संप्रदाय के किसी धर्माचार्य से दीक्षा ली हो ऐसे व्यक्ति को ही दूसरा व्रत अपनाना चाहिए । बाकी सभी स्मार्त है ।

With Best Compliments:- Vipin Agarwal

New Blend Textile Mills Pvt.Ltd.

Mfg. Of Exclusive Suiting, Shirting,Garment Fab.

601, Royal Square
173, Dr. Vegas Street, Kalbadevi Road, Mumbai -400 002
Mobile : 98201 22052. Off, 8879238344, 8879413744, 49738344

ज्योतिष शास्त्र में रत्नों का विशेष महत्व है, इनका प्रभाव मनुष्य के जीवन पर अवश्य पड़ता है । आज आधुनिक विज्ञान भी इस बात पर सहमत है । नवग्रहो के अलग २ रत्न निर्धारित किए गए है । और उन ग्रहों की रश्मियों (किरणो) को उन ग्रहों के रत्न भोग कर मनुष्य के शरीर में उपरोक्त किरणों को प्रवाहित करते है । उचित रत्न धारण करने से, सम्बन्धित ग्रह के प्रभाव में वृद्धि और अनिष्ट ग्रहो का कुप्रभाव नष्ट हो जाता है । अपनी जन्म-कुंडली में स्थित ग्रहों की स्थिती एवं अपनी राशि के अनुसार ही रत्न का चयन करना चाहिए । चयन मे पूर्व किसी सुयोग्य जोहरी एवं ज्योतिषी से परामर्श अवश्य करना चाहिए ।

माणक :- यह सूर्य का रत्न है । इसको माणिक,मानिक और रुबी भी कहते है । यह रत्न रक्त लालिमा लिए हुए होता है । कई माणिक हल्के लाल,सिंदूरी लालिमा लिए होते है । आम मान्यता है कि असली माणिक को हथेली पर रखने पर उसका आभास होता है । चांदी के पात्र में मोतीयों के बीच यदि असली माणक को रखा जाय तो, मोतीयों का रंग कुछ लालिमा लिए दिखता है । असली और शुद्ध माणक कांतीयुक्त,चिकना,कनेर के पुष्प सदृश्य-लाल और भारी जन दिए होता है । जिस माणिक में कुछ दाग,धारियाँ, कुछ चिन्ह हो, कांती हीन हो, ऐसा माणिक दोष-पूर्ण या दूषित माना गया है । माणिक को रविवार के दिन कृत्तिका,पुष्य,उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में कोई शुभ योग में चंद्रमा और सूर्य जन्म राशि से,अच्छे स्थान पर होतो स्वर्ण अंगुठी मे, धारण करना चाहिए । लाल वस्त्र,ताम्र पात्र, लाल पुष्प,लाल चंदन आदि का दान भी देना चाहिए । विधी-विधान पूर्वक जो व्यक्ति माणिक धारण करता है,ऐसा व्यक्ति साहसी, आत्म -बल से परिपूर्ण,निर्भिक और समाज में उच्च एवं प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करता है । भाग्योन्नती, पुत्र लाभ, तथा हृदय रोग नैत्र विकार रक्त विकार आदि दोषो का नाश होता है । मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक राशि वाले जातको को माणिक शुभ प्रद रहता है । जिसके जन्म कालीन सूर्य तुला राशि का हो या आठवें बारहवें भाव में हो, ऐसे जातक को माणिक धारण नही करना चाहिए ।

मोती :--चंद्रमा का यह रत्न,स्वाती नक्षत्र में सीप द्वारा वर्षा के जल ग्रहण करने से उत्पन्न होता है । शुद्ध मोती गोल,उज्जवल,चिकना,हल्का और चंद्र की सी कांती युक्त होता है । आम मान्यता है कि, शुद्ध मोती को मिट्टी के पात्र में,गोमूत्र में डालकर रात भर रखें तो भी खण्डित नही होता है । गौघृत में मोती रखने पर घी पिघलने लगता है । काले धब्बों से युक्त, लहरदार,चपटा,लाल चिन्ह वाले मोती को दूषित माना गया है । ऐसे रत्न लाभ की जगह हानिकारक सिद्ध होते है । मोती को शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा,सोमवार को रोहिणी,हस्त, श्रवण नक्षत्रों में चांदी की अंगुठी में कच्चे दूध से मंत्रो से अभिमंत्रीत करके कनिष्ठा या अनामिका अंगुली में धारण करना चाहिए । रत्न धारण करने के पश्चात, श्वेत धान्य वस्त्र, पुष्प, चांदी का दान देना चाहिए । इसके धारणकर्ता की बेचैनी दूर होती है । जिनको क्रोध अधिक आता है,जो उच्च रक्तचाप के रोगी है,उनको यह रत्न अत्यंत लाभकारी है । स्त्रियों यह सौभाग्य शालिनी बनाता है । स्वच्छ और दोष रहित मोती धारण करने से, लक्ष्मी की प्राप्ती होती है । समाज में यश और मान मिलता है । मेष, वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मीन के राशिवालों को यह रत्न शुभ दायी है ।

मूंगा :-- मंगल ग्रह का यह रत्न अधिकांशत लाल, सिन्दूरी, हिंगुल रंग का या गेरुआँ वर्ण का होता है ।असली मूंगा गोल, चिकना, कान्तीयुक्त तथा भारी होता है । असली मूंगा की पहचान के लिए, उसे दूध में डाला जाय तो, दूध में लालिमा दिखाई देने लगती है । खण्डित,छिद्रयुक्त, काले या सफेद धब्बेवाले दूषित मूंगा को पहनने से लाभ की जगह हानि होने की संभावना रहती है । उच्च कोटी का मूंगा मंगलवार को मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा आदि नक्षत्रों में स्वर्ण या ताम्र की अंगुठी बनवाकर, मंगल के मंत्रो से अभिमंत्रित करके अनामिका अंगुली में धारण करना चाहिए । श्रेष्ठ मूंगा धारण करने से भूत-प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है । भूमिसुख, भ्रातृसुख मिलता है । अल्प रक्तचाप वालोह के लिए यह परम उपयोगी है, स्त्रियों को सौभाग्य देने वाला है । मूंगा के साथ नीलम, गोमेद, लहसुनीयाँ धारण नही करना चाहिए । जिन जातक के छठ्ठे, आठवे, या बारहवें स्थान में मंगल हो तो ऐसे जातक को भी मूंगा नही पहनना चाहिए । मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ व मीन राशि वालो को मूंगा लाभप्रद रहता है ।

पन्ना :-बुध ग्रह का यह रत्न हरे रंग का पारदर्शी, कोमल,चिकना व चमकदार होता है । असली पन्ने को कांच के पात्र में,जल में डाला जाय तो पात्र मे से हरित किरणे निकलने का आभास होता है । धूप मे सफेद वस्त्र पर रखा जाय

With Best Compliments :- Gopal Prakash Verma

AMAR TEXTILES

SHIRTING & DRESS MATERIALS

P/109, 1st Floor, Jaimatadi Compound, Kalher,
Bhiwandi- 421 302, Mobil :- 9323799500,8898465600

तो कच्च रंग विरंगा दिखाई देगा । छोटे २ काले धब्बो से युक्त , खण्डित , धारियों वाला, पन्ना दूषित माना गया है । स्वर्ण अंगुठी मे पन्ना ज.डवा कर शुक्ल पक्ष के बुधवार को अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती अथवा पुष्य नक्षत्रों मे कनिष्ठा अंगुली में धारण करना चाहिए । पन्ना धारण करने से बुद्धि तीव्र एवं वाकशक्ति बढ़ती है । धन-धान्य, सम्पत्ती की वृद्धि होती है । जादु टोने आदि से रक्षा करता है । गर्भिणी स्त्री के कमर पर बांधने से प्रसव सुख पूर्वक होता है ।

पुखराज:- चिकना, चमकदार, कांतिवाला, पीलू के छिलके के रंग वाला, स्वर्ण वर्ण का या केशर या हल्दी के रंग वाला यह रत्न गुरुग्रह का माना गया है । जो पुखराज स्पर्श में चिकना, भारी, पारदर्शी हो , वह उत्तम कोटी का माना गया है । चमकदार,श्वेत या श्याह बिंदुओ से युक्त, खण्डित पुखराज दोष पूर्ण होता है । पुखराज की विशेषता यह है कि वह कसौटी पर घिसने पर अधिक चमक उठता है । उच्च कोटी का पुखराज स्वर्ण अंगुठी में शुक्ल पक्ष के गुरुवार को पुष्य, पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद, नक्षत्रों में गुरु के मंत्रो से अभिमंत्रित कर तर्जनी अंगुली मे धारण करना चाहिए । पीतवस्त्र, पुष्प, स्वर्ण, पीतधान्य, केशर आदि का दान देना चाहिए । इसके धारण करने से वंश की वृद्धि होती है । जिस कन्या के विवाह मे बाधा प.ड रही हो, उसे शीघ्र उपयुक्त वर मिलता है । घर का क्लेश नष्ट हो जाता है और पति-पत्नि मे परस्पर प्रेम ब.ढता है । धनु, मीन, मेष, कर्क, वृश्चिक राशि वालो को पुखराज शीघ्र फलदायी होता है ।

हीरा:- अत्यन्त श्वेत, चमकीला, कठोर, किरणो से युक्त यह रत्न शुक्र का माना गया है । असली हीरा को यदि पिघले हुए घी मे डाल दिया जाए तो घी तुरंत जमने लग जाता है । असली रत्न के नीचे अंगुली रखने पर वह दिखाई नही देगी । कांतीहीन, गड्ढेदार, लालकाले बिंदु या रेखा से युक्त खण्डित हीरा दूषित माना गया है । अच्छे हीरे को शुक्ल पक्ष के शुक्रवार को भरणी, पुष्य, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषा.ढा नक्षत्रों मे, शुक्रग्रह जब वृष, तुला या मीन राशि मे स्थित हो तब शुक्र के मंत्रो से अभिमंत्रित करके स्वर्ण, चांदी या प्लेटीनम की अंगुठी मे मध्यमा अंगुली मे धारण करना चाहिए । धारण करने के पश्चात श्वेत धान्य, वस्त्र, पुष्प, चांदी, चंदन आदि का दान देना चाहिए । हीरा धारण करने से लक्ष्मी की प्राप्ती, विवाह सुख, वाहन सुख मिलता है । हीरा मे वशीकरण की अद्भुत शक्ति होती है । वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ राशि वालो को हीरा लाभदायक होता है ।

नीलम:- नीलम शनि ग्रह का मुख्य रत्न है । इसको धारण करने से पहले, इसकी परीक्षा करना अत्यंत आवश्यक है । यह रत्न अपना प्रभाव अतिशीघ्र दिखाता है अतः २-३ दिन इसको दायी भुजा मे बांधकर रखना चाहिए । यदि अशुभ फलो का आभास दे, तो इस रत्न को त्याग देना चाहिए । असली नीलम चमकिला, चिकना मोरपंख के समान वर्ण वाला, नीली रश्मियों से युक्त, पारदर्शी होता है । असली नीलम को गाय के दूध में डाला जाय तो दूध का रंग नीला दिखाई देगा । सूर्य की धूप में रखने से नीले रंग की किरणे दिखाई देंगी । नीलम धारण करने से धन-धान्य, यश-कीर्ति, बुद्धि-चातुर्य और वंश की वृद्धि होती है । नीलम शनि की सा.ढे-साती का निवारण भी करता है ।शनिवार को नीलम पुष्य, उत्तरा, चित्रा, स्वाती, धनिष्ठा,शतभिषा नक्षत्रों मे लोहे या स्वर्ण की अंगुठी मे मध्यमा अंगुली मे धारण करना चाहिए । शनि के मंत्रो से अभिमंत्रित करके धारण करने से पहले काला धान्य, वस्त्र,लोहे का दान देना श्रेयस्कर होता है ।

गोमेद:- गोमेद का रंग गौमुत्र के समान कुछ पीला, कुछ लालिमा लिए हुए श्याम वर्ण का होता है । यह राहु का रत्न है । असली गोमेद स्वच्छ,भारी,चिकना होता है । ऐसे गोमेद को २४ घंटे तक गौमुत्र मे रखा जाय तो, गौमुत्र का रंग बदल जाता है । लक.डी के बुरादे मे घिसने पर असली गोमेद की चमक मे वृद्धि होगी, जबकी नकली की चमक फीकी प.ड जायेगी । गोमेद को पंचधातु या स्वर्ण अंगुठी मे शनिवार को स्वाती,शतभिषा,आर्द्रा में या रवि-पुष्य योग में राहु के मंत्रो से अभिमंत्रित करके मध्यमा अंगुली मे धारण करना चाहिए । तत्पश्चात् काली वस्तुओं का दान देना चाहिए । गोमेद धारक को धन-सम्पति,सुख,सन्तान वृद्धि,राजपक्ष से लाभ और शत्रुओं का दमन होता है । जन्म कुंडली मे राहु १,४,५,७,९,१० स्थान मे हो उनको गोमेद लाभप्रद रहता है ।

लहसुनिया:- केतु का यह रत्न अंधेरे मे बिल्ली की आँख की भाँती चमकता है । लहसनिया कई रंगो मे मिलता है । काली-श्वेत आभा युक्त जिस पर जेब्रे की तरह तीन धारीयाँ खींची हो, स्वच्छ, औसत से कुछ भारी, ऐसा रत्न उत्तम माना गया है । यदि रत्न में छिद्र, खरहुरा,श्वेत बिंदु या पाँच धारियाँ हो तो ऐसा रत्न धारण नही करना चाहिए । केतु की महादशा मे यह रत्न अत्यंत लाभदायक रहता है । शनि,बुध,गुरु के दिन अश्विनी,मघा,मूल नक्षत्रों में लोहे या पंचधातु की अंगुठी में कनिष्ठा अंगुली मे पहनना चाहिए । लहसनिया संतान सुख,धन की वृद्धि, एवम् शत्रु और रोगो का नाश होता है ।

With best compliments:-

PENGUIN Electronics Ltd.

Fact.:- Penguin Electronics Ltd. Sai Road,
Village Gullarwala, Baddi- 173 205 , Dist: Solan H.P.
Off.:- 4, Piramal Ind. Estate; S.V.Road, Goregaon [West] Mumbai- 400 062
Fax:- 91-22-2874 8412, Tel.: 28782516/17/18/19/20

प्रमुख-वास्तु पूजन मुहूर्त

मास	तिथी	वार	चंद्र/लग्न	दिनांक
वैशाख सुदी	तीज	सोम	वृष/ल.चि.	२०/४/२६
.... ..	आठम्	शुक्र	कर्क/अभि.	२४/४/२६
ध जेठ बदी	छठ	शुक्र	मकर/अभि.	८/५/२६
.... ..	बारस	गुरु	मीन/२,३,अभि	१४/५/२६
द्वि.जेठ सुदी	दशमी	बुध	तुला/ल.चि.	२४/६/२६
.... ..	तेरस	शनि	वृश्चिक/अभि	२७ /६/२६
आषाढ बदी	एकम्	बुध	धनु/ल.चि.	१/७/२६
.... ..	बारस	शनि	वृष/अभि.	११/७/२६
मंगसिर बदी	एकम्	बुध	वृष/९	२५/११/२६
.... ..	दूज	गुरु	वृष/मिथुन/९	२६/११/२६
.... ..	दशमी	गुरु	कन्या/९	३/१२/२६
.... ..	ग्यारस	शुक्र	कन्या/अभि.	४/१२/२६
.... ..	बारस	शनि	तुला/९,अभि.	५/१२/२६
मंगसिर सुदी	तीज	शनि	धनु/मकर/९	१२/१२/२६
पौष सुदी	पौनम	शुक्र	कर्क/अभि.	२३/१/२७
माघ बदी	आठम्	शुक्र	तुला/अभि.	२९/१/२७
माघ सुदी	दूज	सोम	कुँभ/अभि.	८/२/२७
.... ..	पाँचम्	गुरु	मीन/ल.चि.	११/२/२७
फागण बदी	पाँचम्	गुरु	तुला/ल.चि.	२५/२/२७
.... ..	ग्यारस	गुरु	मकर/२,अभि	४/३/२७

आप अपनी जन्मराशि के अनुसार सर्वश्रेष्ठ वास्तु पुजन मुर्हूत पूरे वर्ष के केवल ५०० रु. भेजकर मंगा सकते है । आप केवल जन्म दिनांक जन्म समय स्थान भेजे । विवाह मुर्हूत भी इसी तरह मंगा सकते है । हमारे यहाँ हिन्दी,गुजराती, मराठी,इंगलीश भाषा मे जन्मपत्रिका भी बनवा सकते है ।

व्रत-उद्यापन, विवाह, गृह-प्रवेश, दुकान-ऑफिस मुहूर्त, कर्म-कांड तथा किसी भी मांगलिक कार्य में पूजा-हवन,जप-पाठ, आदि के लिए पंचांग के ऊपर दिये पत्ते पर संपर्क करे । सतीश जोशी मो.९३२२२२१७६७

ग्रहण विवरण

विक्रम संवत २०८३ कुल ४ ग्रहण होगें। जिसमें २सूर्य ग्रहण एवं २चंद्रग्रहण होगें । इनमे कोई भी ग्रहण भारतवर्ष मे दिखाई नही देगे ।

(१) खग्रास सूर्य ग्रहण :-श्रावण बदी अमावस बुधवार दिनांक १२ अगस्त २०२६ को यह ग्रहण भारत मे दिखाई नही देगा ।
स्पर्श स.९.०४ मोक्ष स.१.२८ ।

(२)खण्डग्रास चंद्रग्रहण :- श्रावण सुदी पूनम शुक्रवार दिनांक ३८ अगस्त २०२६ को यह ग्रहण युरोप, अफ्रिका, अमेरिका, कनाडा, ग्रीनलैंड, इराक,इरान, मा होने वाला ग्रहण भारत मे नही दिखेगा ।

(३)कंकण सूर्य ग्रहण:-माघ बदी अमावस शनिवार दिनांक ६ फरवरी २०२७ को यह ग्रहण साउथ वेस्टअफ्रिका,पेसीफिस अंटलांटिक मे दिखेगा। भारत मे दिखाई नही देगा ।

(४)मांघ चंद्रग्रहण:-माघ सुदी पूनम शनिवार दिनांक ३० फरवरी २०२७ को लगने वाला ग्रहण भारत मे कही कही दिखाई देगा। लेकिन ग्रहण रुप मे मान्य नही होगा । मांघ चंद्रग्रहण वास्तव मे ग्रहण नही होते है । प्रत्येक ग्रहण के पहले चंद्रमा पृथ्वी की उपछाया मे प्रवेश आरम्भ करता है । इसके बाद वास्तविक छाया मे प्रवेश करता है जिसे चंद्रमालिन्य या इंगलिश स Penumbra भी कहते है । इसके बाद चंद्र पृथ्वी की वास्तविक छाया मे प्रवेश करता है जिसे भूपा (Umbra)कहते है । जब चंद्र भूपा मे प्रवेश नही करता है तब चंद्र की कांती क्षीण होती है । चाँदनी मलिन दिखाई देती है इसी अवस्था को मांघग्रहण या छाया ग्रहण कहते है । इसे ग्रहण की श्रेणी मे नही रखा जाता है। वास्तव मे इन ग्रहण की मान्यता न होने से कई पंचांगि मे इसका उल्लेख तक नही किया जाता है । परन्तु आज टी.व्ही.चैनलो,फेसबुक और दुसरे सोशलमीडीया मे इसका जोर-शोर से प्रचार करके जनमानस मे भय की स्थिती पैदा की जाती है ।इस ग्रहण की कोई मान्यता-महत्व नही होने से ग्रहण के कोई नियम पालन करने की आवश्यकता नही है । ग्रहण एवं सूतक के समय बालक,वृद्ध, रोगी को छोड़कर भोजन आदि नही करना चाहिए । यह समय दान,पुण्य तथा किसी मंत्र को सिद्ध करने के लिए उत्तम है । किसी पवित्र नदी, तालाब मे जाकर स्नान करना चाहिए।अपनी शक्ति अनुसार दान देने से उसका अक्षय फल मिलता है। पक्का हुआ अन्न, कटी हुई सब्जी व फल ग्रहण काल मे दूषित हो जाते है । उन्हे खाना नही चाहिए। तेल,घी पी तरह हुआ अन्न,दूध, दही, चटनी आदि मे कुशा रखने से दूषित नही होते है। सूखे पदार्थो (गेहूं,चना,दाल,आटा)मे कुशा रखने की जरुरत नही है।

With Best Compliments:- Ashok Munshi

PARASHAR HEALING

Osteopathy & Physlotherapy

Treat: Spondylitis, Sciatica, lumbar, frozen shoulder, Knee pain, back pain, and many more pain related problems

ShopNo. 2147, Eaze Zone shopping mall Ground floor, Opp. Rustomjee ozone towers Goregoan Mulund Link Road, Goregaon [W] Mumbai - 400 062
Mobile : 9833770304, 9833770305 Tel . 022-40128125, 46037058
instagram:parasharhealingmumbai. facebook : parasar healing

श्री चैत्र सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❋ दिनांक १९ मार्च से २ अप्रेल २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	बसंत ऋतु, रविउत्तरायणे, समय स्टैण्डर्ड व मि में
१९ मार्च	गुरु	अमावस,एकम ६.१५,रा.४.५७	उत्तराभाद्रपद रा.४.०६	६.४५	६.४७	मीन	**संवत्सर-नवरात्र आरम्भ, गुड़ी पडवाँ,** पंचक जारी **मल मास चालु है।**
२०	शुक्र	दूज रा.२.३२	रेवती रा.२.२९	६.४४	६.४८	मीन रा.१.२९	**सिंघारा,** चंद्र दर्शन,पंचक समाप्त रा.२.२९ अमृतसिद्धयोग रा.२.२९ तक
२१	शनि	तीज रा.११.५७	अश्विनी रा.१२.३९	६.४३	६.४८	मेष	**गणगौर,मनोरथतृतीयाव्रत,मत्स्यजंयती,** रवियोग रा.१२.३९ से
२२	रवि	चौथ रा.९.१८	भरणी रा.१०.४४	६.४३	६.४८	मेष रा.४.१५	भद्रा सु.१०.३८ से रा.९.१८ तक, ज्वालामुखीयोग रा.९.१८ से रा.१०.४४ तक,रवियोग-बजमुसलयोग रा.१०.४४ तक
२३	सोम	पाँचम् शा.६.४०	कृतिका रा.८.५१	६.४२	६.४८	वृष	**श्री पंचमी,** रवियोग-कुमारयोग रा.८.५१ से,
२४	मंगल	छठ शा.४.०९	रोहिणी रा.७.०६	६.४१	६.४८	वृष प्रा.६.१९	**सूर्यछठ,स्कन्द षष्ठी,**कुमारयोग शा.४.०९ तक, रवियोग रा.७.०६ तक बाद मे राजयोग
२५	बुध	सातम् दो.१.५१	मृगशिरा शा.५.३४	६.४०	६.४९	मिथुन	**शुक्र मेष** मे प्रा.५.१०। भद्रा दो.१.५१ से रा.१२.४८ तक राजयोग दो.१.५१ तक
२६	गुरु	आठम् सु.११.५०	आर्द्रा शा.४.२०	६.३९	६.४९	मिथुन	**दुर्गाष्टमी,आठम् की कड़ाही,अन्नपूर्णा पूजा रामनवमी,**स्थिरयोग शा.४.२० तक बाद मे सिद्धि-रवियोग
२७	शुक्र	नौमी सु.१०.०८	पुनर्वसु दो.३.२५	६.३८	६.४९	मिथुन सु.९.३८	**नवरात्र समाप्त,** रवियोग अहोरात्र, कुमारयोग सु.१०.०८ से दो.३.२५ तक
२८	शनि	दशमी सु.८.४७	पुष्य दो.२.५१	६.३८	६.४९	कर्क	**धर्मराज जयंती,**गण्डात नक्षत्र दो.२.५१ से रवियोग दो.२.५१ तक, भद्रा रा.८.१४ से
२९	रवि	ग्यारस सु.७.४७	अश्लेषा दो.२.४०	६.३७	६.५०	कर्क दो.२.४०	**कामदा एकादशी, श्यामजागरण,**भद्रा सु.७.४७ तक, गण्डात नक्षत्र जारी,दग्धयोग सु.७.४७ से,यमघंटयोग दो.२.४० से
३०	सोम	बारस सु.७.११	मघा दो.२.४९	६.३६	६.५०	सिंह	**वामनद्वादशी,अनंग त्रयोदशी,सोमप्रदोष व्रत, श्यामज्योत,** गण्डात नक्षत्र जारी, रवियोग दो.२.४९तक
३१	मंगल	तेरस सु.६.५७	पूर्वाफाल्गुनी दो.३.२२	६.३५	६.५०	सिंह रा.१.३५	**महावीर जयंती,** रवियोग दो.३.२२ तक व्यतीपात महापात सु.७.२६ से सु.११.१७ तक
१ अप्रेल	बुध	चौदस सु.७.०७	उत्तराफाल्गुनी शा.४.१८	६.३४	६.५०	कन्या	**पूर्णिमाव्रत,**भद्रा सु.७.०७ से रा.७.२२ तक रवियोग शा.४.१८ तक
२	गुरु	पूनम सु.७.४२	हस्त शा.५.३९	६.३३	६.५१	कन्या	**हनुमानजयंती,वैशाखस्नान प्रारम्भ, मंगल मीन मे** दो.३.२९,

शुभ कामनाओं सहित :- मदनलाल बोखानि

श्री महेश इन्डस्ट्रीज लिमीटेड

पोस्ट:- भिवंडी, जिला ठाणे

निवास : २६ चंदनबाला, एम.जी.रोड, विलेपार्ले-पूर्व, मुंबई-५७

श्री वैशाख बदी २०८३ शक सवंत १९४८ ❀ दिनांक ३ अप्रेल से १७ अप्रेल २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंदराशि	वसंतऋतु रविउत्तरायणे सायन ग्रहस्पष्ट ७ दि. से
३ अप्रेल	शुक्र	एकम् सु.८.४३	चित्रा रा.७.२५	६.३३	६.५१	तुला	गुड फ्रायडे, राजयोग सु.८.४३ से रा.७.२५ तक **मलमास समाप्त १४ अप्रेल**
४	शनि	दूज सु.१०.१०	स्वाती रा.९.३६	६.३२	६.५१	तुला	भद्रा रा.११.०३ से, सिद्धियोग रा.९.३६ तक
५	रवि	तीज दो.१२.००	विशाखा रा.१२.०८	६.३१	६.५१	तुला शा.५.२९	**चतुर्थीव्रत** (चंद्रोदय रा.६.४७),भद्रा दो.१२.०० तक, **ईस्टर सनडे**,मृत्युयोग रा.१२.०८ से
६	सोम	चौथ दो.२.११	अनुराधा रा.२.५७	६.३०	६.५१	वृश्चिक	**अनुसूया जयंती**, गण्डात नक्षत्र रा.२.५७ से,
७	मंगल	पाँचम् शा.४.३५	ज्येष्ठा प्रा.५.५५	६.२९	६.५२	वृश्चिक शा.५.५५	गण्डात नक्षत्र जारी, दग्धयोग शा.४.३५ तक, रवियोग-कुमारयोग प्रा.५.५५ से
८	बुध	छठ रा.७.०२	मूल अहोरात्र	६.२८	६.५२	धनु	भद्रा रा.७.०२ से,गण्डात नक्षत्र जारी। रवियोग-यमघटयोग अहोरात्र, कुमारयोग रा.७.०२ तक
९	गुरु	सातम् रा.९.२०	मूल सु.८.४९	६.२८	६.५२	धनु	**भानु सप्तमी**,भद्रा सु.८.१३ तक, गण्डात नक्षत्र सु.८.४९ तक, रवियोग सु.८.४९ तक
१०	शुक्र	आठम् रा.११.१६	पूर्वाषाढा सु.११.२८	६.२७	६.५२	धनु शा.६.०५	**कालाष्टमी**, **बुध मीन** मे रा.१.१४,**बुढो बासेडो**, दग्धयोग रा.११.१६ तक
११	शनि	नौमी रा.१२.३८	उत्तराषाढा दो.१.४०	६.२६	६.५३	मकर	स्थिरयोग रा.१.४० तक दग्धयोग रा.१२.३८ तक
१२	रवि	दशमी रा.१.१८	श्रवण दो.३.१४	६.२५	६.५३	मकर रा.३.४५	भद्रा दो.१.०४ से रा.१.१८ तक, पंचक रा.३.४५ से,
१३	सोम	ग्यारस रा.१.०९	धनिष्ठा शा.४.०४	६.२५	६.५३	कुंभ	**वरुथिनी एकादशी**,पंचक जारी,दग्धयोग रा.१.०९तक वैधृतिमहापात रा.१२.१३ से रा.४.१० तक
१४	मंगल	बारस रा.१२.१३	शतभिषा शा.४.०७	६.२४	६.५३	कुंभ	**मेष संक्रांती** सु.९.३३,मलमास समाप्त, तिथिक्षय सु.६.४७ तक, पंचक जारी, मृत्युयोग शा.४.०७ तक
१५	बुध	तेरस रा.१०.३२	पूर्वाभाद्रपद दो.३.२३	६.२३	६.५४	कुंभ सु.९.३८	**प्रदोष व्रत**,भद्रा रा.१०.३२ से पंचक जारी
१६	गुरु	चौदस रा.८.१३	उत्तराभाद्रपद दो.२.००	६.२२	६.५४	मीन	भद्रा सु.९.२७ तक,पंचक जारी स्थिरयोग दो.२.०० से रा.८.१३ तक
१७	शुक्र	अमावस शा.५.२३	रेवती दो.१२.०३	६.२२	६.५४	मीन दो१२.०३	**अमावस**,पंचक दो.१२.०३ तक, अमृतसिद्धयोग दो.१२.०३ तक,कुमारयोग शा.५.२३ से

Om Sai Ram

SHIV HARI TRAVELS...A/C & Non A/C Cars & Buses Available on Hire

ELITE Properties.....Your Trusted Real Estate Partner

Shop No.53, Ashoka Super Market, S.V. Road N Aarey Road Junction
Goregaon (W) Mumbai - 400062
Contact No.: 9820016697

श्री वैशाख सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १८ अप्रेल से १ मई २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	संक्रांति	वसंत/ग्रीष्म ऋतु, रविवारव्रतारंभ, समय सौरघड़ी व दि से
१८ अप्रेल	शनि	एकम् दो.२.१२	अश्विनी सू.९.४४	६.२१	६.५५	मेष	चंद्र दर्शन,
१९	रवि	दूज मु.१०.५१	भरणी/कृत्तिका ९.२०	६.२०	६.५५	मेष दोर.३२	परशुरामजयंती,बद्री-केदारयात्रा,अखातीज, शुक्र वृष मे दो.३.४६, सौर ग्रीष्म ऋतु आरम्भ,
२०	सोम	तीज/चौथ रा.१.३१	रोहिणी रा.२.१०	६.१९	६.५५	वृष	रवियोग रा. ४.३६ से,भद्रा रा.५.५१ से रा.४.१६ तक अमृतसिद्धयोग रा.२.१० से
२१	मंगल	पंचम् रा.१.२१	मृगशिरा रा.१२.००	६.१९	६.५५	वृष दो.१.०३	आद्यशंकराचार्यजयंती, दग्धयोग रा.१.२१ तक रवियोग-यमघंटयोग रा.१२.०० से
२२	बुध	छठ रा.१०.५१	आर्द्रा रा.१०.१४	६.१८	६.५६	मिथुन	रामानुजाचार्य जयंती,चंदन छठ, रवियोग रा.१०१४ तक, कुमारयोग रा.१०.१४ से रा.१०.५१ तक
२३	गुरु	सातम् रा.८.५०	पुनर्वसु रा.८.५८	६.१७	६.५६	मिथुन दो.३.१५	गंगा सप्तमी,भानुसप्तमी,भद्रा रा.८.५० से अमृतसिद्धयोग रा.८.५८ से
२४	शुक्र	आठम् रा.७.२३	पुष्य रा.८.१५	६.१७	६.५६	कर्क	दुर्गाष्टमी,भद्रा मु.८.०३ तक,कुमारयोग रा.७.२३ तक, रवियोग-मृत्युयोग - गण्डान्त नक्षत्र रा.८.१५ से,
२५	शनि	नौमी शा.६.२९	अश्लेषा रा.८.०७	६.१६	६.५७	कर्क रा.८.०७	सीता नवमी,श्रीहरि जयंती,गण्डान्त नक्षत्र आरंभ, रविवार आरंभ, स्थिर-दग्धयोग रा.६.२९ तक,
२६	रवि	दशमी शा.६.०८	मघा रा.८.२८	६.१५	६.५७	सिंह	भद्रा मु.६.०९ से, गण्डान्त नक्षत्र रा.८.२८ तक, रविवारव- यमघंटयोग रा.८.२८ तक,
२७	सोम	ग्यारस शा.६.१७	पूर्वाफाल्गुनी रा.९.१९	६.१५	६.५७	सिंह रा.३.३७	मोहिनी एकादशी,श्यामजागरण, भद्रा शा.६.१७ तक,दग्धयोग शा.६.१७ से
२८	मंगल	बारस शा.६.५३	उत्तराफाल्गुनी रा.१०.३७	६.१४	६.५७	कन्या	परशुरामद्वादशी,रुक्मणीद्वादशी,भौमप्रदोष व्रत श्याम ज्योत,
२९	बुध	तेरस रा.७.५३	हस्त रा.१२.१७	६.१३	६.५८	कन्या	रविवारव रा.१२.१७ से
३०	गुरु	चौदस रा.९.१३	चित्रा रा.२.१७	६.१३	६.५८	कन्या दो.१.१६	नृसिंह जयंती, बुध मेष मे मु.६.५३ भद्रा रा.९.१३ से, रविवारव रा.२.१७ तक
१ मई	शुक्र	पूनम रा.१०.५४	स्वाती रा.४.३६	६.१२	६.५८	तुला	पूर्णिमान्त,कूर्म जयंती,बुद्ध पूर्णिमा,वैशाख स्नान समाप्त, महाराष्ट्र-गुजरात - श्रमिक दिवस,भद्रा मु.१०.०९ तक

With best Compliments:- **Purshottamlal M.Bang**

NIRMAL BANG SECURITIES PVT. LTD.

a relationship beyond broking

EQUITIES/DERIVATIES/COMMODITIES/CURRENCY/MUTUAL FUNDS/IPO/INSURANCE/PMS/DP*

Khandelwal House B wing, Poddar Road, Opp.Poddar Park, Malad (East)

Mumbai- 400 097. Contact No. 98210 84020.

email:purshottam.bang@nirmalbang.co.in www.nirmalbang.com

श्री जेठ बदी २०८३ शक संवत १९४८ ❋ दिनांक २ मई से १६ मई २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	ग्रीष्म ऋतु, रविउत्तरायणे, समय स्टैण्डर्ड व मि.से
२ मई	शनि	एकम् रा.१२.५१	विशाखा अहोरात्र	६.१२	६.५९	तुला रा.१२.३२	नारद जयंती,
३	रवि	दूज रा.३.०३	विशाखा सु.७.१०	६.११	६.५९	वृश्चिक	राजयोग-मृत्युयोग सु.७.१० से
४	सोम	तीज प्रा.५.२५	अनुराधा सु.९.५८	६.११	६.५९	वृश्चिक	भद्रा शा.४.१३ से प्रा.५.२५ तक गण्डात नक्षत्र सु.९.५८ से,
५	मंगल	चौथ अहोरात्र	जयेष्ठा दो.१२.५६	६.१०	७.००	वृश्चिक दो.१२.५६	**चतुर्थीव्रत** (चंद्रोदय रा.१०.१९) गण्डात नक्षत्र जारी
६	बुध	चौथ सु.७.५२	मूल दो.३.५४	६.१०	७.००	धनु	कुमारयोग सु.७.५२ से दो.३.५४ तक, यमघंटयोग - गण्डात नक्षत्र दो.३.५४ तक
७	गुरु	पाँचम् सु.१०.१५	पूर्वाषाढ़ा शा.६.४६	६.०९	७.००	धनु रा.१.२७	दग्धयोग सु.१०.१५ से, रवियोग शा.६.४६ से
८	शुक्र	छठ दो.१२.२२	उत्तराषाढ़ा रा.९.२०	६.०९	७.०१	मकर	भद्रा दो.१२.२२से रा.१.१७ तक, रवियोग रा.९.२० तक
९	शनि	सातम् दो.२.०३	श्रवण रा.११.२५	६.०८	७.०१	मकर	**कालाष्टमी,** धनिष्ठा नवकारंभ रा.११.२५ से वैधृतिमहापात शा.६.५७ से रा.११.५३ तक
१०	रवि	आठम् दो.३.०७	धनिष्ठा रा.१२.५०	६.०८	७.०१	मकर दो.१२.१३	पंचक दो.१२.१३ से
११	सोम	नौमी दो.३.२५	शतभिषा रा.१.२९	६.०७	७.०२	कुंभ	**मंगल मेष** में दो.१२.३९ भद्रा रा.३.१६ से पंचक जारी,
१२	मंगल	दशमी दो.२.५३	पूर्वाभाद्रपद रा.१.१८	६.०७	७.०२	कुंभ रा.७.२५	भद्रा दो.२.५३ तक, पंचकजारी कुमारयोग रा.१.१८ तक बाद में सिद्धियोग
१३	बुध	ग्यारस दो.१.३१	उत्तराभाद्रपद रा.१२.१८	६.०६	७.०२	मीन	**अपरा एकादशी**, पंचक जारी, राजयोग दो.१.३१ से रा.१२.१८ तक
१४	गुरु	बारस सु.११.२२	रेवती रा.१०.२४	६.०६	७.०३	मीन रा.१०.३४	**प्रदोष व्रत**, **शुक्र मिथुन** में सु.१०.५४, **बुध वृष** में रा.१२.३३, **वटसावित्रीव्रतारंभ**, पंचक रा.१०.२४ तक
१५	शुक्र	तेरस/चौदस सु.८.३२/वा.५१४	अश्विनी रा.८.१६	६.०६	७.०३	मेष	**वृष संक्रांती** सु.६.२३, भद्रा सु.८.३२ से शा.६.५६ तक
१६	शनि	अमावस रा.१.३२	भरणी शा.५.३२	६.०५	७.०४	मेष रा.१०.४७	**पितृअमावस**, **वटसावत्रीव्रत**, **शनीश्चर जयंती**

चर्तुभुजा माता माई सेवा टरस्ट (मुबंई)

पंचांग वितरण करने वाले सहयोगी भक्त गण ।

विमल जी बाजोरिया
विष्णु जी बाजोरिया
सुरेश जी अग्रवाल (पंसारी)

सुनील जी गनेरीवाल (जुहु)
ओमप्रकाशजी गनेरीवाल (कोलकत्ता)
किशोरी लाल जी बाजोरिया (कोलकत्ता)
अशोक जी गनेरीवाल

रमेश जी बाजोरिया (कफ परेड)
नरेन्द्र जी अग्रवाल (पंसारी)
मंजु गंगाविशन जी बाजोरिया

श्री अधिक जेठ सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १७ मई से ३१ मई २०२६तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शुभ ऋतु, रविजनरायणे, मघव स्टैण्डर्ड व सि.से
१७ मई	रवि	एकम् रा.९.४३	कृतिका दो.२.३४	६.०५	७.०४	वृष	गलमास आरम्भ — अधिक मास आरम्भ १७ मई
१८	सोम	दूज रा.५.५५	रोहिणी मृ.११.३३	६.०५	७.०४	वृष रा.१०.०७	चंद्र दर्शन, अमृतसिद्धयोग मृ.११.३३ से; धनिष्ठा नवकारंभ समाप्त मृ.११.३३
१९	मंगल	तीज दो.२.२०	मृगशिरा मृ.८.४३	६.०४	७.०५	मिथुन	भद्रा रा.११.४१ से; राजयोग मृ.८.४३ तक बाद में रवियोग-यमघंटयोग
२०	बुध	चौथ मृ.११.०८	आर्द्रा/पुनर्वसु मृ.६.१३/रा.४.१	६.०४	७.०५	मिथुन रा.१०.४१	भद्रा मृ.११.०८ तक, रवियोग मृ.६.१३ तक; कुमारयोग मृ.११.०८ से रा.४.१३ तक बाद में रवियोग
२१	गुरु	पाँचम् मृ.८.२८	पुष्य रा.२.५०	६.०४	७.०५	कर्क	रवियोग-अमृतसिद्धयोग रा.२.५० तक, कुमारयोग मृ.८.२८ से गण्डांत नक्षत्र रा.२.५० से.
२२	शुक्र	छठ/सातम् मृ.६.२५/रा.५.५	अश्लेषा रा.२.१०	६.०४	७.०६	कर्क रा.२.१०	भद्रा प्रा.५.०५ से, गण्डांत नक्षत्र जारी; मृत्युयोग रा.२.१० तक, दग्धयोग प्रा.५.०५ से
२३	शनि	आठम् रा.४.२८	मघा रा.२.१०	६.०३	७.०६	सिंह	दुर्गाष्टमी, भद्रा रा.४.४१ तक, दग्धयोग रा.४.२८ से; गण्डांत नक्षत्र रा.२.१० तक, रवियोग रा.२.१० से
२४	रवि	नौमी रा.४.३२	पूर्वाफाल्गुनी रा.२.५१	६.०३	७.०७	सिंह	रवियोग अहोरात्र
२५	सोम	दशमी प्रा.५.१२	उत्तराफाल्गुनी रा.४.०९	६.०३	७.०७	सिंह सु.९.०९	रवियोग अहोरात्र; कुमारयोग रा.४.०९ से, दग्धयोग प्रा.५.१२ से
२६	मंगल	ग्यारस अहोरात्र	हस्त प्रा.५.५७	६.०३	७.०७	कन्या	भद्रा रा.५.४३ से; कुमारयोग-रवियोग प्रा.५.५७ तक
२७	बुध	ग्यारस सु.६.२३	चित्रा अहोरात्र	६.०३	७.०८	कन्या शा.७.०१	कमला एकादशी, श्यामज्योत; भद्रा सु.६.२३ तक, राजयोग सु.६.२३ से
२८	गुरु	बारस सु.७.५८	चित्रा सु.८.०९	६.०२	७.०८	तुला	प्रदोषव्रत; स्थिरयोग सु.८.०९ से
२९	शुक्र	तेरस सु.९.५२	स्वाती सु.१०.३९	६.०२	७.०९	तुला	बुध मिथुन में मृ.११.१६; रवियोग सु.१०.३९ से
३०	शनि	चौदस मृ.११.५९	विशाखा दो.१.२१	६.०२	७.०९	तुला सु.६.४०	पूर्णिमाव्रत, भद्रा रा.११.५९ से रा.१.०६ तक, रवियोग दो.१.२१ तक
३१	रवि	पूनम दो.२.१५	अनुराधा शा.४.१२	६.०२	७.०९	वृश्चिक	पूर्णिमा, गण्डांतनक्षत्र शा.४.१२ से; मृत्युयोग शा.४.१२ तक, राजयोग दो.२.१५ तक

Omprakash Sarawagi -:With best Compliments:- Namit Sarawagi
9322220304 9320129506

OM CREATION PVT. LTD.

MANUFACTURER OF FURNISHING FABRIC

B-4/12 Prithvi Complex, Pipeline Road, Kalhar Village,
Bhiwandi Dist: Thane 421 305
Mob.:9820129506,9320129506. email: omcorp.pvt@gmail.com

श्री अधिक जेठ बदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १ जून से १५ जून २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	ग्रीष्म ऋतु,रविजनरायणी,गणप स्टैण्डर्ड च दि से
१ जून	सोम	एकम् शा. ६.३८	जयेष्ठा शा.७.१०	६.०२	७.१०	वृश्चिक रा.७.१०	**शुक्र कर्क** में रा.१.४९ गण्डान्त नक्षत्र जारी — अधिक मास समाप्त। १५ जून
२	मंगल	दूज शा.७.०२	मूल रा.१०.०७	६.०२	७.१०	धनु	राजयोग रा.१०.०७ से गण्डान्त रा.१०.०७ तक
३	बुध	तीज रा.९.२२	पूर्वाषाढ़ा रा.१.००	६.०२	७.१०	धनु	चतुर्वीन्नत (गंडोदय रा.१० ५२),दग्धयोग रा.९.२२ तक भद्रा सु.८.१३ से रा.९.२२ तक,राजयोग रा.९.२२ तक
४	गुरु	चौथ रा.११.३१	उत्तराषाढ़ा रा.३.४२	६.०२	७.११	धनु सु.७.४३	स्थिरयोग रा.११.३१ तक वैधृतिमहापात शा.६.१४ से रा.१२.५६ तक
५	शुक्र	पाँचम् रा.१.२१	श्रवण अहोरात्र	६.०२	७.११	मकर	कुमारयोग अहोरात्र
६	शनि	छठ रा.२.४२	श्रवण सु.६.०४	६.०२	७.१२	मकर शा.७.०५	भद्रा रा.२.४२ से, पंचक शा.७.०५ से रवियोग सु.६.०४ से
७	रवि	सातम् रा.३.२५	धनिष्ठा सु.७.५६	६.०२	७.१२	कुंभ	भानु सप्तमी,भद्रा दो.३.०८ तक,पंचक जारी राजयोग-रवियोग सु.७.५६ तक
८	सोम	आठम् रा.३.२४	शतभिषा सु.९.१०	६.०२	७.१२	कुंभ रा.३.३७	**कालाष्टमी, शुक्र कर्क** मे शा.५.४४ पंचक जारी
९	मंगल	नौमी रा.२.३६	पूर्वाभाद्रपद सु.९.४०	६.०२	७.१३	मीन	सिद्धियोग सु.९.४० से पंचक जारी,
१०	बुध	दशमी रा.१२.५९	उत्तराभाद्रपद सु.९.२२	६.०२	७.१३	मीन	भद्रा दो.१.५३ से रा.१२.५९ तक, पंचक जारी,
११	गुरु	ग्यारस रा.१०.३७	रेवती सु.८.१७	६.०२	७.१३	मीन सु.८.१७	**कमला एकादशी,** पंचक सु.८.१७तक
१२	शुक्र	बारस रा.७.३८	अश्विनी/भरणी सु.६.२९/रा.४.०६	६.०२	७.१४	मेष	**प्रदोष व्रत,** राजयोग सु.६.२९ से रा.७.३८ तक
१३	शनि	तेरस शा.४.०९	कृतिका रा.१.१८	६.०२	७.१४	मेष सु.९.२६	भद्रा शा.४.०९ से रा.२.१७ तक स्थिरयोग रा.१.१८ तक बाद मेअमृतसिद्धयोग
१४	रवि	चौदस दो.१२.२१	रोहिणी रा.१०.१६	६.०२	७.१४	वृष	**पितृअमावस,**
१५	सोम	अमावस/एकम् सु.८.२५/रा.४.३२	मृगशिरा शा.७.१०	६.०२	७.१४	वृष सु.८.४२	**सोमवतीअमावस**

स्व.श्री राधेश्याम जी रुगंटा

-:की पुण्य स्मृति में :-

मधु शिवप्रकाश रुगंटा

११०१,डफोडील टॉवर,पवनबाग रोड,मालाड (पश्चिम) मुबंई-४०००६४

Mobail : 9820042005, 9167429511

श्री जेठ सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १६ जून से २९ जून २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शोभन/वर्षा ऋतु, रविवासरात्मक, रविवासरात्मक सायन सौरादि ४ जि ४
१६ जून	मंगल	दूज रा.१२.५४	आर्द्रा शा.४.१४	६.०३	७.१५	मिथुन	चंद्र दर्शन, शयनारंभयोग शा. ४.१४ तक
१७	बुध	तीज रा.९.४०	पुनर्वसु दो.१.३८	६.०३	७.१५	मिथुन सु.८.१५	रंभाव्रत,महाराणाप्रताप जयंती,मेलाहल्दीघाटी दग्धयोग रा.९.४० तक, रवियोग दो.१.३८ तक
१८	गुरु	चौथ शा.७.००	पुष्य सु.११.३३	६.०३	७.१५	कर्क	भद्रा सु.८.१५ से शा.७.०० तक रविवार-अमृतसिद्धियोग सु.११.३३ तक,शिवरोग सु.११.३३ से शा.७.०० तक,गण्डान्त नक्षत्र सु.११.३३ से
१९	शुक्र	पाँचम् शा.५.०१	अश्लेषा सु.१०.१०	६.०३	७.१६	कर्क सु.१०.१०	गण्डान्त नक्षत्र जारी,मृत्युयोग सु.१०.१० तक, कुमारयोग-रवियोग सु.१०.१० से
२०	शनि	छठ दो.३.४७	मघा सु.९.२६	६.०३	७.१६	सिंह	अरण्यषष्ठी,आरोग्यषष्ठी,मंगल वृष में रा.१२.०९ रवियोग-गण्डान्त नक्षत्र सु.९.२६ तक
२१	रवि	सातम् दो.३.२१	पूर्वाफाल्गुनी सु.९.३२	६.०३	७.१६	सिंह दो.३.४२	भानुसप्तमी,सौर दक्षिणायण-वर्षाऋतु आरम्भ भद्रा दो.३.२१ से रा.३.२६ तक, राजयोग सु.९.३२ तक
२२	सोम	आठम् दो.३.४०	उत्तराफाल्गुनी सु.१०.२३	६.०४	७.२६	कन्या	दुर्गाष्टमी,मेलाक्षीरभवानी, बुध कर्क में दो.३.५६
२३	मंगल	नौमी शा.४.४०	हस्त सु.११.५४	६.०४	७.२६	कन्या रा.१२.५५	श्रीहरिजयंती, रवियोग सु.११.५४ से
२४	बुध	दशमी शा.६.१३	चित्रा दो.१.५९	६.०४	७.१६	तुला	गंगादशहरा समाप्त, रवियोग अहोरात्र
२५	गुरु	ग्यारस रा.८.१०	स्वाती शा.४.३०	६.०४	७.१७	तुला	निर्जलाएकादशी,गायत्रीजयंती,श्यामजागरण, भद्रा सु.७.०९ से रा.८.१० तक, रवियोग शा.४.३० तक
२६	शुक्र	बारस रा.१०.२३	विशाखा शा.७.१६	६.०५	७.१७	तुला दो.१२.५५	श्यामज्योत,राजयोग शा.७.१६ से रा.१०.२३ तक वैधृतिमहापात सु.६.२० से दो.१.४५ तक
२७	शनि	तेरस रा.१२.४४	अनुराधा रा.१०.१२	६.०५	७.१७	वृश्चिक	शनिप्रदोषव्रत,वटसावित्रीव्रतारंभ(पूर्णिमान्त) रवियोग-स्थिरयोग-गण्डान्त नक्षत्र रा.१०.१२ से,
२८	रवि	चौदस रा.३.०७	ज्येष्ठा रा.१.१०	६.०५	७.१७	वृश्चिक रा.१.१०	भद्रा रा.३.०७ से गण्डान्त नक्षत्र जारी,रवियोग रा.१.१० तकबाद से सिद्धियोग
२९	सोम	पूनम रा.५.२७	मूल रा.४.०४	६.०५	७.१७	धनु	पूर्णिमाव्रत,वटपूर्णिमा,कबीरजयंती,बटभावजीवत समाप्त गण्डान्तनक्षत्र रा.४.०४ तक, भद्रा शा.४.१८ तक

Pawan Gupta -:With best Compliments:- Rakesh Gupta

DAKSH KA KHAJANA

We Introduce ourselves as Supplier of food Products. Speslist in : All Rajsthni Items, Papad & Mamgodi, Masala, Murabba, Pickle, Assam Tea,Anil Jain's Sweet, Namkeen, Dry Fruit

D/2/16, DeepShikhar,Near Dalmia Collage Sundar Nagar,S.V.Road,Malad (W)Mum.64
9, Moti Baug, Ranisati Marg, Malad (East) Mumbai - 400 097
Mob. : 9819455108, 09819781033

श्री आषाढ बदी २०८३ शक संवत १९४८ ❋ दिनांक ३०जून से १४ जुलाई २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वर्षाऋतु,रवि दक्षिणायणे,गवय स्टैण्डर्ड व.मि.मे
३० जून	मंगल	एकम् अहोरात्र	पूर्वाषाढा अहोरात्र	६.०६	७.१८	धनु	
१ जुलाई	बुध	एकम् सु.७.३९	पूर्वाषाढा सु.६.५२	६.०६	७.१८	धनु दो.१.३३	गुरु गोबिंद सिंह जयंती
२	गुरु	दूज सु.९.३९	उत्तराषाढा सु.९.२८	६.०६	७.१८	मकर	भद्रा रा.१०.३२ से
३	शुक्र	तीज सु.११.२१	श्रवण सु.११.४७	६.०७	७.१८	मकर रा.१२.४१	चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.९.५२) भद्रा सु.११.२१ तक, पंचक रा.१२.४९ से
४	शनि	चौथ दो.१२.४१	धनिष्ठा दो.१.४४	६.०७	७.१८	कुंभ	शुक्र सिंह मे शा.७.१५ पंचक जारी
५	रवि	पाँचम् दो.१.३१	शतभिषा दो.३.१३	६.०७	७.१८	कुंभ	रवियोग दो.३.१३ से पंचक जारी
६	सोम	छठ दो.१.४८	पूर्वाभाद्रपद शा.४.०८	६.०७	७.१८	कुंभ सु.९.५८	भद्रा दो.१.४८ मेरा.१.४२ तक,कुमारयोग दो.१.४८ तक पंचक जारी,
७	मंगल	सातम् दो.१.२६	उत्तराभाद्रपद शा.४.२५	६.०८	७.१८	मीन	कालाष्टमी,बुध मिथुन मे(वक्री)सु.१०.३७, पंचक जारी राजयोग दो.१.२६ तक, सिद्धियोग-रवियोग शा.४.२५ तक
८	बुध	आठम् दो.१२.२३	रेवती शा.४.०१	६.०८	७.१८	मीन शा.४.०१	बुधाष्टमी,पंचक शा.४.०१ तक मृत्युयोग शा.४.०१ से
९	गुरु	नौमी सु.१०.३९	अश्विनी दो.२.५७	६.०८	७.१८	मेष	भद्रा रा.९.३३ से
१०	शुक्र	दशमा/ग्यारस बु.८.०४.५२	भरणी दो.१.१६	६.०८	७.१८	मेष शा.६.४६	योगीनी एकादशी (स्मार्त), भद्रा सु.८.१७ तक व्यतीपात महापात सु.६.४८ से दो.१२.३५ तक
११	शनि	बारस रा.२.०६	कृतिका सु.११.०५	६.०९	७.१८	वृष	योगिनी एकादशी (वैष्णव) अमृतसिद्धियोग सु.११.०५ से
१२	रवि	तेरस रा.१०.३२	रोहिणी/मृगशिरा सु.८.३०/रा.५.४२	६.०९	७.१८	वृष शा.७.०८	प्रदोष व्रत, भद्रा रा.१०.३२ से
१३	सोम	चौदस शा.६.५९	आर्द्रा रा.२.५३	६.१०	७.१८	मिथुन	भद्रा सु.८.४१ तक,
१४	मंगल	अमावस दो.३.१५	पुनर्वसु रा.१२.११	६.१०	७.१७	मिथुन शा.६.५०	अमावस कुमारयोग दो.३.१५ से रा.१२.११ तक

With Best Compliments:-

ARJAY APPAREL INDUSTRIES LIMITED

(Member of Aarjay Group of Companies)

303/304/305, A-Z Industrial Premises, G.K.Marg, Lower Parel, Mumbai-400013,India.Phone: 91-22 2493 5421 / 6661 5901

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वर्षा ऋतु, रवि दक्षिणायणे, समय स्टॅन्डर्ड व डि.मे
१५ जुलाई	बुध	एकम् सु.११.५२	पुष्य रा.९.४८	६.११	७.१७	कर्क	चंद्रदर्शन, मनोरथ द्वितिया व्रत राजयोग सु.११.५२ से रा.९.४८ तक **तारा लगा है । १६ जुलाई**
१६	गुरु	दूज सु.८.५४	अश्लेषा रा.७.५४	६.११	७.१५	कर्क	जगदीशरथयात्रा, कर्क संक्रांती रा.११४० गुरु पश्चिम मे अस्त, गण्डात नक्षत्र जारी रवियोग रा.७.५४ से,
१७	शुक्र	तीज/चौथ बु६.२५/रा४.४४	मघा शा.६.३६	६.११	७.१५	सिंह	भद्रा शा.५.३१ से रा.४.४४ तक, गण्डात नक्षत्र शा.६.३६ तक, रवियोग शा.६.३६ तक बाद मे सिद्धियोग
१८	शनि	पाँचम् रा.३.४४	पूर्वाफाल्गुनी शा.६.०१	६.१२	७.१५	सिंह	द्वारकाधीशपाटोत्सव, स्कन्दपंचमी, रवियोग शा.६.०१ से रा.१२.०२
१९	रवि	छठ रा.३.३१	उत्तराफाल्गुनी शा.६.१२	६.१२	७.१५	कन्या	कर्दम षष्ठी, कुमार षष्ठी रवियोग शा.६.१२ तक बाद मे अमृतसिद्धयोग
२०	सोम	सातम् रा.४.०४	हस्त शा.७.१०	६.१२	७.१६	कन्या	विवस्त सप्तमी, भद्रा रा.४.०४ से रवियोग सु.११.२९ से शा.७.१० तक
२१	मंगल	आठम् प्रा.५.१८	चित्रा रा.८.४९	६.१३	७.१६	कन्या	दुर्गाष्टमी, परशुरामाष्टमी, भद्रा शा.४.३५ तक सु.७.५७
२२	बुध	नौमी अहोरात्र	स्वाती रा.११.०३	६.१३	७.१६	तुला	रवियोग रा.११.०३ से वैधृतिमहापात शा.४.०९ से रा.९.५१ तक
२३	गुरु	नौमी सु.७.०४	विशाखा रा.१.४३	६.१३	७.१६	तुला	भडली नौमी, श्रीहरि जंयती, रवियोग अहोरात्र शा.७.०३
२४	शुक्र	दशमी सु.९.१४	अनुराधा रा.४.३७	६.१४	७.१५	वृश्चिक	आशादशमी, भद्रा रा.१०.२३से, गण्डातनक्षत्र रा.४.३७ से रवियोग रा.४.३७ तक बाद मे वज्रमुसलयोग
२५	शनि	ग्यारस सु.११.३५	ज्येष्ठा अहोरात्र	६.१४	७.१५	वृश्चिक	देवशयनी एकादशी, श्यामजागरण, चातुर्मास आरम्भ भद्रा सु.११.३५ तक, गण्डात नक्षत्र जारी
२६	रवि	बारस दो.१.५८	ज्येष्ठा सु.७.३६	६.१४	७.१५	वृश्चिक	प्रदोष व्रत, श्यामज्योत, वामन पूजा, गण्डात नक्षत्र जारी सु.७.३६
२७	सोम	तेरस शा.४.१५	मूल सु.१०.२९	६.१५	७.१४	धनु	जयापार्वती व्रतारम्भ, रवियोग सु.१०.२९ से गण्डात नक्षत्र सु.१०.२९ तक
२८	मंगल	चौदस शा.६.२०	पूर्वाषाढा दो.१.११	६.१५	७.१४	धनु	मेलाज्वालामुखी, भद्रा शा.६.२० से रवियोग दो.१.११ तक, वज्रमुसलयोग दो.१.११ से सु.११.५०
२९	बुध	पूनम रा.८.०६	उत्तराषाढा दो.३.३८	६.१५	७.१४	मकर	पूर्णिमाव्रत, गुरुपूर्णिमा, व्यासपूजा, कोकिलाव्रतारंभ भद्रा सु.७.१५ तक, कुमारयोग रा.८.०६ से

With Best Compliments:-

Polo Queen Industrial and Fintech Limited

(Manufacturers of Detergents, Soaps, & Liquid Cleaners)
303/304/305, A-Z Industrial Premises, G.K.Marg, Lower Parel,
Mumbai-400013,India.Phone: 91-22 2493 5421 / 6661 5901

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वर्षा ऋतु.रवि दक्षिणायणे,यमघ स्टैण्डर्ड व.नि.मे
३० जुलाई	गुरु	एकम् रा.९.३१	श्रवण शा.५.४४	६.१६	७.१३	मकर	हिंडोला प्रारम्भ, **तारा शुद्ध। १० अगस्त**
३१	शुक्र	दूज रा.१०.३२	धनिष्ठा रा.७.२७	६.१६	७.१३	मकर सु.६.३९	**अशून्यशयन व्रत**,पंचक सु.६.३९ से राजयोग सु.७.२७ तक
१ अगस्त	शनि	तीज रा.११.०८	शतभिषा रा.८.४६	६.१६	७.१२	कुंभ	**शुक्र कन्या** मे सु.९.२९, **जयापार्वती व्रत** समाप्त, भद्रा सु.१०.५४ से रा.११.०८ तक, पंचक जारी
२	रवि	चौथ रा.११.१६	पूर्वाभाद्रपद रा.९.३८	६.१७	७.१२	कुंभ दो.३.२८	**मंगल मिथुन** मे रा.१०.५३,**चतुर्थीव्रत** (चंद्रोदयरा.९.३७) पंचक जारी,
३	सोम	पाँचम् रा.१०.५५	उत्तराभाद्रपद रा.१०.०१	६.१७	७.१२	मीन	**नागपंचमी** (राज), **सोमव्रत**, पंचक जारी
४	मंगल	छठ रा.१०.०४	रेवती रा.९.५५	६.१७	७.११	मीन रा.९.५५	**मंगलागौरीव्रत**,पंचक रा.९.५५ तक,भद्रा रा.१०.०४ से रवियोग-अमृतसिद्आयोग रा.९.५५ से
५	बुध	सातम् रा.८.४३	अश्विनी रा.९.१९	६.१८	७.११	मेष	**भानु सप्तमी,कालाष्टमी,बुध कर्क** मे रा.७.४३ भद्रा सु.९.२७ तक,रवियोग-मृत्युयोग रा.९.१९ तक
६	गुरु	आठम् शा.६.५४	भरणी रा.८.१४	६.१८	७.१०	मेष रा.१.५४	स्थिरयोग-यमघटयोग रा.८.१४ से
७	शुक्र	नौमी शा.४.३८	कृतिका शा.६.४४	६.१८	७.१०	वृष	भद्रा रा.३.२२ से कुमारयोग-यमघटयोग शा.६.४४ से
८	शनि	दशमी दो.२.००	रोहिणी शा.४.५२	६.१९	७.०९	वृष रा.३.५०	भद्रा दो.२.०० तक, अमृतसिद्ध योग शा.४.५२ तक
९	रवि	ग्यारस सु.११.०६	मृगशिरा दो.२.४४	६.१९	७.०८	मिथुन	**कामिका एकादशी**,दग्धयोग शु.११.०६ से, राजयोग सु.११.०६ से दो.२.४४ तक
१०	सोम	बारस/तेरस शु.८.०२/शा.४५५	आर्द्रा दो.१२.२८	६.१९	७.०८	मिथुन रा.४.४५	**सोमप्रदोष व्रत,सोमव्रत,गुरु पूर्वोदय** भद्रा रा.४.५५ से
११	मंगल	चौदस रा.१.५४	पुनर्वसु सु.१०.१०	६.१९	७.०७	कर्क	**मंगलागौरीव्रत**, भद्रा दो.३.२४ तक
१२	बुध	अमावस रा.११.०८	पुष्य/अश्लेषा सु.८.००/शा.६.०८	६.२०	७.०७	कर्क शा.६.०८	**हरियाली अमावस,सूर्य ग्रहण** (भारत मे नही दिखेगा) कुमारयोग शा.६.०८ से, गण्डात नक्षत्र सु.८.०० से

शुभकामनाओं के साथ :

पवन कुमार रघुवीर प्रसाद गोयनका

२ / ए / १९ प्रेमनगर, एस.वी.पी. रोड, बोरीवली (पश्चिम) मुंबई - ४०० ०९२
३०३, वासावी बिल्डींग न.५ ,गार्डन ग्रोव कॉम्पलेक्स,चीकूवाड़ी, बोरीवली (पश्चिम) मुंबई - ४०० ०९२
कार्यालय : ६१४,कोशा कॅमर्शियल कॉम्पलेक्स, पौद्दार रोड़ मालाड (पूर्व) मुबंई - ४०००९७
Mobile : 9821025648-8369530252-9870422394-8850752209

श्री श्रावण सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १३ अगस्त से २८ अगस्त २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वर्षा/शरदऋतु,रवि दक्षिणायणे,संवत स्टैण्डर्ड म.वि.से
१३ अगस्त	गुरु	एकम् रा.८.४३	मघा रा.४.३९	६.२०	७.०६	सिंह	वत्सव्रत आरम्भ, गण्डान्त नक्षत्र रा.४.३९ तक
१४	शुक्र	दूज शा.६.४८	पूर्वाफाल्गुनी रा.३.४३	६.२०	७.०६	सिंह	सिंधारा,चंद्रदर्शन, राजयोग-सिद्धयोग रा.३.४३ तक बाद में रवियोग
१५	शनि	तीज शा.५.३०	उत्तराफाल्गुनी रा.३.२६	६.२१	७.०५	सिंह रा.९.३७	श्रावणीतीज,मधुश्रवाव्रत,स्वतंत्रतादिवस,पारसी नूतन वर्ष,भद्रा प्रा.५.०६ से, रवियोग रा.३.२६ तक
१६	रवि	चौथ शा.४.५३	हस्त रा.३.५१	६.२१	७.०४	कन्या	भद्रा शा.४.५३ तक, अमृतसिद्धयोग रा.३.५१ तक बाद में रवियोग
१७	सोम	पाँचम् शा.५.०१	चित्रा रा.४.५९	६.२१	७.०४	कन्या शा.४.२१	सिंह संक्रांती सु.७.५९,सोश्रव,नागपंचमी (महाराष्ट्र-गुजरात) रवियोग सु.७.५९से रा.४.५९तक,वज्रमुसलयोग रा.४.५९तक
१८	मंगल	छठ शा.५.५९	स्वाती अहोरात्र	६.२१	७.०३	तुला	कल्की जयंती,मंगलागौरी व्रत, रवियोग अहोरात्र
१९	बुध	सातम् रा.७.२०	स्वाती सु.६.४७	६.२२	७.०२	तुला रा.२.३२	भानु सप्तमी गोस्वामी तुलसीदास जयंती, भद्रा रा.७.२० से, रवियोग सु.६.४७ तक
२०	गुरु	आठम् रा.९.१९	विशाखा सु.९.०९	६.२२	७.०२	वृश्चिक	दुर्गाष्टमी, मेला नैनादेवी, भद्रा सु.८.१७ तक,
२१	शुक्र	नौमी रा.११.३७	अनुराधा सु.११.५३	६.२२	७.०१	वृश्चिक	श्रीहरिजयंती,वरदलक्ष्मी व्रत रवियोग-वज्रमुसलयोग सु.११.५३ से,गण्डान्त नक्षत्र सु.११.५३ से
२२	शनि	दशमी रा.२.०१	ज्येष्ठा दो.२.५१	६.२२	७.००	वृश्चिक दो.२.५१	बुध सिंह में रा.७.३३ रवियोग अहोरात्र, गण्डान्त नक्षत्र जारी
२३	रवि	ग्यारस रा.४.१९	मूल शा.५.४५	६.२२	६.५९	धनु	पुत्रदाएकादशी,श्वाषजागरण,शरद ऋतु आरम्भ, भद्रा दो.३.११ से रा.४.१९, गण्डान्त नक्षत्र शा.५.४५ तक
२४	सोम	बारस प्रा.६.२२	पूर्वाषाढा रा.८.२८	६.२३	६.५९	धनु रा.३.०७	सोमव्रत,श्वामज्योत, तिथिवासर सु.१०.५० तक,मृत्युयोग रा.८.२८ से
२५	मंगल	तेरस अहोरात्र	उत्तराषाढा रा.१०.५२	६.२३	६.५८	मकर	भोमप्रदोष व्रत,मंगलागौरी व्रत, वज्रमुसलयोग रा.१०.५२ तक बाद में रवियोग
२६	बुध	तेरस सु.८.००	श्रवण रा.१२.४८	६.२३	६.५७	मकर	
२७	गुरु	चौदस सु.९.१०	धनिष्ठा रा.२.१६	६.२३	६.५६	मकर दो.१.३६	सूण मौडणा,पूर्णिमा व्रत,हयग्रीव जयंती,वरदमहालक्ष्मी व्रत, श्रावणी कर्म,भद्रा सु.९.१०से रा.९.३३तक,पंचक दो.१.३६ से
२८	शुक्र	पूनम् स.९.४९	शतभिषा रा.३.१४	६.२४	६.५६	कुंभ	रक्षाबंधन,चंद्रग्रहण (भारत में नहीं दिखेगा) पंचक जारी कोकिला व्रत समाप्त,अमरनाथ यात्रा

भाई-बहिनों के स्नेह का प्रतीक राखी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

राखी
डाकलिया
किड राखी
सुपारी

शाकुंतल

जयपोर

विवाह मे उपयोग आने वाली समस्त सामग्री

दुकान नं. ८, यमुना बिल्डिंग, राणी सती मार्ग, मालाड (पूर्व) मुंबई - ४०० ०९७

सम्पर्क : ९३२२२२३४५४, ९३२२२२१७६७

श्री भादवा बदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक २९ अगस्त से ११ सितम्बर २०२६तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शरद ऋतु,रविदक्षिणायणे,गणेश चौथ,ईद ए मिलाद
२९ अगस्त	शनि	एकम् मु.९.५८	पूर्वाभाद्रपद रा.३.४३	६.२४	६.५५	कुंभ रा.९.३८	पंचक जारी
३०	रवि	दूज मु.९.३८	उत्तराभाद्रपद रा.३.४६	६.२४	६.५४	मीन	भद्रा रा.९.२८ से, पंचकजारी, राजयोग रा.३.४६ तक
३१	सोम	तीज मु.८.५२	रेवती रा.३.२५	६.२४	६.५३	मीन रा.३.२५	कज्जलीव्रत,गणेश तीज,चतुर्थीव्रत (पंचांतर रा.८.५४) भद्रा मु.८.५२ तक, पंचक रा.३.२५ तक
१ सितम्बर	मंगल	चौथ/पांचम् मु.७.४३ से ६.१४	अश्विनी रा.२.४३	६.२४	६.५२	मेष	नाग पंचमी, अमृतसिद्धयोग रा.२.४३ तक
२	बुध	छठ रा.४.२७	भरणी रा.१.४४	६.२५	६.५१	मेष	शुक्र तुला में दो.१.४५,हलषष्ठी व्रत,चानाछठ (पंचांतर रा.१०.१८) भद्रा रा.४.२७ से, रवियोग-सिद्धियोग रा.१.४४ से
३	गुरु	सातम् रा.२.२६	कृतिका रा.१२.३०	६.२५	६.५१	मेष मु.७.२७	भद्रा दो.३.२८ तक, समघंटयोग-रवियोग रा.१२.३०तक
४	शुक्र	आठम् रा.१२.१५	रोहिणी रा.११.०५	६.२५	६.५०	वृष	जन्माष्टमी,कालाष्टमी, समघंटयोग रा.११.०५ तक,
५	शनि	नौमी रा.९.५५	मृगशिरा रा.९.३२	६.२५	६.४९	वृष मु.१०.१९	दहीहांडी,गोगा नवमी,श्रीहरि जयंती, दग्धयोग रा.९.१५ तक,स्थिरयोग रा.९.३२ से ९.५५ तक,
६	रवि	दशमी रा.७.३०	आर्द्रा रा.७.५४	६.२५	६.४८	मिथुन	भद्रा मु.८.४३ से रा.७.३० तक
७	सोम	ग्यारस शा.५.०५	पुनर्वसु शा.६.१५	६.२५	६.४७	मिथुन दो.१२.४०	अजा एकादशी व्रत,बुध कन्या में दो.१.३५
८	मंगल	बारस दो.२.४४	पुष्य शा.४.४०	६.२६	६.४६	कर्क	बछबारस,भोमप्रदोष व्रत,जैनपर्युषण आरम्भ ४ राजयोग दो.२.४४ तक,गण्डान्त नक्षत्र शा.४.४० से
९	बुध	तेरस दो.१२.३२	अश्लेषा दो.३.१६	६.२६	६.४६	कर्क दो.३.१६	जैन पर्युषण आरम्भ (पंचमी पक्ष) गण्डान्त नक्षत्र जारी,भद्रा रा.१२.३२ से रा.११.३१ तक
१०	गुरु	चौदस मु.१०.३४	मघा दो.२.०५	६.२६	६.४५	सिंह	पितृ अमावस, गण्डान्त नक्षत्र दो.२.०५ तक
११	शुक्र	अमावस मु.८.५७	पूर्वाफाल्गुनी दो.१.१७	६.२६	६.४४	सिंह रा.७.०९	भादी अमावस्या,लोहार्गल स्नान, कुशग्रहणी अमावस,सिद्धियोग दो.१.१७ तक

शुभकामनाओ के साथ :-

श्री राजेश गोरासरिया

श्री विष्णु फैबिकस

अकीरा फैशन

(शर्टिंग एवं साडियो के निर्माता -विक्रेता)

215/217, कालबादेवी रोड, रुम नं.104, 1 माला, मुंबई - 400002

सम्पर्क : 9324051659, 9869063831

email:- svfrajesh@gmail.com

श्री भाद्रवाँ सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक १२ सितम्बर से २६ सितम्बर २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शरद ऋतु,रवि दक्षिणायणे,वरुण स्टैण्डर्ड ७ बि.मे
१२ सितम्बर	शनि	एकम् सु.७.४७	उत्तराफाल्गुनी दो.१२.५६	६.२६	६.४३	कन्या	चंद्र दर्शन,वयश्टयोग -मृत्युयोग दो.१२.५६से, वैधृति महापात सु.१०.०० से दो.१.५७ तक
१३	रवि	दूज सु.७.०९	हस्त दो.१.०८	६.२७	६.४२	कन्या रा.१.२९	वराहजयंती,रवियोग दो.१.०८ से रा.९.४८ तक अमृतसिद्धयोग दो.१.०८ तक बाद मे राजयोग
१४	सोम	तीज सु.७.०८	चित्रा दो.१.५६	६.२७	६.४१	तुला	हरितालिकातीज,गणेशचतुर्थी,पद्म दर्शन लिंग पूजन रा.८.४०भद्रा रा.७.२१ से,वज्रमुसलयोग दो.१.५६ तक
१५	मंगल	चौथ सु.७.४५	स्वाती दो.३.२१	६.२७	६.४०	तुला	ऋषिपंचमी,भाद्रपाँचम्,केदारनाथ पुण्य तिथी भद्रा सु.७.४५ तक,रवियोग दो.३.२२ तक बाद मे कुमारयोग
१६	बुध	पाँचम् सु.९.००	विशाखा शा.५.२३	६.२७	६.३९	तुला सु.१०.५१	चंपा षष्ठी, कुमारयोग शा.५.२३ तक बाद मे अमृतसिद्धयोग-रवियोग
१७	गुरु	छठ सु.१०.४८	अनुराधा रा.७.५४	६.२७	६.३९	वृश्चिक	कन्या संक्रांती सु.७.५४,सूर्य षष्ठी,गौरीआवाहन,गण्डान्त नक्षत्र रा.७.५४ से,दग्धयोग सु.१०.४८ तक,रवियोग रा.७.५४ तक
१८	शुक्र	सातम् दो.१.०१	ज्येष्ठा रा.१०.४६	६.२७	६.३८	वृश्चिक रा.१०.४६	दूबडीसातम्,महालक्ष्मीव्रतारंभ,मंगल कर्क मे रा.४.३६, गौरीपूजन,गण्डान्त नक्षत्र जारी,भद्रा दो.१.०१से रा.२.१४ तक
१९	शनि	आठम् दो.३.२७	मूल रा.१.४३	६.२८	६.३७	धनु	दुर्गाष्टमी,दधिचीजयंती,राधाष्टमी,गौरीविसर्जन,गण्डान्त नक्षत्र रा.१.४३तक,दग्धयोग दो.३.२७ से,रवियोग रा.१.४३से
२०	रवि	नौमी शा.५.५२	पूर्वाषाढ़ा रा.४.३५	६.२८	६.३६	धनु	श्रीहरिजयंती,अदु:ख नवमी, रवियोग अहोरात्र
२१	सोम	दशमी रा.८.०१	उत्तराषाढा अहोरात्र	६.२८	६.३५	धनु सु.११.१६	रामदेवजी मेला, रवियोग-मृत्युयोग अहोरात्र,दग्धयोग रा.८.०१ से
२२	मगल	ग्यारस रा.९.४४	उत्तराषाढ़ा सु.७.०७	६.२८	६.३४	मकर	जलझुलनीएकादशी,श्यामजागरण,कुमारयोग सु.७.०७ से रा.९.४४तक,भद्रा सु.८.५७ से रा.९.४४ तक,
२३	बुध	बारस रा.१०.५१	श्रवण सु.९.०९	६.२८	६.३३	मकर रा.९.५७	वामन जयंती, श्यामज्योत,पंचक रा.९.५७ से राजयोगसु.९.०९ से रा.१०.५१तक,वज्रमुसलयोग सु.९.०९से
२४	गुरु	तेरस रा.११.१९	धनिष्ठा सु.१०.३५	६.२९	६.३२	कुँभ	प्रदोषव्रत,विश्वकर्मा पूजन,पंचक जारी स्थिरयोग-रवियोग सु.१०.३५ से,
२५	शुक्र	चौदस रा.११.०८	शतभिषा सु.११.२३	६.२९	६.३१	कुँभ रा.५.३४	अंनतचतुदर्शी, गणेशविसर्जन,पंचक जारी, भद्रा रा.११.०८से, रवियोग सु.११.२३ तक
२६	शनि	पूनम् रा.१०.१९	पूर्वाभाद्रपद सु.११.३३	६.२९	६.३१	मीन	पूर्णिमाव्रत,पूर्णिमा श्राद्ध,बुध तुला मे दो.१२.४१ भद्रा सु.१०.४८ तक, पंचक जारी

O.P. Sultania

With Best Compliments:-

Sultania Trade Private Limited

38, Sonawala Estate, Sonawala Road,
Goregaon (East), Mumbai-400063
:+91-7715830568 / 7715830424
info@sultaniatrade.com

श्री आसोज बदी २०८३ शक संवत १९४८ ❀ दिनांक २७ सितम्बर से १० अक्टूबर २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शारद ऋतु, रविदक्षिणायणी, समय छ्रैण्डर्ड प.टि.मे.
२७ सितम्बर	रवि	एकम् रा.९.००	उत्तराभाद्रपद मु.११.०९	६.२९	६.३०	मीन	एकम् का श्राद्ध, पंचक जारी.
२८	सोम	दूज रा.७.१५	रेवती मु.१०.१७	६.२९	६.२९	मीन मु.१०.१७	दूज का श्राद्ध, पंचक मु.१०.१७ तक. भद्रा प्रा.६.१५ से.
२९	मंगल	तीज शा.५.११	अश्विनी मु.९.०४	६.२९	६.२८	मेष	चतुर्थीव्रत (संकष्ट रा.८.१३) तीज का श्राद्ध, भद्रा रा.५.११ से अमृतसिद्धयोग मु.९.०४तक,राजयोग मु.९.०४ से रा.५.११ तक
३०	बुध	चौथ दो.२.५७	भरणी/कृत्तिका मु०७०७/८०१	६.३०	६.२७	मेष दो.१.१५	चौथ का श्राद्ध. सिद्धियोग मु.७.३७ से रा.६.०३ तक बाद में कुमारयोग
१ अक्टूबर	गुरु	पांचम् दो.१२.३६	रोहिणी रा.४.२८	६.३०	६.२६	वृष	पंचमी का श्राद्ध दो.१२.३९ तक बाद में छठ का श्राद्ध दग्धयोग दो.१२.३६ से,रविवार-मृत्युयोग रा.४.२८ से
२	शुक्र	छठ मु.१०.१६	मृगशिरा रा.२.५६	६.३०	६.२५	वृष दो.३.४२	छठ का श्राद्ध मु.१०.१६ तक बाद में सप्तमी का श्राद्ध भद्रा मु.१०.१६ से रा.९.०८ तक, रवियोग रा.२.५६ तक
३	शनि	सातम्/आठम् मु८.००/८५२	आर्द्रा रा.१.३०	६.३०	६.२५	मिथुन	कालाष्टमी,महालक्ष्मी व्रत समाप्त,अष्टमी का श्राद्ध स्थिरयोग मु.८.०० से रा.१.३० तक,दग्धयोग रा.५.५२ से
४	रवि	नौमी रा.३.५५	पुनर्वसु रा.१२.१४	६.३०	६.२४	मिथुन रा.६.३३	नौमी का श्राद्ध
५	सोम	दशमी रा.२.०८	पुष्य रा.११.१०	६.३१	६.२३	कर्क	दशमी का श्राद्ध,भद्रा दो.३.००से रा.२.०८तक बाद में दग्धयोग गण्डात नक्षत्र रा.११.१०से,ज्वालामुखीयोग रा.११.१०से रा.२.०८तक
६	मंगल	ग्यारस रा.१२.३५	अश्लेषा रा.१०.१९	६.३१	६.२२	कर्क रा.१०.१९	इंदिरा एकादशी,ग्यारस का श्राद्ध. गण्डात नक्षत्र जारी, कुमारयोग रा.१०.१९ से रा.१२.३५ तक
७	बुध	बारस रा.११.१७	मघा रा.९.४१	६.३१	६.२१	सिंह	बारस का श्राद्ध, गण्डात नक्षत्र रा.९.४१ तक. राजयोग रा.९.४१से रा.११.१७तक,वैधृतिमहापात रा.४.१०से
८	गुरु	तेरस रा.१०.१७	पूर्वाफाल्गुनी रा.९.२१	६.३१	६.२०	सिंह रा.३.२०	प्रदोष व्रत, तेरस का श्राद्ध, भद्रा रा.१०.१७ से. वज्रमुसल-स्थिरयोग रा.९.२१ से, वैधृतिमहापात मु.८.००तक
९	शुक्र	चौदस रा.९.३७	उत्तराफाल्गुनी रा.९.२०	६.३१	६.२०	कन्या	चौदस का श्राद्ध, भद्रा मु.९.५४ तक.
१०	शनि	अमावस रा.९.२०	हस्त रा.९.४३	६.३२	६.१९	कन्या	अमावस,सर्वपितृ श्राद्ध. यमघंटयोग-मृत्युयोग रा.९.४३ तक

Sushil Agarwal

RAINBOW POLYTECH PVT. LTD.
G.S.FASHION
Mfg. Of Exclusive Shirtings
157/1, Cavel Cross Lane No.5, Ground Floor, Dr.Viegas Street,
Opp. Swadeshi Market, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002
Mob. 9324582331. 9326347313

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शारद/हेमंत ऋतु,रविदक्षिणायणे,शनव स्टैण्डर्ड व दि.म.
११ अक्टूबर	रवि	एकम् रा.९.३२	चित्रा रा.१०.३३	६.३२	६.१८	कन्या मुं.१०.०६	**शारदिय नवरात्र,घटस्थापन,अन्नपेनजयंती** मातामह श्राद्ध,राजयोग रा.९.३२ से रा.१०.३३ तक
१२	सोम	दूज रा.१०.१४	स्वाती रा.११.५३	६.३३	६.१७	तुला	चंद्र दर्शन, यमघटयोग रा.११.५३ से रवियोग रा.१.४३ से
१३	मंगल	तीज रा.११.२८	विशाखा रा.१.४३	६.३३	६.१६	तुला रा.७.१४	तारा लगा है । १५ अक्टूबर
१४	बुध	चौथ रा.१.१४	अनुराधा रा.४.०४	६.३३	६.१६	वृश्चिक	भद्रा दो.१२.१७ से रा.१.१४ तक,गण्डान्त नक्षत्र रा.४.०४ से, अमृतसिद्धियोग-रवियोग रा.४.०४ तक
१५	गुरु	पाँचम् रा.३.२६	ज्येष्ठा अहोरात्र	६.३३	६.१५	वृश्चिक	**ललिता पंचमी,शुक्र पश्चिमास्त,**गण्डान्त नक्षत्र जारी, दग्धयोग रा.३.२६ से
१६	शुक्र	छठ प्रा.५.५५	ज्येष्ठा सु.६.४९	६.३४	६.१४	वृश्चिक सु.६.४९	**सरस्वतीआवाहन,**गण्डान्त नक्षत्र जारी,कुमारयोग सु.६.४९ से प्रा.५.५५ तक,रवियोग सु.६.४९ से
१७	शनि	सातम् अहोरात्र	मूल सु.९.४७	६.३४	६.१३	धनु	**तुला संक्रांती** रा.७.५२,**सरस्वतीपूजन,** गण्डान्त नक्षत्र सु.९.४७ तक,रवियोग सु.९.४७ तक
१८	रवि	सातम् सु.८.२९	पूर्वाषाढा दो.१२.४९	६.३४	६.१३	धनु रा.७.३४	**सरस्वती बलिदान,महालक्ष्मीपूजन,** भद्रा सु.८.२९ से रा.९.४२ तक,राजयोग सु.८.२९ तक
१९	सोम	आठम् सु.१०.५२	उत्तराषाढा दो.३.३९	६.३५	६.१२	मकर	**आठम् की कड़ाही,दुर्गाष्टमी,सरस्वतीविसर्जन** मृत्युयोग दो.३.३९ तक बाद मे सिद्धियोग-रवियोग
२०	मंगल	नौमी दो.१२.५१	श्रवण शा.६.०२	६.३५	६.११	मकर	**नवरात्रसमापन,श्रीहरि जयंती,महानवमी,बुद्धजयंती दशहरा,विजया दशमी,**शस्त्रपूजन,रवियोग अहोरात्र
२१	बुध	दशमी दो.२.१२	धनिष्ठा रा.७.४८	६.३५	६.११	मकर सु.७.०१	भद्रा रा.२.३६ से,पंचक सु.७.०१ से,, वज्रमुसलयोग- राजयोग रा.७.४८ तक
२२	गुरु	ग्यारस दो.२.४८	शतभिषा रा.८.४९	६.३६	६.१०	कुंभ	**पापांकुशा एकादशी,श्यामजागरण,** भद्रा दो.२.४८ तक,पंचक जारी,
२३	शुक्र	बारस दो.२.३६	पूर्वाभाद्रपद रा.९.०३	६.३६	६.०९	कुंभ दो.३.०४	**प्रदोष व्रत,श्यामज्योत,हेमंत ऋतु आरम्भ** पंचक जारी,रवियोग रा.९.०३ से
२४	शनि	तेरस दो.१.३८	उत्तराभाद्रपद रा.८.३३	६.३६	६.०९	मीन	रवियोग-स्थिरयोग-वज्रमुसलयोग रा.८.३३ से पंचक जारी
२५	रवि	चौदस सु.११.५७	रेवती रा.७.२३	६.३७	६.०८	मीन रा.७.२३	**पूर्णिमा व्रत,शरदपूर्णिमा**, पंचक रा.७.२३ तक भद्रा सु.११.५७से रा.१०.५४ तक,रवियोग रा.७.२३ तक
२६	सोम	पूनम् सु.९.४२	अश्विनी शा.५.४२	६.३७	६.०८	मेष	**बाल्मीकिजयंती,कार्तिकस्नान प्रारम्भ,** कुमारयोग सु.९.४२ से शा.५.४२ तक

।। जय श्री श्याम ।।

दिशा मेट्रीमोनी

श्याम गोयनका
मो.9320595094

दीपा गोयनका
मो.7021756296

वैवाहिक जीवन को सार्थक बनाने के लिए यहाँ आपको अपने जीवन साथी की तलाश मे मदद मिलेगी, जो आपके सपनों और मूल्यों को साझा करता हो ।हमारे साथ जुडे और अपने जीवन को नई दिशा मे ले जाएँ ।

आपके लिए सही जीवन साथी ढूँढना और आपके जीवन को सुखी और समृद्ध बनाना ही हमारा उद्देश्य है ।

बी-४४, विनायक हाईट्स, अप्पर गोविंद नगर मालाड (पूर्व) मुंबई ४०० ०६७

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	ब्रेयंत ऋतु रवि दक्षिणायणे,शरण स्टैण्डर्ड ४ बि ४
२७ अक्टूबर	मंगल	एकम्/दूज इ७.०२/रा.४.४८	भरणी दो.३.४०	६.३७	६.०७	मेष रा.९.०८	शुक्र पूर्वोदय तारा शुद्ध। २७ अक्टूबर राजयोग सु.७.०२ से दो.३.४० तक
२८	बुध	तीज रा.१.०८	कृत्तिका दो.१.२७	६.३८	६.०६	वृष	भद्रा दो.२.३८ से रा.१.०८ तक, सिद्धियोग दो.१.२७ तक, दग्धयोग रा.१.०८ तक
२९	गुरु	चौथ रा.१०.११	रोहिणी सु.११.१२	६.३८	६.०६	वृष रा.१०.०८	करवाँ चौथ व्रत (चंद्रोदय रा.८.५३) मृत्युयोग सु.११.१२ से
३०	शुक्र	पाँचम् रा.७.२६	मृगशिरा सु.९.०५	६.३९	६.०५	मिथुन	
३१	शनि	छठ शा.४.५८	आर्द्रा/पुनर्वसु सु.७.१२/शा.५.४०	६.३९	६.०५	मिथुन रा.१२.००	गुरु सिंह मे दो.१२.०२,भद्रा शा.४.५८ से रा.३.१२ तक रवियोग सु.७.१२ से शा.५.४० तक
१ नवम्बर	रवि	सातम् दो.२.५२	पुष्य रा.४.३१	६.४०	६.०४	कर्क	अहोई आठम,कालाष्टमी,पंजाब-हरियाणा दिवस गण्डात नक्षत्र रा.४.३१ से, राजयोग दो.२.५२ तक,
२	सोम	आठम् दो.१.११	अश्लेषा रा.३.४८	६.४०	६.०४	कर्क रा.३.४८	वैधृति महापात रा.८.१८ से रा.१२.४० तक गण्डातनक्षत्र जारी,
३	मंगल	नौमी सु.११.५५	मघा रा.३.२७	६.४०	६.०३	सिंह	भद्रा रा.११.२७ से,गण्डातनक्षत्र रा.३.२७ तक, कुमारयोग सु.११.५५ से रा.३.२७ तक
४	बुध	दशमी सु.११.०४	पूर्वाफाल्गुनी रा.३.३१	६.४१	६.०३	सिंह	भद्रा सु.११.०४ तक,
५	गुरु	ग्यारस सु.१०.३६	उत्तराफाल्गुनी रा.३.५७	६.४१	६.०२	सिंह सु.९.३६	शुक्र कन्या मे दो.३.१७(वक्री),रमा एकादशी, गौवत्स द्वादशी,वज्रमुसलयोग रा.३.५७ तक
६	शुक्र	बारस सु.१०.३१	हस्त रा.४.४४	६.४२	६.०२	कन्या	प्रदोष व्रत, धनतेरस, धन्वंतरी जयंती,
७	शनि	तेरस सु.१०.४९	चित्रा शा.५.५३	६.४२	६.०१	कन्या शा.५.१७	छोटी दिवाली, भद्रा सु.१०.४९ से रा.११.०६ तक, सिद्धियोग -स्थिरयोग शा.५.५३ तक
८	रवि	चौदस सु.११.२९	स्वाती अहोरात्र	६.४३	६.०१	तुला	रुपचौदस,दिपावली,लक्ष्मी-कुबेर पूजन, महावीरनिर्वाणदिवस,
९	सोम	अमावस दो.१२.३२	स्वाती सु.७.२५	६.४३	६.०१	तुला रा.२.५०	सोमवतीअमावस,गोवर्धन पूजा,अन्नकूट,बलिपूजा यमघंटयोग सु.७.२५ से, कुमारयोग दो.१२.३२ से

With Best Compliment :- C.M.Maloo

Maloo Spares Syndicate

Dealers In : Spares For Heavy Earthmoving Equipments, Caterpillar, Komatsu, JCB, Tata-Hitachi, L&T Poclain, Russion & Cummins

Shop No.6, Sonawala Building No.8, Sleater Road, Grant Road (West) Mumbai -07
Shop No.1, Roshan House Plot No.18, Sec.No.30,Opp.Sanpada Railway Station, Navi Mumbai: 400705,Mob. 9820145922, 9619933898

श्री कार्तिक सुदी २०८३ शक संवत १९४८ ❋ दिनांक १० नवम्बर से २४ नवम्बर २०२६ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	हेमंतऋतु,रवि दक्षिणायणे, वसंत सौरवर्ष भ.नि.मे
१० नवम्बर	मंगल	एकम् दो.२.०१	विशाखा सु.९.२०	६.४४	६.००	वृश्चिक	चंद्रदर्शन, कुमारयोग सु.९.१० तक, राजयोग दो.२.०१ से
११	बुध	दूज दो.३.५४	अनुराधा सु.११.३९	६.४४	६.००	वृश्चिक	भईया दूज,यमद्वितिया,अमृतसिद्ध योग-राजयोग सु. ११.३९तक,गण्डान नक्षत्र सु.११.३९से,राजयोग दो.३.५४ से,
१२	गुरु	तीज शा.६.१०	ज्येष्ठा दो.२.२१	६.४५	६.००	वृश्चिक	मंगल सिंह मे रा.८.३१ दो.२.२१ रवियोग दो.२.२१ से,गण्डान्तनक्षत्र जारी,
१३	शुक्र	चौथ रा.८.४३	मूल शा.५.१७	६.४५	५.५९	धनु	भद्रा सु.७.२५ से रा.८.४३ तक, गण्डान्त नक्षत्र शा.५.१७ तक,रवियोग शा.५.१७ तक
१४	शनि	पाँचम् रा.११.२४	पूर्वाषाढ़ा रा.८.२४	६.४६	५.५९	धनु रा.३.१३	पांडव पंचमी, लाभ पाँचम, रवियोग रा.८.२४ से
१५	रवि	छठ रा.२.०२	उत्तराषाढ़ा रा.११.२९	६.४७	५.५९	मकर	सूर्यषष्ठी,छठपूजा(बिहार) रवियोग रा.११.२९ तक
१६	सोम	सातम् रा.४.२०	श्रवण रा.२.१७	६.४७	५.५९	मकर	वृश्चिक संक्रांती रा.७.४४,भानु सप्तमी, भद्रा रा.४.२० से,सिद्धियोग रा.२.१७तक,
१७	मंगल	आठम् प्रा.६.०६	धनिष्ठा रा.४.३५	६.४८	५.५९	मकर दो.३.३६	दुर्गाष्टमी,गोपाष्टमी,भद्रा ५.१७ तक,पंचक दो.३.३६ से,मृत्युयोग-रवियोग रा.४.३५ से
१८	बुध	नौमी अहोरात्र	शतभिषा प्रा.६.११	६.४८	५.५८	कुंभ	अक्षयनौमी,कुष्माड नवमी,आँवलानौमी, पंचकजारी,रवियोग अहोरात्र
१९	गुरु	नौमी सु.७.०७	पूर्वाभाद्रपद अहोरात्र	६.४९	५.५८	कुंभ रा.१२.५०	श्रीहरिजयंती, पंचकजारी,रवियोग अहोरात्र
२०	शुक्र	दशमी/एकादश सु०१०/प्र६.३१	पूर्वाभाद्रपद सु.६.५७	६.४९	५.५८	मीन	देवउठनीएकादशी(स्मार्त),श्यामजागरण,भीष्मपंचकारम्भ, पंचकजारी,रवियोगअहोरात्र भद्रा शा.७.०९से प्रा.६.३२ तक
२१	शनि	बारस रा.४.५७	उ भाद्र./रेवती सु.६.५१/प्रा.५.५६	६.५०	५.५८	मीन प्रा.५.५६	देवउठनीएकादशी (वैष्णव) श्यामज्योत, तुलसीविवाह चातुर्मास समाप्त,पंचक प्रा.५.५६ तक,
२२	रवि	तेरस रा.२.३८	अश्विनी रा.४.१६	६.५१	५.५८	मेष	प्रदोष व्रत,शुक्र तुला मे शा.५.०२, वज्रमुसलयोग-रवियोग रा.४.१६ से,
२३	सोम	चौदस रा.११.४४	भरणी रा.२.०३	६.५१	५.५८	मेष	वैकुंठचतुर्दशी,भद्रा रा.११.४४ से, रवियोग रा.२.०३ तक
२४	मंगल	पूनम् रा.८.२५	कृतिका रा.११.२६	६.५२	५.५८	मेष सु.७.२६	पूर्णिमाव्रत,देवदिवाली,नानकजयंती,पुष्कर मेला भद्रा सु.१०.०६ तक,कार्तिक स्नान समाप्त,भीष्मपंचक समाप्त

With Best Compliments :-

Rajendra-Dharmesh Rathi

Paradigm Quartz TN

Manufacturer of Quartz& Composite Marbles

Krafton Paper India Pvt.Ltd. TN

Manufacturer of Recycled Kraft paper

Mobil : 93222 44308, 98203 03121

Mumbai-83

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	हेमंतऋतु,रवि दक्षिणायणे,सपक्ष स्टैण्डर्ड ७ मि.से
२५ नवम्बर	बुध	एकम् शा.४.५२	रोहिणी रा.८.३८	६.५३	५.५८	वृष	**राहु मकर से केतु कर्क मे रा.६.३८** कुमारयोग शा.४.५२ तक, राजयोग रा.८.३८ से
२६	गुरु	दूज दो.१.१७	मृगशिरा शा.५.४९	६.५३	५.५८	वृष सु.७.१२	भद्रा रा.११.३३ से, मृत्युयोग शा.५.४९ तक
२७	शुक्र	तीज/चौथ सु.५४ ६.४४	आर्द्रा दो.३.१०	६.५४	५.५८	मिथुन	**चतुर्थी व्रत** (चंद्रोदय रा.८.५१), भद्रा सु.९.५० तक, कुमारयोग शा.६.४० से
२८	शनि	पाँचम् रा.३.५८	पुनर्वसु दो.१२.५१	६.५४	५.५८	मिथुन सु.७.२४	वैधृतिमहापात रा.६.१४ से रा.११.४९ तक
२९	रवि	छठ रा.१.४७	पुष्य सु.११.००	६.५५	५.५८	कर्क	**पितृपुण्य तिथी**,भद्रा रा.१.४७ से, रवियोग सु.११.०० से, गण्डात नक्षत्र सु.११.०० से
३०	सोम	सातम् रा.१२.१२	अश्लेषा सु.९.४५	६.५६	५.५८	कर्क सु.९.४५	भद्रा दो.१२.५५ तक, गण्डात नक्षत्र जारी,रवियोग सु.९.४५ तक
१ दिसम्बर	मंगल	आठम् रा.११.१४	मघा सु.९.०१	६.५६	५.५८	सिंह	**कालभैरवजयंती,कालाष्टमी,** गण्डात नक्षत्र सु.९.०१ तक.
२	बुध	नौमी रा.१०.५३	पूर्वाफाल्गुनी सु.८.५६	६.५७	५.५८	सिंह दो.३.०१	**बुध वृश्चिक** मे शा.५.२७ **गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस**
३	गुरु	दशमी रा.११.०४	उत्तराफाल्गुनी सु.९.२४	६.५७	५.५८	कन्या	भद्रा सु.१०.५४ से रा.११.०४ तक वज्रमुसलयोग सु.९.२४ तक
४	शुक्र	ग्यारस रा.११.४५	हस्त सु.१०.२३	६.५८	५.५८	कन्या रा.११.०५	**उत्पती एकादशी, वैतरणी व्रत** कुमारयोग सु.१०.२३ तक,राजयोग रा.११.४५ से
५	शनि	बारस रा.१२.५३	चित्रा सु.११.४९	६.५९	५.५९	तुला	**तिथि वासर सु.७.०२तक,** स्थिरयोग रा.१२.५३ से,सिद्धियोग सु.११.४९ से
६	रवि	तेरस रा.२.२३	स्वाती दो.१.३९	६.५९	५.५९	तुला	**प्रदोष व्रत** भद्रा रा.२.२३ से
७	सोम	चौदस रा.४.१३	विशाखा दो.३.४८	७.००	५.५९	तुला सु.९.१६	भद्रा दो.३.१६ तक यमघटयोग दो.३.४८ तक
८	मंगल	अमावस शा.६.२२	अनुराधा रा.६.१७	७.००	५.५९	वृश्चिक	अमावस गण्डात नक्षत्र रा.६.१७ से

With Best Compliments From

MAA SAAKAMBHARI ENTERPRISES

BREWING NOTES COFFEE

AYUSH UMASHANKAR MISHRA
+91-9619900910
AISHWARYA UMASHANKAR MISHRA
+91-9322223984

Thanks & Regards
UMASHANKAR MISHRA
OFFICE : F39, A-Wing, Express Zone, W.E. Highway, Malad East, Mumbai - 400097.
MFG. UNIT : 104 / 104A, Syndicate Industrial Complex, Golani Naka, Waliv, Vasai East, Dist. Palghar - 401208
+91-98209 23984 ▪ +91-93222 23984 https//www.brewingnotes.in

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	ईस्ट/पश्चिम/ऋतु, रविदक्षिण/उत्तरायणी, राशि स्टैण्डर्ड म.प्र.से
९ दिसम्बर	बुध	एकम् अहोरात्र	ज्येष्ठा रा.९.०२	७.०१	५.५९	वृश्चिक	गण्डान्त नक्षत्र जारी
१०	गुरु	एकम् सु.८.४७	मूल रा.११.५८	७.०२	६.००	धनु	रा.९.०२ ज्वालामुखी-पपर्पट-कुमारयोग रा.९.०२ से चंद्र दर्शन, ज्वालामुखीयोग सु.८.४७ तक
११	शुक्र	दूज सु.११.२३	पूर्वाषाढा रा.३.०५	७.०२	६.००	धनु	गण्डान्त नक्षत्र रा.११.५८ तक, राजयोग रा.३.०५ तक रवियोग रा.३.०५ से मलमास आरम्भ। १६ दिसम्बर
१२	शनि	तीज दो.२.०७	उत्तराषाढा प्रा.६.१३	७.०३	६.००	धनु	भद्रा रा.३.२८ से,स्थिरयोग दो.२.०७ से प्रा.६.१३ तक
१३	रवि	चौथ शा.४.४८	श्रवण अहोरात्र	७.०३	६.०१	मकर	सु.९.५३ रवियोग प्रा.६.१३तक, भद्रा शा.४.४८ तक
१४	सोम	पाँचम् रा.७.१६	श्रवण सु.९.१३	७.०४	६.०१	मकर	पंचक रा.१०३६ से,रवियोग सु.९.१३ से रा.१०.३६ कुमारयोग-सिद्धियोग सु.९.१३ तक
१५	मंगल	छठ रा.९.२०	घनिष्ठा सु.११.५३	७.०४	६.०१	कुँभ	चंपाषष्ठी,अन्नपूर्णाव्रत आरम्भ,पंचक जारी रवियोग सु.११.५३ तक बाद मे मृत्युयोग
१६	बुध	सातम् रा.१०.४६	शतभिषा दो.२.०३	७.०५	६.०२	कुँभ	धनु संक्रांती सु.१०.२५,मित्रसप्तमी,भद्रा रा.१०.४६ से मलमास आरम्भ,पंचक जारी,रवियोग सु.१०.२५ से दो.२.०३ तक
१७	गुरु	आठम् रा.११.२६	पूर्वाभाद्रपद दो.३.३१	७.०६	६.०२	कुँभ	दुर्गाष्टमी, भद्रा सु.११.१३ तक, सु.९.१३ पंचक जारी
१८	शुक्र	नौमी रा.११.१५	उत्तराभाद्रपद शा.४.१०	७.०६	६.०३	मीन	श्रीहरि जयंती, पंचक जारी अमृतसिद्धयोग-रवियोग शा.४.१० से
१९	शनि	दशमी रा.१०.१०	रेवती दो.३.५९	७.०७	६.०३	मीन	पंचक दो.३.५९ तक, दो.३.५९ रवियोग अहोरात्र,वज्रमुसलयोग दो.३.५९ तक
२०	रवि	ग्यारस रा.८.१६	अश्विनी दो.२.५६	७.०७	६.०४	मेष	मोक्षदाएकादशी, गीताजयंती, श्यामजागरण, भद्रा सु.९.१९ से रा.८.१६ तक,रवियोग दो.२.५६ तक
२१	सोम	बारस शा.५.३८	भरणी दो.१.१०	७.०८	६.०४	मेष	सोमप्रदोष व्रत,श्यामज्योत,अखण्ड द्वादशी रा.६.३७ शिशिर ऋतु आरम्भ
२२	मंगल	तेरस दो.२.२५	कृतिका सु.१०.४७	७.०८	६.०५	वृष	बुध धनु में सु.७.४०,अनंग त्रयोदशी, रवियोग सु.१०.४७ से
२३	बुध	चौदस/पूनम् प्रा.४९/अ.६५	रोहिणी/मृगशिरा सु.५७/रा.४.५४	७.०९	६.०५	वृष	पूर्णिमाव्रत,दत्तात्रयजयंता,भद्रा सु.१०.४९ से रा.६.२७ रा.८.५५ तक,रावयोग सु.१०.४९से रा.४.५४तक,

With Best Compliments:-

Pradeep Agarwal

Luharuka Travels

Travelling & Advertising

77, Malad Shopping Center, S.V. Road, Malad [West] Mumbai - 400 064
Phone : 28819164, Mob.: 9930757637 - 9820520620
www.luharukatravels.com, email:info@luharukatravels.com

Mumbai-83

www.dinman.com

श्री पौष बदी २०८३ शक संवत १९४८ * दिनांक २४ दिसम्बर से ७ जनवरी २०२७ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शिशिरऋतु,रवि उत्तरायणे,सायनसौरदेह ध.प्रि में
२४ दिसम्बर	गुरु	एकम् रा.३.०८	आर्द्रा रा.१.४८	७.०९	६.०६	मिथुन	सिद्धियोग रा.१.४८ से **मल मास चालू है**
२५	शुक्र	दूज रा.११.२८	पुनर्वसु रा.१०.५१	७.१०	६.०६	मिथुन शा.५.३४	क्रिसमस डे राजयोग रा.१०.५१ से
२६	शनि	तीज रा.८.०७	पुष्य रा.८.१४	७.१०	६.०७	कर्क	**चतुर्थीव्रत**(गडोदय रा.८.४५),**सौभाग्यसुंदरी व्रत**,भद्रा सु.९.४४से रा.८.०४तक,गण्डात नक्षत्र स्थिरयोग रा.८.१४ से
२७	रवि	चौथ शा.५.१४	अश्लेषा शा.६.०६	७.११	६.०७	कर्क शा.६.०६	गण्डात नक्षत्र जारी यमघंट योग शा.६.०६ तक
२८	सोम	पाँचम् दो.२.५९	मघा शा.४.३४	७.११	६.०८	सिंह	गण्डात नक्षत्र शा.४.३४ तक कुमार योग शा.४.३४ तक बाद मे रवियोग
२९	मगल	छठ दो.१.२६	पूर्वाफाल्गुनी दो.३.४३	७.१२	६.०८	सिंह रा.९.४०	भद्रा दो.१.२६ से रा.१२.५६ तक,रवियोग दो.१२.४५ से दो.३.४३ तक, राजयोग दो.१.२६ से दो.३.४३ तक
३०	बुध	सातम् दो.१२.३७	उत्तराफाल्गुनी दो.३.३७	७.१२	६.०९	कन्या	**कालाष्टमी,** रवियोग दो.३.३७ तक
३१	गुरु	आठम् दो.१२.३३	हस्त शा.४.१४	७.१२	६.१०	कन्या रा.४.४८	
१ जन.२७	शुक्र	नौमी दो.१.११	चित्रा शा.५.३०	७.१३	६.१०	तुला	**ईस्वी सन् २०२७आरम्भ,शुक्र वृश्चिक** मे रा.११.२२ भद्रा रा.१.४३ से,
२	शनि	दशमी दो.२.२५	स्वाती रा.७.२०	७.१३	६.११	तुला	भद्रा दो.२.२५ तक सिद्धियोग रा.७.२० तक, व्यतीपात महापात रा.४.०७ तक
३	रवि	ग्यारस शा.४.०९	विशाखा रा.९.३७	७.१३	६.११	तुला दो.३.०२	**सफला एकादशी,**राजयोग-मृत्युयोग रा.९.३७ से व्यतीपात महापात सु.११.३५ तक, दग्धयोग शा.४.०९ से
४	सोम	बारस रा.६.१६	अनुराधा रा.१२.१५	७.१४	६.१२	वृश्चिक	**अन्नपूर्णा व्रत समाप्त,** गण्डात नक्षत्र रा.१२.१५ से,
५	मंगल	तेरस रा.८.४०	ज्येष्ठा रा.३.०९	७.१४	६.१३	वृश्चिक रा.३.०९	**भौमप्रदोष व्रत,**भद्रा रा.८.४० से, गण्डात नक्षत्र जारी,
६	बुध	चौदस रा.११.१५	मूल प्रा.६.०९	७.१४	६.१३	धनु	भद्रा सु.९.५७ तक, गण्डात नक्षत्र प्रा.६.०९ तक, यमघंटयोग प्रा.६.०९ तक
७	गुरु	अमावस रा.१.५४	पूर्वाषाढा अहोरात्र	७.१४	६.१४	धनु	**अमावस,**

शुभकामनाओ के साथ :-

कन्सल ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज

1008-1009, Rajhansh Montessa, Beside Le Meridian Hotel,
Dumas Road, Surat (Gujrat) 395007
Tel :- (0261) 2327855/56/57/58/59, email:-groupkansal@gmail.com

श्री पौष सुदी २०८३ शक संवत १९४८ * दिनांक ८ जनवरी से २२ जनवरी २०२७ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शिशिरऋतु,रवि उत्तरायणे,समय स्टैण्डर्ड भ.मि.मे
८ जनवरी	शुक्र	एकम् रा.४.३४	पूर्वाषाढा सु.९.१३	७.१५	६.१५	धनु शा.४.००	मलमास शुद्ध १४ जनवरी
९	शनि	दूज प्रा.७.०८	उत्तराषाढा दो.१२.१६	७.१५	६.१५	मकर	बुध मकर मे रा.१२.३८, चंद्र दर्शन,
१०	रवि	तीज अहोरात्र	श्रवण दो.३.१२	७.१५	६.१६	मकर रा.४.३६	सावित्री पुण्यतिथी,पंचक रा.४.३६ से रवियोग-राजयोग दो.३.१२ से
११	सोम	तीज सु.९.२९	धनिष्ठा शा.५.५४	७.१५	६.१६	कुंभ	भद्रा रा.१०.३२ से,पंचक जारी रवियोग शा.५.५४ से
१२	मंगल	चौथ सु.११.३०	शतभिषा रा.८.१४	७.१५	६.१७	कुंभ	भद्रा सु.११.३० तक ,पंचक जारी, दग्धयोग सु.११.३० से रवियोग-मृत्युयोग रा.८.१४ तक बाद मे कुमारयोग,
१३	बुध	पाँचम् दो.१.०२	पूर्वाभाद्रपद रा.१०.०५	७.१६	६.१८	कुंभ दो.३.४१	पंचक जारी कुमारयोग रा.१०.०५ तक बाद मे रवियोग
१४	गुरु	छठ दो.१.५९	उत्तराभाद्रपद रा.११.१९	७.१६	६.१८	मीन	मकर संक्रांती रा.९.११, अनरुपा षष्ठी,पंचक जारी, दग्धयोग दो.१.५९ तक, रवियोग रा.११.१९ तक
१५	शुक्र	सातम् दो.२.१४	रेवती रा.११.५१	७.१६	६.१९	मीन रा.११.५१	मकरसंक्रांती पुण्यकाल,मलमास समाप्त,पंचक रा.११.५१ तक,भद्रा दो.२.१४ से रा.२.०५ तक,अमृतसिद्धयोग रा.११.५१ तक
१६	शनि	आठम् दो.१.४४	अश्विनी रा.११.३९	७.१६	६.२०	मेष	दुर्गाष्टमी,शाकम्भरी नवरात्रराम्भ, दग्धयोग दो.१.४४ से, रवियोग रा.११.३९ से
१७	रवि	नौमी दो.१२.२७	भरणी रा.१०.४३	७.१६	६२०	मेष रा.४.२३	श्रीहरिजयंती,रवियोग अहोरात्र, वज्रमुसलयोग रा.१०.४३ तक, वैधृतिमहापात दो.१२.३० तक
१८	सोम	दशमी सु.१०.२८	कृतिका रा.९.०६	७.१६	६.२१	वृष	पुत्रदाएकादशी (स्मार्त),बैकुंठ एकादशी,श्याम जागरण भद्रा रा.९.१४से ,रवियोग रा.९.०६तक बाद मे कुमारयोग
१९	मंगल	ग्यारस/बारस सु.७.४४/प्र.४.४१	रोहिणी रा.६.५५	७.१६	६.२२	वृष प्रा.५.४०	पुत्रदा एकादशी(वैष्णव),श्यामज्योत,भद्रा सु.७.५० तक कुमारयोग सु.७.५० तक, राजयोग रा.६.५५ से रा.४.४२ तक
२०	बुध	तेरस रा.१.१३	मृगशिरा शा.४.१९	७.१६	६.२२	मिथुन	प्रदोषव्रत, रवियोग शा.४.१९ से
२१	गुरु	चौदस रा.९.३२	आर्द्रा दो.१.२५	७.१६	६.२३	मिथुन प्रा.५.११	पूर्णिमाव्रत,भद्रा रा.९.३२ से,रवियोग-स्थिरयोग दो.१.२५ तक, सिद्धियोग दो.१.२५ से
२२	शुक्र	पूनम् शा.५.४९	पुनर्वसु सु.१०.२६	७.१६	६.२४	कर्क	माघ स्नान आरम्भ,कमलापुण्यतिथी,शाकम्भरी जयंती, शाकम्भरी नवरात्र समाप्त,भद्रा सु.७.३९ तक

With Best Compliments:

Vinod Deora
(Director)

Santogen Textile Mills Pvt.Ltd.

5B/229, Mittal Ind.Estate, A.K.Road, Andheri (East)
Mumbai - 400059
Phone :+91-22-40264340, 28595777

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	शिशिर ऋतु,रवि उत्तरायणे,समय स्टैण्डर्ड व मि.से
२३ जनवरी	शनि	एकम् दो.२.१४	पुष्य/अश्लेषा सु.७.३२/रा.४.५५	७.१६	६.२४	कर्क रा.४.५५	गण्डात नक्षत्र सु.७.३२ से,
२४	रवि	दूज सु.१०.५८	मघा रा.२.४२	७.१६	६.२५	सिंह	**गुरु कर्क** मे रा.१.३३(वक्री),गण्डात नक्षत्र रा.२.४२ तक, भद्रा रा.९.३१ से, यमघंटयोग रा.२.४२बाद मे राजयोग
२५	सोम	तीज/चौथ इ.१०/४६.०१	पूर्वाफाल्गुनी रा.१.०४	७.१५	६.२५	सिंह	**माहीचौथव्रत** (चंद्रोदय रा.९.३७)
२६	मंगल	पाँचम् रा.४.३४	उत्तराफाल्गुनी रा.१२.०७	७.१५	६.२६	कन्या	भद्रा सु.८.११ तक **गणतंत्र दिवस**
२७	बुध	छठ रा.३.५५	हस्त रा.११.५७	७.१५	६.२७	कन्या	दग्धयोग रा.४.३४ तक, कुमारयोग रा.१२.०७ से **बुध कुंभ** मे रा.३.३७, भद्रा रा.३.५५ से, कुमारयोग
२८	गुरु	सातम् रा.४.०४	चित्रा रा.१२.३३	७.१५	६.२७	कन्या दो.१२.११	रा.११.५७तक बाद मे रवियोग,राजयोग रा.३.५५ तक भद्रा दो.३.५३ तक,
२९	शुक्र	आठम् रा.४.५९	स्वाती रा.१.५५	७.१५	६.२८	तुला	रवियोग रा.१२.३३ तक, स्थिरयोग रा.४.०४ से **शुक्र धनु** मे रा.६.४२,**कालाष्टमी,** दग्धयोग रा.४.५९ तक,
३०	शनि	नौमी प्रा.६.३७	विशाखा रा.३.५६	७.१५	६.२८	तुला रा.९.२४	**रामदेई पुण्यतिथी** दग्धयोग प्रा.६.३७ तक
३१	रवि	दशमी अहोरात्र	अनुराधा प्रा.६.२८	७.१४	६.२९	वृश्चिक	भद्रा रा.७.३४ से, मृत्युयोग प्रा.६.२८ तक,गण्डात नक्षत्र प्रा.६.२८ से
१ फरवरी	सोम	दशमी सु.८.४२	ज्येष्ठा अहोरात्र	७.१४	६.२९	वृश्चिक	भद्रा सु.८.४२ तक, गण्डात नक्षत्र जारी,दग्धयोग सु.८.४२ तक,
२	मंगल	ग्यारस सु.११.११	ज्येष्ठा सु.९.२३	७.१४	६.३०	वृश्चिक सु.९.२३	**षटतिला एकादशी,** गण्डात नक्षत्र जारी, कुमारयोग सु.९.२३ से सु.११.११ तक
३	बुध	बारस दो.१.५१	मूल दो.१२.२६	७.१३	६.३१	धनु	**प्रदोष व्रत,** यमघंटयोग-गण्डात नक्षत्र दो.१२.२६ तक राजयोग दो.१२.२६ से दो.१.५१ तक
४	गुरु	तेरस शा.४.३२	पूर्वाषाढा दो.३.३३	७.१३	६.३१	धनु रा.१०.१९	भद्रा शा.४.३२ से प्रा.५.५० तक, स्थिरयोग दो.३.३३ तक
५	शुक्र	चौदस रा.७.०६	उत्तराषाढा रा.६.३३	७.१३	६.३२	मकर	
६	शनि	अमावस रा.९.२६	श्रवण रा.९.२०	७.१२	६.३२	मकर	**मौनी अमावस,** **सूर्य ग्रहण** (भारत मे नही दिखेगा)

शुभकामनाओ के साथ :-

श्री राजेश गौरासरिया

श्री विष्णु फ्रैबिक्स

अकीरा फैशन

(शर्टिंग एवं साडियो के निर्माता -विक्रेता)

215/217, कालबादेवी रोड, रुम नं.104, 1 माला, मुंबई - 400002

सम्पर्क : 9324051659, 9869063831

email:- svfrajesh@gmail.com

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	
७ फरवरी	रवि	एकम् रा.११.२८	धनिष्ठा रा.११.४९	७.१२	६.३३	मकर सु.१०.३७	शिशिर ऋतु, रविउत्तरायणे, समय स्टैण्डर्ड व शि.में पंचक सु.१०.३७ से, राजयोग रा.११.२८ से रा.११.४९ तक
८	सोम	दूज रा.१.०७	शतभिषा रा.१.५७	७.१२	६.३३	कुंभ	चंद्र दर्शन, पंचक जारी,
९	मंगल	तीज रा.२.२१	पूर्वाभाद्रपद रा.३.४१	७.११	६.३४	कुंभ रा.९.१८	पंचक जारी, रवियोग-सिद्धियोग रा.३.४१ से
१०	बुध	चौथ रा.३.०५	उत्तराभाद्रपद रा.४.५७	७.११	६.३४	मीन	वरद चतुर्थी, भद्रा दो.२.४७ से रा.३.०५ तक पंचक जारी, रवियोग रा.४.५७ तक
११	गुरु	पाँचम् रा.३.१९	रेवती प्रा.५.४३	७.१०	६.३५	मीन प्रा.५.४३	वसंतपंचमी, सरस्वतीपुजा, पंचक प्रा.५.४३ तक दग्धयोग रा.३.१९ से, वैधृतिमहापात रा.३.३७से,
१२	शुक्र	छठ रा.३.००.	अश्विनी प्रा.५.५७	७.१०	६.३५	मेष	रवियोग प्रा.५.५७ तक बाद मे राजयोग वैधृतिमहापात सु.८.०३ तक, कुमारयोग रा.३.०० तक,
१३	शनि	सातम् रा.२.०८	भरणी प्रा.५.३८	७.०९	६.३६	मेष	कुंभ संक्रांती सु.१०.०९, रथसप्तमी, आरोग्य सप्तमी भद्रा रा.२.०८ से, स्थिरयोग-ज्वालामुखीयोग प्रा.५.३८ से
१४	रवि	आठम् रा.१२.४२	कृतिका रा.४.४७	७.०९	६.३६	मेष सु.११.२८	दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, रवियोग रा.४.४७ से, भद्रा दो.१.२९तक, ज्वालामुखीयोग रा.१२.४२से रा.४.४७ तक
१५	सोम	नौमी रा.१०.४५	रोहिणी रा.३.२६	७.०८	६.३७	वृष	श्रीहरिजयंती, ज्वालामुखी योग रा.१०.४५ तक कुमारयोग रा.१०.४५ से रा.३.२६तक बाद मे अमृतसिद्धयोग
१६	मंगल	दशमी रा.८.२१	मृगशिरा रा.१.३९	७.०८	६.३७	वृष दो.२.३६	भद्रा प्रा.६.५९ से, रवियोग रा.१.३९ तक बाद मे यमघंटयोग
१७	बुध	ग्यारस शा.५.३३	आर्द्रा रा.११.३०	७.०७	६.३७	मिथुन	जयाएकादशी, श्यामजागरण, भद्रा शा.५.३३ तक,
१८	गुरु	बारस दो.२.२९	पुनर्वसु रा.९.०७	७.०७	६.६८	मिथुन दो.३.४४	भीष्मद्वादशी, प्रदोष व्रत, श्याम ज्योत, बसंत ऋतु आरम्भ, सिद्धियोग रा.९.०७ तक बाद मे रवियोग-अमृतसिद्धयोग
१९	शुक्र	तेरस सु.११.१६	पुष्य शा.६.३७	७.०६	६.३८	कर्क	विश्वकर्मा जयंती, गण्डात नक्षत्र शा.६.३७ से, रवियोग शा.६.३७ तक बाद मे मृत्युयोग
२०	शनि	चौदस/पूनम् सु.८.१०रा.४.५४	अश्लेषा शा.४.०९	७.०५	६.३९	कर्क शा.४.०९	पूर्णिमाव्रत, मांद्यचंद्रग्रहण, माघस्नानसमाप्त, भद्रा सु.८.०१ से शा.६.३७ तक, गण्डात नक्षत्र जारी

श्री कृष्ण गौशाला समिति

बडागाँव (राजस्थान)

श्री कृष्ण गौशाला समिति-बडागाँव जिला झुँझनू मे बाई-पास बस स्टेण्ड के पास स्थित है ।इस गौशाला की स्थापना सन् १९९९ मे हुई थी। यह गौशाला १० बीघा परीसर मे फैली है । इस में खेती लायक भूमी भी उपलब्ध है । परिसर में सभी मकान पक्के बने है जिसमे चारे के लिए तीन व अनाज के लिए एक। १८००० फीट का टीन के शेड की व्यवस्था है, जिसमे पंखे भी लगाए गये है । जहाँ गायों के चरने की एवं पानी की दवा,चिकित्सा की व्यवस्था है । गायों को समय समय पर हरा चारा एवं दलिया भी दिया जाता है । कृषी कार्यो के लिए किसी पर निर्भय न रहे इसलिए टैक्टर का इंतजाम भी रखा गया है ।

श्री फागण बदी २०८३ शक संवत १९४८ ● दिनांक २१ फरवरी से ८ मार्च २०२७ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वसंत ऋतु, रविउत्तरायणे, समय स्टैण्डर्ड म.नि.से
२१ फरवरी	रवि	एकम् रा.२.०५	मघा दो.१.५२	७.०५	६.३९	सिंह	गण्डात नक्षत्र दो.१.५२ तक वज्रपंटयोग दो.१.५२तक,राजयोग रा.२.०५ से
२२	सोम	दूज रा.११.४०	पूर्वाफाल्गुनी सु.११.५६	७.०४	६.४०	सिंह शा.५.३१	
२३	मंगल	तीज रा.९.५०	उत्तराफाल्गुनी सु.१०.२९	७.०४	६.४०	कन्या	बुध मकर मे रा.४.४४(वक्री),भद्रा सु.१०.४० से रा.९.५० तक व्यतीपात महापात रा.२.१३ से प्रा.६.१६ तक
२४	बुध	चौथ रा.८.४१	हस्त सु.९.३९	७.०३	६.४०	कन्या रा.९.३३	शुक्र मकर मे दो.३.१७, चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रा.१०.०२)
२५	गुरु	पाँचम् रा.८.१८	चित्रा सु.९.३३	७.०२	६.४१	तुला	दग्धयोग रा.८.१८ से
२६	शुक्र	छठ रा.८.४४	स्वाती सु.१०.१४	७.०२	६.४१	तुला प्रा.५.१६	भद्रा रा.८.४४ से,रवियोग सु.१०.१४ से कुमारयोग सु.१०.१४ से रा.८.४४ तक
२७	शनि	सातम् रा.९.५५	विशाखा सु.११.४०	७.०१	६.४१	वृश्चिक	भानु सप्तमी,श्रीनाथजीपाटोत्सव, भद्रा सु.९.११ तक,रवियोग सु.११.४० तक
२८	रवि	आठम् रा.११.४७	अनुराधा दो.१.४८	७.००	६.४२	वृश्चिक	कालाष्टमी,सीताष्टमी, गण्डात नक्षत्र दो.१.४८ से,मृत्युयोग दो.१.४८ तक
१ मार्च	सोम	नौमी रा.२.०७	ज्येष्ठा शा.४.२९	६.५९	६.४२	वृश्चिक शा.४.२९	कुमारयोग रा.२.०७ से गण्डात नक्षत्र जारी
२	मंगल	दशमी रा.४.४५	मूल रा.४.२७	६.५९	६.४२	धनु	भद्रा दो.३.२५ से रा.४.४५ तक गण्डात नक्षत्र रा.४.२७ तक, कुमारयोग रा.४.२७ तक
३	बुध	ग्यारस अहोरात्र	पूर्वाषाढा रा.१०.३४	६.५८	६.४३	धनु प्रा.५.२२	
४	गुरु	ग्यारस सु.७.२५	उत्तराषाढ़ा रा.१.३६	६.५७	६.४३	मकर	विजयाएकादशी,
५	शुक्र	बारस सु.९.५४	श्रवण रा.४.२१	६.५६	६.४३	मकर	प्रदोष व्रत,
६	शनि	तेरस दो.१२.०४	धनिष्ठा प्रा.६.४२	६.५६	६.४४	मकर शा.५.३६	महाशिवरात्रि,भद्रा दो.१२.०४ से रा.१२.५९ तक, पंचक शा.५.३६ से, स्थिरयोग प्रा.६.४२ से
७	रवि	चौदस दो.१.४७	शतभिषा अहोरात्र	६.५५	६.४४	कुंभ	पंचक जारी
८	सोम	अमावस दो.३.००	शतभिषा सु.८.३५	६.५४	६.४४	कुंभ रा.३.४१	सोमवती अमावस, पंचक जारी, कुमारयोग दो.३.०० से

With Best Compliments:-

SUSHIL SANGANERIA

Advocate High Court

(Consultants in GST & Profession Tax Act)

Off.No.1055, Eaze Zone Shopping mall L.Ground floor, Opp. Rustomjee towers Goregoan Mulund Link Road, Opp. IDBI Bank, Goregaon [W] Mumbai - 400 062

Mob. 93201 79131, 7977144842 email: sushil_sanganeria@rediffmail.com

श्री फागण सुदी २०८३ शक संवत १९४८ * दिनांक ९ मार्च से २२ मार्च २०२७ तक

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	
९ मार्च	मंगल	एकम् दो.३.४२	पूर्वाभाद्रपद सु.९.५९	६.५३	६.४५	मीन	वसंत ऋतु,रविउत्तराक्षणे,समय स्टैण्डर्ड व नि में चंद्रदर्शन,वसंत ऋतु आरम्भ,मंगल कर्क मे दो.२.१९
१०	बुध	दूज दो.३.५४	उत्तराभाद्रपद सु.१०.५३	६.५३	६.४५	मीन	पंचक जारी,कुमारयोग सु.९.५९तक बाद मे सिद्धियोग फुलरीया दूज,पंचक जारी, राजयोग सु.१०.५३ तक, दग्धयोग दो.३.५४ से
११	गुरु	तीज दो.३.३८	रेवती सु.११.२०	६.५२	६.४५	मीन सु.११.२०	बुध कुंभ मे प्रा.५.०६, भद्रा रा.३.२१ से, पंचक सु.११.२० तक,रवियोग सु.११.२० से
१२	शुक्र	चौथ दो.२.५८	अश्विनी सु.११.२३	६.५१	६.४५	मेष	भद्रा दो.२.५८ तक, रवियोगसु.११.२३ तकज्वालामुखियोग दो.२.५८ से
१३	शनि	पाँचम् दो.१.५५	भरणी सु.११.०४	६.५०	६.४६	मेष शा.४.५६	ज्वालामुखी योग सु.११.०४ तक, रवियोग सु.११.०४ से
१४	रवि	छठ दो.१२.३३	कृतिका सु.१०.२४	६.४९	६.४६	वृष	रवियोग सु.१०.२४ तक
१५	सोम	सातम् सु.१०.५२	रोहिणी सु.९.२७	६.४९	६.४६	वृष रा.८.५२	मीन संक्रांती सु.७.०९,मलमास आरम्भ, भद्रा सु.१०.५२ से रा.९.५६ तक,अमृतसिद्धयोग सु.९.२७से
१६	मंगल	आठम्/नौमी सु.८.५५/रा.६.४५	मृगशिरा/आर्द्रा सु.८.१४/रा.६.४६	६.४८	६.४६	मिथुन	दुर्गाष्टमी,श्रीहरि जयंती,,रवियोग सु.८.१४ से, यमघटयोग सु.८.१४ से प्रा.६.४६ तक बाद मे कुमारयोग
१७	बुध	दशमी रा.४.२२	पुनर्वसु प्रा.५.१८	६.४७	६.४७	मिथुन रा.११.३४	कुमारयोग-रवियोग प्रा.५.१८ तक
१८	गुरु	ग्यारस रा.१.५२	पुष्य रा.३.२२	६.४६	६.४७	कर्क	आमलकी एकादशी,श्यामजागरण,भद्रा दो.३.०८ से रा.१.५२ तक,अमृतसिद्धयोग रा.३.२२ तक,गण्डात नक्षत्र रा.३.२२से
१९	शुक्र	बारस रा.११.१९	अश्लेषा रा.१.३३	६.४५	६.४७	कर्क रा.१.३३	मेला खाटूश्यामजी,श्यामज्योत,गोबिन्द द्वादशी तिथिवासर सु.७.१४तक,गण्डात नक्षत्र जारी
२०	शनि	तेरस रा.८.४७	मघा रा.११.४६	६.४५	६.४७	सिंह	शनि प्रदोष व्रत, गण्डात नक्षत्र रा.११.४६ तक,रवियोग रा.११.४६ तक
२१	रवि	चौदस शा.६.२३	पूर्वाफाल्गुनी रा.१०.०८	६.४४	६.४८	सिंह रा.३.४६	पूर्णिमाव्रत,होलिकादहन, शुक्र कुंभ मे रा.६.५३ भद्रा शा.६.२३स प्रा.५.१५ तक.रवियोग रा.१०.०८ तक
२२	सोम	पूनम् शा.४.१५	उत्तराफाल्गुनी रा.८.४७	६.४३	६.४८	कन्या	धुलेटी,होलाष्टक समाप्त,चैतन्यजयंती, कुमारयोग रा.८.४७ से

मलमास आरम्भ १५ मार्च

With Best Compliments

Satya Narayan Agarwal

M/S MAHALAXMI IMPLEX

Manufacturers of Test terminal block

Suppliers of cable trays, GI flats pressphone paper.

5-C/A Parekh Indu.Estate, 2nd Floor, Parekh Nagar,S.V.Road,Kandivali (west),Mumbai-67

(M):- +91-9833979402, +91-9833759545, Email: mahalaxmiimpex@yahoo.co.in

Website: http://www.indiamart.com/mahalaxmi-impex-mumbai

दिनांक	वार	तिथी	नक्षत्र	सूर्योदय	सूर्यास्त	चंद्रराशि	वसंतऋतु,रविउत्तरायणे,समय स्टैण्डर्ड म.वि.से
२३ मार्च	मंगल	एकम् दो.२.३०	हस्त रा.७.५१	६.४२	६.४८	कन्या	**वसंत प्रतिपदा,** **मलमास चालु है** कुमारयोग दो.२.३० तक,राजयोग रा.७.५१ से
२४	बुध	दूज दो.१.१५	चित्रा रा.७.२६	६.४१	६.४८	कन्या सु.७.३५	भद्रा रा.१२.५२ से दग्धयोग दो.१.१५ से, राजयोग रा.७.२६ तक
२५	गुरु	तीज दो.१२.३९	स्वाती रा.७.४०	६.४०	६.४९	तुला	**चतुर्थीव्रत** (चंद्रोदय रा.९.४१),भद्रा दो.१२.३९ तक, स्थिरयोग दो.१२.३९ से रा.७.४० तक
२६	शुक्र	चौथ दो.१२.४४	विशाखा रा.८.३६	६.३९	६.४९	तुला दो.२.२०	**गुडफ्रायडे** कुमारयोग दो.१२.४४ से रा.८.३६ तक
२७	शनि	पाँचम् दो.१.३५	अनुराधा रा.१०.१५	६.३९	६.४९	वृश्चिक	**श्रीपंचमी,रंगपंचमी,** गण्डात नक्षत्र रा.१०.१५ से, रवियोग रा.१०.१५ से
२८	रवि	छठ दो.३.०५	ज्येष्ठा रा.१२.३४	६.३८	६.४९	वृश्चिक रा.१२.३४	**इस्टरडे** भद्रा दो.३.०५ से रा.४.०५ तक,गण्डात नक्षत्र जारी, रवियोग रा.१२.३४ तक, सिद्धियोग रा.१२.३४ से
२९	सोम	सातम् शा.५.११	मूल रा.३.१९	६.३७	६.५०	धनु	**कालाष्टमी,** शीतला पूजन गण्डात नक्षत्र रा.३.१९ तक,
३०	मंगल	आठम् रा.७.४०	पूर्वाषाढ़ा प्रा.६.२२	६.३६	६.५०	धनु	वज्रमुसलयोग प्रा.६.२२ से
३१	बुध	नौमी रा.१०.१६	उत्तराषाढ़ा अहोरात्र	६.३५	६.५०	धनु दो.१.०९	
१ अप्रेल	गुरु	दशमी रा.१२.४५	उत्तराषाढ़ा सु.९.२६	६.३४	६.५०	मकर	भद्रा सु.११.३३ से रा.१२.४५ तक
२	शुक्र	ग्यारस रा.२.५२	श्रवण दो.१२.१६	६.२४	६.५०	मकर रा.१.३३	**पापमोचनी एकादशी,** पंचक रा.१.३३ से, कुमारयोग दो.१२.१६ से, राजयोग रा.२.५२ से
३	शनि	बारस रा.४.२७	घनिष्ठा दो.२.१२	६.३३	६.५१	कुँभ	तिथिवासर सु.९.१ तक, पंचक जारी स्थिरयोग रा.४.२७ से
४	रवि	तेरस प्रा.५.२४	शतभिषा शा.४.३३	६.३२	६.५१	कुँभ	**प्रदोषव्रत,**वारुणीयोग शा.४.३३ तक,पंचक जारी, भद्रा प्रा.५.२४ से,वैधृतिमहापात सु.८.३६ से दो.१२.४५ तक
५	सोम	चौदस प्रा.५.४१	पूर्वाभाद्रपद शा.५.४७	६.३१	६.५१	कुँभ सु.११.३२	**बुध मीन** मे शा.४.१४,भद्रा शा.५.३७ तक, पंचक जारी,
६	मंगल	अमावस प्रा.५.२२	उत्तराभाद्रपद शा.६.२४	६.३०	६.५१	मीन	**अमावस,** पंचक जारी,सिद्धियोग शा.६.२४ तक

॥ समर्पण ॥

स्वर्गीय पिताश्री मोहन लाल जी खंडेलिया को जिनसे हमें विषाद एवं असमंजस से सर्वथा मुक्त ऐसे आनंद-मार्ग पर चलते रहने की अदम्य प्रेरणा प्राप्त हुई जो

"कर्मण्यवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन"

के अक्षय आलोक से प्रकाशित है ।

श्री सुरेश कुमार खंडेलिया,३००२ बी.ओबेराय स्क्वायर,ओबेराय गार्डन सिटी, गोरेगाँव, (पूर्व) मुंबई -४०००६३, :- ०२२-४९७४०२४५, ९७६९२२४०४०

कुछ उपयोगी बाते

खुजली आने पर सरसो के तेल की मालिश लाभदायी होती है ।
बेर के पेड़ की छाल चुसने से आवाज बैठ गई हो तो खुल जाती है ।
बिच्छू के काटने के स्थान पर केरोसिन में फिटकरी का पाउडर मिलाकर लगाने से पीड़ा मिट जाती है ।
हरा - धनिया को पीसकर गरम करके पोटली बाँध कर सेक करने पर मस्सा की पीड़ा मे आराम मिलता है ।
दमा की शिकायत होने पर हल्दी पाउडर एवं सूठ का पाउडर शहद में मिलाकर सेवन करने फायदा होता है ।
पीले दाँतो पर पीसा हुआ नमक एवं खाने का सोड़ा घीसने से दाँत चमक उठते है ।
अदरक का रस,निबु का रस,और नमक मिलाकर लेने से पाचन क्रिया बलवान बनती है ।
पेशाब की जलन होने पर में सौफ तथा गोखरु का काढ़ा लेने से जलन शात होती है ।
गेहूँ-चनाको उबाल कर एक चुटकी पापड़-खार मिलाकर पीने से पथरी खत्म हो जाती है ।
बालक का पेट दु:ख रहा हो तो उसका ही मुत्र चोपड़ने से लाभ होता है ।
गरम दूध में काली मिर्ची का पाउडर एवं शक्कर मिलाकर पीने से सरदी मिट जाती है ।
नमक का लेप लगाने से सुजन मिट जाती है ।
लवंग को गरम पानी में भिगोकर यह पानी पीने से गर्भवती स्त्री की उलटीयाँ बंद हो जाती है ।
आम के पत्तों को जलाकर उसका धुआँ लेने से हिचकी बंद हो जाती है ।
हल्दी एवं आँवले का चुर्ण समान भाग में लेकर एक चम्मच रोज लेने से डायबीटीज मिट जाती है ।
जीरा का चुर्ण रोज लेने से आँखों की जलन मिटती है ।
तुलशी के पत्ते दही या छाछ के साथ लेने से एसिडिटी मे आराम मिल जाता है ।
मेथी के कोमल पत्तों का साग खाने से खून शुद्ध होता है ।
काल मिर्ची को देसी घी मे घिसकर नाक मे टीपा डालने से आधसीसी मिटती है।
रात्री सोते समय नमक की डली मुँह मे रखने से खाँसी नही आती है ।
प्याज को गरम राख में सेककर रोज खाने से कब्जिखत्म हो जाती है ।
सूँठ का काढ़ा पीने से जोड़ो का दर्द मिटता है ।
निंबू को चीर कर ऊपर सोडा-बाय-कार्ब डालकर सुबह सुबह चुसने पर पीलीयाँ मे आराम मिलता है ।
नारियल का तेल एवं निंबू का रस को मिलाकर मालिश करने से खुजली तथा दाद खत्म हो जाते है ।
लवंग कोजरा सेक कर मुँह मे रख कर चुसने से गले की सुजन मिट जाती है ।
पुदीना और तुलसी का उबाल कर पीने से रोज आने वाला बुखार उतर जाता है ।
अजवान एवं काला नमक का चूर्ण फाँकने से गैस के उपद्रव मे राहत मिलती है ।
अंजीर को दूध मे उबाल कर पीने से खून मे वृद्धि होती है ।

With best Compliments:-

Luvkesh Agarwal
Foundaar & CEO

AERTRIP INDIA LTD.(aertrip.com)

FLIGHTS*VISAS*HOTELS*& HOLIDAYS

509/510 Techniplex, 11-Lilya Nagar, Goregaon New Link Road
Near WITTY Inter National School, Malad (West) Mumbai 400064
Mob.+91 9820513122 , email: ticketing @aertrip.com